राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

Www.gauravshalibharat.com

गौरवशाली भारत

नई दिल्ली से प्रकाशित

वर्ष : 11
अंक : 363
पृष्ठ : 08
नई दिल्ली
गुरुवार 14 जुलाई 2022
मूल्य : 1.50/-
RNI No .DELHIN/2011/38334

मुख्य अपडेट

पेज 3 श्री हंस सांसद खेल महोत्सव मे बुराड़ी बुल्स की टीम ने मीडिया मास्टर्स को एवं गोकलपुर दबंग की टीम ने बाबरपुर बुलडोजर को हराकर अपने-

पेज 5 मुलायम के करीबी रहे आईएएस रामविलास यादव पर ईडी का शिकंजा, खंगाली जा रहीं अवैध संपत्तियां

पेज 7 एक तरफ बातचीत, दूसरी ओर हमलों में तेजी, ... रूस का दावा- यूक्रेन के तीन लड़ाकू विमानों को किया ध्वस्त

देश में अब तक 9 प्रतिशत से ज्यादा बारिश

मुंबई के वसई में लैंडस्लाइड, कई लोग दबे; गुजरात में अब तक 69 की मौत

नई दिल्ली। मध्यप्रदेश, गुजरात, उत्तराखंड, हिमाचल और महाराष्ट्र समेत देश के 25 से ज्यादा राज्यों में बारिश हो रही है। मुंबई के पालघर के वसई इलाके में बुधवार को लैंडस्लाइड में कई लोगों के दबे होने की खबर है। मौसम विभाग के मुताबिक, बंगाल की खाड़ी मे लो-प्रेशर बना हुआ है। जिसकी वजह से अगले चार दिन तक छत्तीसगढ़, गुजरात, महाराष्ट्र, ओडिशा, केरल, कर्नाटक, तेलंगाना और आंध्र प्रदेश में मध्यम से भारी बारिश का अनुमान है। बारिश से सबसे ज्यादा प्रभावित गुजरात और महाराष्ट्र है। मंगलवार को पूरे देश में 289 मिमी बारिश हुई। देश के कई जिले ऐसे हैं जो अभी भी अच्छी बारिश के लिए तरस रहे हैं। मौसम विभाग के मुताबिक, देश में अब तक औसत से 9त्न अधिक बारिश हो चुकी है।

महाराष्ट्र- वसई में लैंडस्लाइड, कई लोग दबे

मुंबई के पास पालघर के वसई में बुधवार सुबह लैंडस्लाइड हुआ। कई लोग दब गए। एनडीआरएफ की टीम ने अब तक दो लोगों को जिंदा निकाला है, जबकि तीन लोग अब भी फंसे बताए जा रहे हैं। एक घर को नुकसान पहुंचा है। किसी के भी हताहत होने की जानकारी नहीं है।

गुजरात- राजकोट में स्कूल कॉलेज बंद, वलसाड में 2 हजार लोग प्रभावित

गुजरात में कई गांवों का संपर्क टूट गया है, जिसके बाद अधिकारियों को लोगों को बचाने के लिए हेलिकॉप्टर तैनात करने पड़े हैं। बाढ़ से अब तक 69 लोगों की जान जा चुकी है। लोगों को बचाने के लिए ह्र्रष्ठक्रस्न की टीमें काम कर रही हैं। दो दिन में 2000 से अधिक लोगों को अलग-अलग क्षेत्रों से निकाला गया है। राजकोट में बुधवार को भी स्कूल और कॉलेज बंद रखने का फैसला किया गया है।

राज्य के 15 तहसीलों में 8 इंच से अधिक बारिश दर्ज की गई है। नर्मदा जिले के दडियापाड़ा में सबसे अधिक 22 इंच बारिश हुई। कच्छ जोन में सबसे ज्यादा 75 प्रतिशत, दक्षिण गुजरात जोन में 52 प्रतिशत, सौराष्ट्र में 43 प्रतिशत, पूर्वी गुजरात में 35 प्रतिशत और उत्तरी गुजरात में 23 प्रतिशत बारिश रिकॉर्ड की गई।

मध्य प्रदेश : छिंदवाड़ा-नागपुर ट्रैक 5 घंटे बंद रहा

मंगलवार को राजधानी भोपाल सहित राज्य के कई जिलों में भारी बारिश हुई। हालांकि, भोपाल में मंगलवार को सुबह हुई बारिश के बाद थोड़ी देर के लिए धूप भी निकली, लेकिन शाम होते-होते फिर बारिश शुरू हो गई। इंदौर में अब तक 10 इंच बारिश हो चुकी है।

राजस्थान में पार्वती नदी का स्तर बढ़ा, पुल के ऊपर आया पानी

राजस्थान में बारिश का दौर जारी है। प्रदेश में अब तक 46 प्रतिशत से ज्यादा बरसात हो चुकी है। इसके साथ ही भारी बारिश के चलते राजस्थान का मध्यप्रदेश से संपर्क कट गया है। तेज बारिश से पार्वती नदी का जलस्तर बढ़ने के बाद कोटा-श्योपुर (मध्य प्रदेश) का संपर्क कट गया। यहां नदी का पानी खातोली के पास इंटर स्टेट हाईवे पर बनी पुलिया के ऊपर बह रहा है। खतरे को देखते हुए प्रशासन ने वाहनों की आवाजाही रोक दी है।

अब तक 9प्रतिशत अधिक भीगा देश, लेकिन 32 करोड़ आबादी वाले 85 जिले तरसे

मौसम विभाग के अनुसार जून से अब तक देश में औसत से 9त्न अधिक बारिश रिकॉर्ड की गई है। मंगलवार तक देश के औसत 266 मिलीमीटर बारिश के मुकाबले 289 मिमी बारिश दर्ज की गई। लेकिन देश में जून के बाद से बारिश का असमान पैटर्न भी सामने आया है। देश के लगभग 85 जिले अच्छी बारिश के लिए तरस रहे हैं। लगभग 32 करोड़ की आबादी वाले इन जिलों में अपर्याप्त बारिश दर्ज की गई है।

इन जिलों में सर्वाधिक लगभग 42 जिले उत्तरप्रदेश के हैं। तमिलनाडु के लगभग 12 जिलों में अभी पर्याप्त बारिश नहीं हुई है। देश के उत्तर पश्चिमी क्षेत्रों में बारिश की कमी है। इनमें राजस्थान के पश्चिमी जिले शामिल हैं।

भारतीय कपल से 45 पिस्टल बरामद

वियतनाम से लौटा था भारतीय कपल, दिल्ली एयरपोर्ट पर पकड़ा गया

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली के इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर 45 पिस्तौल ले जा रहे दो भारतीय नागरिकों को गिरफ्तार किया है। ये पिस्टल असली हैं या नहीं, इसकी जांच की जा रही है। मामले की जांच कर रही एनएसजी का कहना है कि पिस्टल देखने में असली ही लग रही हैं।

अधिकारियों ने बताया कि गिरफ्तार नागरिकों की पहचान जगजीत सिंह और जसविंदर सिंह के रूप में हुई है, वे पति-पत्नी हैं।

कपल 10 जुलाई को वियतनाम से भारत लौटा था। एयरपोर्ट पर टीम को इनके पास मौजूद दो ट्रॉली बैग संदिग्ध मालूम हुए। टीम ने उन्हें रोककर जांच की तो ट्रोली बैग से 45 पिस्तौल मिलीं। इन पिस्टल्स की कीमत करीब साढ़े 22 लाख बताई जा रही है।

पहले भी कर चुके हैं हथियारों की तस्करी

कपल ने 12 लाख रुपए से अधिक कीमत की 25 पिस्टल तस्करी करने की बात स्वीकार कर ली है। उन्होंने बताया कि इससे पहले तुर्की से 25 पिस्टल भारत ला चुके हैं। जगजीत का कहना है कि ये पिस्तौल उनके भाई मनजीत सिंह ने दी थीं। मामले में आगे की जांच की जा रही है।

साल का सबसे बड़ा सुपरमून

दिल्ली-अजमेर समेत दुनियाभर में 15 प्रतिशत ज्यादा चमकीला दिखा चांद

एजेंसी

नई दिल्ली। दुनियाभर में आज चांद की चमक कुछ ज्यादा नजर आई। यूं तो हर पूर्णिमा को पूरा चांद यानी फुल मून दिखाई देता है, लेकिन बुधवार रात साल का पहला सुपर मून 15 प्रतिशत ज्यादा चमकीला नजर आया, तो इसका आकार भी सामान्य से 7 प्रतिशत बढ़ा हुआ था। सुपरमून तब होता है, जब पृथ्वी और चंद्रमा के बीच की दूरी सबसे कम हो जाती है। इस वजह से चांद ज्यादा बड़ा और चमकीला दिखाई देता है। ऐसा ही संयोग पिछले महीने भी बना था, जब पूर्णिमा के दिन चांद का रंग पूरी तरह लाल हो गया था।

देश की बात करें तो दिल्ली, हरियाणा, बिहार और अजमेर में चंद्रमा अपनी पूरी सफेदी के साथ नजर आया। वहीं दुनिया के तमाम बड़े शहरों में भी इसका आकार और चमक सामान्य से ज्यादा है। भारत में रात 12 बजकर 8 मिनट पर इसका आकार सबसे बड़ा दिखाई देने की बात कही गई है।

क्या होता है सुपरमून?

सुपरमून एक ऐसी खगोलीय घटना है, जिसमें चांद अपने सामान्य आकार से ज्यादा बड़ा दिखाई देता है। रिपोर्ट के मुताबिक, सुपरमून नॉर्मल चांद के मुकाबले 7 प्रतिशत बड़ा दिखता है। साथ ही यह 15त्न ज्यादा चमकीला भी नजर आता है। सुपरमून हर साल तीन से चार बार देखा जाता है।

सुपरमून दिखने की वजह भी काफी दिलचस्प है। दरअसल, इस दौरान चांद धरती का चक्कर लगाते-लगाते उसकी कक्षा के बेहद करीब आ जाता है। इस स्थिति को पेरिजी कहा जाता है। वहीं, चांद के धरती से दूर जाने पर उसे अपोजी कहते हैं। एस्ट्रोलॉजर रिचर्ड नोल ने पहली बार 1979 में सुपरमून शब्द का इस्तेमाल किया था।

अगले तीन दिन दिखेगा फुल मून

अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा के मुताबिक अगले तीन दिन भी चांद धरती के करीब ही देखा जाएगा। इसे फुल मून कहा जा सकता है, लेकिन यह असल में पूर्णिमा नहीं होगी। सिर्फ चांद के आकार की वजह से ही यह फुल मून प्रतीत होगा।

सुपरमून दिखाई देने की अगली घटना अगले साल 3 जुलाई को होगी। सुपरमून और पूर्णिमा का एक साथ होना दुर्लभ है, इसलिए आज सुपरमून देखने से आपको चूकना नहीं चाहिए।

पूर्णिमा और सुपरमून में क्या रिश्ता है?

हर 27 दिन में चांद पृथ्वी का एक चक्कर पूरा कर लेता है। 29.5 दिन में एक बार पूर्णिमा भी आती है। हर पूर्णिमा को सुपरमून नहीं होता, पर हर सुपरमून पूर्णिमा को ही होता है। चांद पृथ्वी के आसपास अंडाकार रेखा में चक्कर लगाता है, इसलिए पृथ्वी और चांद के बीच की दूरी हर दिन बदलती रहती है।

जुलाई में होता है सुपर बक मून

जुलाई में नजर आने वाले सुपरमून को बक मून भी कहा जाता है। हिंदी में बक का मतलब वयस्क नर हिरण होता है। ऐसा साल के उस समय के संदर्भ में कहा जाता है, जब हिरणों के नए सींग उगते हैं। वहीं, कुछ जगहों में जुलाई के सुपरमून को थंडर मून भी कहा जाता है, क्योंकि इस महीने में बादल गरजना और बिजली कड़कना आम बात है।

ओयो देगा नीट महिला अभ्यर्थियों को होटल में 60 प्रतिशत छूट

नयी दिल्ली। निजी क्षेत्र की होटल श्रृंखला 'ओयो' अंडरग्रेजुएट मेडिकल कोर्स में प्रवेश के लिए नेशनल एलिजिबिलिटी कम एंट्रेंस टेस्ट (नीट) की महिला अभ्यार्थियों को होटल किराये में 60 प्रतिशत की छूट देगा। कंपनी ने बुधवार को यहां बताया कि इस वर्ष की नीट परीक्षा में 18 लाख से ज्यादा विद्यार्थी हिस्सा लेंगे। इनमें से आधी छात्राएं होंगी। ये छात्राएं पूरे देश में ओयो होटलों में ठहरने पर 60 प्रतिशत तक की छूट पा सकती हैं। कंपनी के अनुसार यह छूट 16 जुलाई और 17 जुलाई को उपलब्ध होगी। नीट परीक्षा का आयोजन रविवार, 17 जुलाई को देश के 497 शहरों में भिन्न-भिन्न केंद्रों पर होगा। ओयो के उत्पाद एवं मुख्य सेवा अधिकारी श्रीरंग गोडबोले ने कहा कि हर साल बड़ी संख्या में छात्राओं को नीट परीक्षा में बैठने के लिए अपने गांवों और कस्बों से दूसरे बड़े शहरों में जाना पड़ता है।

18+ को फ्री कोरोना बूस्टर डोज: अगले 75 दिन मुफ्त मिलेगी वैक्सीन

15 जुलाई से सरकारी अस्पतालों में लगवा सकेंगे

नई दिल्ली। देश में 18 साल से ऊपर के सभी लोगों को कोरोना का बूस्टर डोज मुफ्त मिलेगा। बुधवार को कैबिनेट ने इस प्रस्ताव को मंजूरी दे दी। सभी सरकारी अस्पतालों में 15 जुलाई से बूस्टर या प्रिकॉशन डोज लगवाया जा सकेगा। हालांकि फ्री डोज अगले 75 दिन के लिए ही उपलब्ध होगा। अभी देश में कोरोना वैक्सीन का पहला और दूसरा डोज मुफ्त है, जबकि बूस्टर डोज के लिए भुगतान करना होता है। इधर, देश में मंगलवार को 16,107 नए कोरोना केस सामने आए हैं। यह पिछले दिन की तुलना में 5,392 ज्यादा है। इस दौरान मौतों की संख्या भी 17 से बढ़कर 45 हो गई। एक्टिव मरीजों की संख्या 131,589 है। सोमवार को यह आंकड़ा 1,30,456 था। ठीक होने वालों की संख्या 15,070 दर्ज की गई।

आजादी के अमृत महोत्सव पर वैक्सीनेशन ड्राइव

सरकारी सूत्रों के मुताबिक आजादी की 75वीं वर्षगांठ पर आजादी का अमृत महोत्सव के हिस्से के रूप में कोविड के प्रिकॉशन डोज को बूस्ट करने के लिए अभियान चलाया जाएगा। अभी तक 18-59 साल के बीच आने वाली 77 करोड़ की टारगेट पॉपुलेशन में से 1 प्रतिशत से भी कम को प्रिकॉशन डोज लगा है। 60 साल या उससे ज्यादा उम्र की करीब 16 करोड़ आबादी के साथ करीब 26 प्रतिशत हेल्थ केयर और फ्रंटलाइन वर्कर्स को ही बूस्टर डोज मिला है।

प्रिकॉशन डोज से शरीर का इम्यून रिस्पॉन्स बढ़ेगा

ICMR समेत कई अंतरराष्ट्रीय संस्थानों की स्टडी में पता चला है कि कोरोना वैक्सीन की दोनों खुराक के करीब 6 महीने बाद शरीर में एंटीबॉडी का स्तर कम हो जाता है। बूस्टर डोज देने पर इम्यून रिस्पॉन्स बढ़ता है। इसी वजह से सरकार 75 दिन के लिए विशेष अभियान शुरू करने जा रही है। इससे पहले, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने पिछले हफ्ते वैक्सीन की दूसरी और एहतियाती खुराक के बीच के अंतर को 9 महीने से घटाकर 6 महीने कर दिया था। वैक्सीनेशन में तेजी लाने और बूस्टर शॉट्स को बढ़ावा देने के लिए 1 जून को सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में हर घर दस्तक अभियान 2.0 शुरू किया गया था। दो महीने का यह कार्यक्रम अभी चल रहा है।

भारत-नेपाल सीमा पर 3 घुसपैठिए गिरफ्तार : 2020 में ही एक्सपायर हो गया था वीजा और पासपोर्ट

एजेंसी

नोएडा। भारत में अवैध तरीके से रहने वाले 3 चीनी नागरिक गिरफ्तार किए गए हैं। STF ने मंगलवार को तीनों को गिरफ्तार कर नोएडा पुलिस को सौंप दिया। ये बिना वीजा और पासपोर्ट के लंबे समय से भारत में रह रहे थे। पुलिस इस पूरे मामले की जासूसी के एंगल से भी जांच कर रही है। टीम पता लगाने की कोशिश कर रही है कि इनका नेटवर्क कहां तक फैला हुआ है। गिरफ्तार हुए लोगों ने पूछताछ में बताया कि वे कई साल से भारत में रह रहे हैं। इनमें से दो का वीजा और पासपोर्ट 2020 में ही एक्सपायर हो गया था, जबकि तीसरे के पास तो वीजा और पासपोर्ट था ही नहीं। गिरफ्तार हुए तीन घुसपैठियों में से 2 नोएडा के सेक्टर-63 की एक फैक्ट्री में काम करते थे। वहीं, तीसरा नोएडा के घरबरा गांव के चीनी क्लब में रहता था।

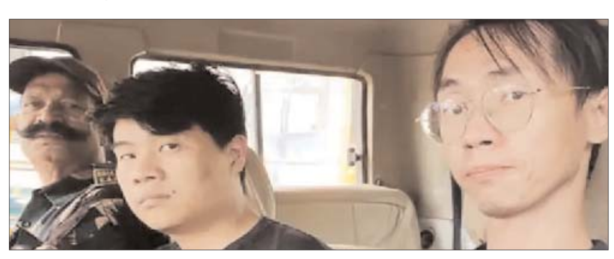

एजेंसी ने अब तक 14 घुसपैठियों को गिरफ्तार किया

बता दें कि एजेंसियों ने बीते कुछ दिनों में 14 चीनी घुसपैठियों को गिरफ्तार किया है। 11 जून को भारत-नेपाल सीमा पर तैनात सुरक्षाबलों ने 2 चीनी नागरिकों को गिरफ्तार किया गया था। इनकी पहचान लू लैंग और यू हेलेंग के रूप में हुई थी। जांच में इनके पास से वीजा या पासपोर्ट कुछ भी नहीं मिला। दोनों ने पूछताछ में बताया कि वे इससे पहले भी भारत आ चुके हैं। यहां वे अपने कुछ दोस्तों के साथ रहे थे। इन घुसपैठियों से मिली जानकारी के बाद सुरक्षा एजेंसियां एक्टिव हो गई हैं।

समर्थन

पाकिस्तान से राजस्थान के 6 जिलों में 40 लोग तैयार किए, सभी को ऑनलाइन ट्रेनिंग दी

नूपुर के हर समर्थक का कत्ल करने वाले थे आतंकी

जयपुर। आतंकियों के निशाने पर उदयपुर का कन्हैयालाल ही नहीं बल्कि वे सभी लोग थे, जिन्होंने नूपुर शर्मा के समर्थन में पोस्ट किया था। पाकिस्तानी संगठन दावत-ए-इस्लामी और आतंकवदियों ने इसके लिए राजस्थान के 40 लोगों को तैयार कर लिया था। ये नूपुर का समर्थन करने वालों का सिर कलम करने के लिए तैयार हो गए थे। यह खुलासा एनआईए और एटीएस की शुरुआती जांच में सामने आया है। 25 मई के बाद नूपुर के बयान का समर्थन करने वाले लोगों को सबक सिखाने के लिए दावत-ए-इस्लामी से जुड़े 6 जिलों के लोगों को टारगेट दिया था। जांच में सामने आया कि ये सभी एक साल से इस संगठन से जुड़े थे।

दरअसल, ये पूरा मामला उदयपुर के कन्हैयालाल हत्याकांड से जुड़ा हुआ है। पिछले महीने नूपुर शर्मा के समर्थन में सोशल मीडिया पर पोस्ट डालने वाले कन्हैया का आतंकी रियाज अत्तारी और गौस मोहम्मद ने गला काट दिया था।

10 लोगों के 20 मोबाइल की जांच से पता चला

यह नया खुलासा आतंकी रियाज अत्तारी और गौस मोहम्मद की कॉल डिटेल में मिले पाकिस्तान के 10 लोगों के 20 मोबाइल नंबर की जांच से हुआ। आतंकी संगठन ने इन लोगों को वॉट्सऐप जैसे सोशल मीडिया एप के जरिए सिर कलम करने के लिए ऑडियो और वीडियो कॉल करके तैयार किया।

आतंकी घटनाओं को अंजाम देने के लिए तैयार किए गए लोगों को टारगेट दिया गया कि तालिबान के तर्ज पर सिर कलम कर वीडियो वायरल करें।

एनआईए ने फिर उदयपुर में 6 लोगों से पूछताछ की

एनआईए की टीम मंगलवार को फिर उदयपुर पहुंची। टीम ने अंजुमन तालिमुल इस्लाम के सदर मुजीब सिद्दिकी, मौलाना जुलकरनैन, सह-सचिव उमर फारुक, पूर्व सदर खलील अहमद के अलावा दो वकीलों को हिरासत में लेकर पूछताछ की। एनआईए ने इससे पहले इनके मोबाइल, लैपटॉप सहित अन्य उपकरण जब्त किए थे। सदर मुजीब के घर तलाशी लेने की बात भी सामने आई है।

अजमेर में बिक रही हैं आपत्तिजनक धार्मिक किताबें

एनआईए और एटीएस की जांच में सामने आया कि दावत-ए-इस्लामी ने अजमेर में आपत्तिजनक धार्मिक किताबें बेचने के लिए दुकान खोली थी। एक बुक सेलर को रोज 350 रुपए देते थे। रियाज और गौस यहां से किताबें लोगों में बांटते थे। एजेंसियां इसकी भी जांच कर रहे हैं।

गौस-रियाज सहित तीन आरोपी 16 तक रिमांड पर

एनआईए मामलों की विशेष कोर्ट ने उदयपुर आतंकी हमले में मुख्य आरोपी गौस मोहम्मद और रियाज अत्तारी सहित 7वें आरोपी फरहाद मोहम्मद शेख उर्फ बबला को 16 जुलाई तक पुलिस रिमांड पर भेज दिया। सूत्रों के अनुसार, एनआईए ने फरहाद को रियाज अत्तारी का करीबी व उसकी हत्या की साजिश में शामिल माना है।

हापुड़ में सड़क हादसा, तीन की मौत

ट्रक ने कार को मारी टक्कर, चपेट में आई बाइक, दंपति और उसके बेटे की मौत, तीन अन्य घायल

गढ़मुक्तेश्वर। हापुड़ में दिल्ली-लखनऊ राष्ट्रीय राजमार्ग-09 पर एक सड़क हादसा हो गया। यहां एक ट्रक ने कार को टक्कर मार दी, जिस कारण कार की चपेट में बाइक आ गई। इस हादसे में बाइक सवार दंपति और उसके बेटे की मौत हो गई। वहीं दंपति की बेटी और कार में सवार दो लोग घायल हो गए। हादसे के बाद पहुंची पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा और घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया है।

जानकारी के मुताबिक, घटना बुधवार दोपहर की है। जिले की गढ़मुक्तेश्वर तहसील क्षेत्र में पड़ने वाले दिल्ली-लखनऊ राष्ट्रीय राजमार्ग-09 पर यह हादसा हुआ ।गांव बंगोली के अवधेश शर्मा (35) बुधवार को गुरुपूर्णिमा पर स्नान करने के लिए गया था। उसके साथ उसकी पत्नी रजनी, दो वर्ष का बेटा हर्ष, चार वर्ष की पुत्री गौरी थी। चारों बाइक पर गंगा स्नान कर घर लौट रहे थे। जैसे ही वह दिल्ली-लखनऊ राष्ट्रीय राजमार्ग-09 स्थित उप नवीन सब्जी मंडी के निकट पहुंचे तो अचानक एक ट्रक ने एक कार को टक्कर मार दी। ट्रक से टक्कर होने के बाद संतुलन बिगड़ने पर कार की टक्कर अवधेश शर्मा की बाइक से हो गई।

मौके पर ही हुई तीनों की मौत

हादसा इतना भयंकर था कि मौके पर ही अवधेश, रजनी और उसके पुत्र हर्ष की दर्दनाक मौत हो गई। जबकि पुत्री गौरी, कार सवार सुनील और एक अन्य महिला भी घायल हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया। डाक्टर ने गौरी की गंभीर दशा को देखकर मेरठ के लिए रेफर कर दिया। सूचना पर मौके पर पहुंचे मृतक के पिता जियालाल शर्मा, भाई कुलदीप, ग्राम प्रधान अरविंद सहित अन्य ग्रामीणों और स्वजन के शवों को देखकर रो-रो कर बुरा हाल हो गया। गढ़मुक्तेश्वर कोतवाली प्रभारी निरीक्षक अभिनव पुंडीर ने जानकारी देते हुए बताया कि हादसे में दंपती और एक बच्चे की मौत हुई है। तीनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। घायल गौरी को मेरठ के अस्पताल में उपचार के लिए रेफर कर दिया गया है। तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है।

शार्ट न्यूज

यासीन मलिक ने अदालत में पेश होने की मांग की

जम्मू। कश्मीर में 1990 में वायु सेना के चार निहत्थे अधिकारियों की हत्या के मामले में जेकेएलएफ प्रमुख यासीन मलिक ने अदालत में पेश होने की मांग की है। टाडा कोर्ट ने इस मामले में यासीन मलिक, अली मोहम्मद मीर, मंजूर अहमद सोफी उर्फ मुस्तफा, जावेद अहमद मीर उर्फ मलका, नाना जी उर्फ सलीम, जावेद अहमद जरगर और शौकत अहमद बख्शी के खिलाफ आरोप तय किए थे। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की ओर से दो आधिकारिक गवाहों को बुधवार को पेश किये जाने पर यासीन मलिक ने यह मामला उठाया। अदालत में जब मामला उठाया गया, तो वीडियो-कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से पेश किए गए यासीन मलिक ने गवाहों से जिरह करने के लिए अपनी सशरीर उपस्थिति की मांग की। अदालत ने मामले को स्थगित कर दिया और अगली सुनवाई के लिए 22 अगस्त की तारीख तय की।

आंध्र प्रदेश के उत्तरी तट पर अगले 24 घंटो में भारी बारिश की आशंका

अमरावती (आंध्रप्रदेश)। आंध्रप्रदेश के उत्तरी तटीय के अलग-अलग स्थानों और यनम में अगले 24 घंटों में और 17 जुलाई को भारी बारिश होने की आशंका है। मौसम विभाग ने बुधवार को यह जानकारी दी। विभाग के बुलेटिन में कहा गया है कि यही स्थिति 17 जुलाई को रायलसीमा में भी रहने की आशंका है। मौसम विभाग के अनुसार उत्तरी तटीय आंध्र प्रदेश , यनम और रायलसीमा में अगले 24 घंटों के दौरान अलग-अलग स्थानों पर 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाओं के साथ बारिश होने की आशंका है। विभाग के अनुसार अगले पांच दिनों के दौरान उत्तर तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, दक्षिण तटीय आंध्र प्रदेश और रायलसीमा में कई स्थानों पर या अलग-अलग स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश की संभावना है।

ओडिशा में नकली नोटों के साथ दो गिरफ्तार

भुवनेश्वर। ओडिशा पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) ने संबलपुर से दो लोगों को गिरफ्तार किया है और उनके कब्जे से 15 लाख से अधिक के नकली भारतीय मुद्रा नोट जब्त किए हैं। एसटीएफ सूत्रों ने बुधवार को यहां बताया कि सूचना के आधार पर एसटीएफ ने संबलपुर जिला पुलिस की मदद से मंगलवार को जिले के जुजुमारा थाना क्षेत्र के नुआ अधपाड़ा गांव में नकली भारतीय नोटों (एफआईसीएन) के अवैध कारोबार के मामले का पता लगाया। पुलिस ने पोदार प्रसाद साहू और जन्मजय बाग के रूप में पहचाने गए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया और उनके कब्जे से 15 लाख रुपये के नकली नोट, दो लैपटॉप, एक कलर प्रिंटर और अन्य आपत्तिजनक सामग्री बरामद की। पुलिस ने आवश्यक कानूनी कार्रवाई के लिए जुजुमारा पुलिस स्टेशन में संबंधित धाराओं में मालमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

ओडिशा में कोरोना के 743 नए मामले दर्ज

भुवनेश्वर। ओडिशा में पिछले 24 घंटे में कोरोना वायरस (कोविड-19) संक्रमण के 743 मामले सामने आने के बाद संक्रमितों की संख्या बढ़कर 12,95,328 हो गयी है। सूचना और जनसम्पर्क विभाग के सूत्रों ने बुधवार को यह जानकारी दी। सूत्रों ने यहां बताया कि राज्य में कोरोना के 743 नए मामलों में से 436 मामले क्वारंटीन केन्द्रों से प्राप्त हुए हैं और 307 मामले स्थानीय संपर्कों से पाये गये हैं। इनमें से करीब 87 मामले 18 साल से कम आयु के लोग हैं। खोरधा जिला में सबसे ज्यादा 303 मामवे सामने आए हैं। कटक में 115, सुंदरगढ़ में 65, पुरी में 36 और मयूरभंजा में 16 मामलों की पुष्टि हुई है। राज्य में अब 3878 सक्रिय मामले हैं। राज्य स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण निदेशक विजय महापात्र ने संकेत दिया कि श्री जगन्नाथ की रथ यात्रा के बाद कोविड मामलों में वृद्धि होने की आशंका है और अगस्त में कोरोना के मामलों में गिरावट आने की पूरी संभावना है।

एनएचएआई की पंजाब में 55,000 करोड़ रु की सड़क परियोजनाएं संचालित

चंडीगढ़। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण पंजाब में लगभग 55000 करोड़ रुपये लागत की 1288 किलोमीटर लम्बाई की 32 नई राष्ट्रीय राजमार्ग और अन्य सड़क परियोजनाओं पर काम कर रहा है। राज्य के लोक निर्माण मंत्री हरभजन सिंह ने आज यहाँ लोक निर्माण विभाग और एनएचएआई अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि 1288 किलोमीटर की 32 परियोजनाओं में से आज शुरू हो चुकी हैं। अन्य परियोजनाएं में जल्द शुरू होंगी। इनके अलावा राज्य सरकार 505 किलोमीटर के ब्राउनफील्ड सड़क परियोजनाओं पर भी काम कर रहा है।इसके अलावा, जालंधर-अमृतसर राष्ट्रीय राजमार्ग से जंडियाला गुरु बाइपास से तरन तारन सड़क नेटवर्क विकास, सुल्तानपुर लोधी को ब्यास के साथ जोड़ने की सम्भावनाएं तलाशना ताकि गुरु नानक देव से सम्बन्धित धार्मिक स्थलों तक आसानी से पहुँचा जा सके, अमृतसर-मेहता-श्री हरगोबिंदपुर, बाबा बकाला-मेहता-बटाला और अमृतसर-रामदास-डेरा बाबा नानक राष्ट्रीय मार्गों की मरम्मत, लुधियाना/राजपुरा, जंडियाला गुरू, दबुरजी और अन्य सड़कों के सुधार के अलावा विभिन्न स्थानों पर सर्विस रोड पर पानी भरने का निदान करना, जालंधर-अमृतसर राष्ट्रीय मार्ग पर वाहनों के लिए अंडर पास और फ्लाईओवरों का निर्माण, राष्ट्रीय मार्गों के साथ लगने वाले वैकल्पिक रूटों के रख-रखाव और सड़क सुरक्षा सम्बन्धी कार्य किये जाएंगे।

बीएसएफ ने अमृतसर सेक्टर में 2600 ग्राम हेरोइन बरामद की

जालंधर। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने बुधवार को अमृतसर जिले के भिंडी नैन गाँव के पास पड़ने वाले क्षेत्र में भारतीय क्षेत्र के अंदर एक खेत में एक ट्रैक्टर की ड्रॉबार और एक लोहे की वस्तु से दो किलो छह सौ ग्राम हेरोइन बरामद की है। बीएसएफ के प्रवक्ता ने बताया कि सुबह के घंटों के दौरान, बीएसएफ के जवानों ने सीमा पर बाड़ लगाने से पहले क्षेत्र के वर्चस्व को अंजाम देते हुए, अमृतसर जिले के भिंडी नैन गाँव के पास पड़ने वाले क्षेत्र में भारतीय क्षेत्र के अंदर खेत में एक ट्रैक्टर की ड्रॉबार और एक लोहे की वस्तु पड़ी देखी।

गौशाला-नंदीशाला योजना को 50 लाख से बढ़ाकर तीन करोड़ किया जाएगा

जयपुर। राज्य में नंदी शालाओं के लिए पंचायत समिति स्तर पर 20 बीघा के स्थान पर 10 बीघा और ग्राम पंचायत स्तर पर पांच बीघा भूमि की आवश्यकता तय की जाएगी। यह सहमति बुधवार को सचिवालय में राज्य सरकार द्वारा निराश्रित गोवंश की समस्या के निराकरण के लिए स्वायत शासन मंत्री शांति धारीवाल की अध्यक्षता में गठित मंत्रिमंडलीय उपसमिति की बैठक में बनी है। बैठक में खान एवं गोपालन मंत्री प्रमोद जैन भाया, जलदाय मंत्री महेश जोशी, पशुपालन मंत्री लाल चंद कटारिया और राजस्व मंत्री राम लाल जाट के साथ ही गोपालन सचिव पी सी किशन और निदेशक गोपालन लाल सिंह ने हिस्सा लिया। बैठक में पूर्व भाजपा सरकार के समय जिला स्तरीय नंदीशालाओं की योजना को 50 लाख रूपए से बढ़ाकर अब तीन करोड रूपए करने पर सहमति बनी। नंदीशालाओं और गौशालाओं की स्थापना की प्रक्रिया को और अधिक आसान बनाने पर सहमति बनी है। इसके साथ ही अपाहिज एवं अंधें गोवंश के लिए भरण पोषण अनुदान नौ माह के स्थान पर 12 माह करने का निर्णय किया गया। बैठक में श्री जैन भाया ने बताया कि उपसमिति के सदस्यों ने एक स्वर में नंदीशालाओं एवं गौशालाओं की स्थापना एवं संचालन को और अधिक आसान बनाने पर सहमति व्यक्त की। उन्होंने बताया कि जिला कलक्टरों को सिवायचक भूमि गौशालाओं के लिए आवंटन के लिए अधिकृत करने और चरागाह भूमि पर न्यायालयों में लंबित प्रकरणों में सरकार का पक्ष प्रभावी तरीके से रखने पर जोर दिया गया। इसी तरह से गौशालाओं एवं नंदीशालाओं की स्थापना के लिए तीन साल के रजिस्ट्रेशन की शर्त को हटाने, भूमि के चोकोर ना होने पर भी उपलब्ध भूमि के आधार पर नक्शें पारित करने, संस्थाओं को संस्था चयन की निविदा में ऑफलाइन प्रक्रिया व आवेदन के आधार पर भाग लेने की छूट देने का निर्णय किया गयां।

18 वर्ष से ऊपर के लोगों को मुफ्त में लगेगी बूस्टर डोज

नई रेलवे परियोजना को भी मंजूरी; मोदी कैबिनेट के बड़े फैसले

नई दिल्ली। देश में 18 वर्ष से ज्यादा आयुवर्ग के लोग सरकारी टीकाकरण केंद्रों पर कोविड टीके की ऐहतियाती (तीसरी खुराक) मुफ्त लगवा सकेंगे। बुधवार को कैबिनेट बैठक में यह फैसला लिया गया। केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर जानकारी दी। मुफ्त ऐहतियाती खुराक 75 दिन के एक विशेष अभियान के तहत दी जाएगी। इसकी शुरुआत 15 जुलाई से होगी। उन्होंने बताया कि अब तक 199 करोड़ 60 हजार टीकाकरण हुआ है।

अनुराग ठाकुर ने कहा, भारत आजादी के 75 वर्ष मना रहा है। आजादी का अमृत काल के अवसर पर एक निर्णय ये भी लिया गया है कि 15

जुलाई 2022 से अगले 75 दिनों तक 18 वर्ष से अधिक आयु के नागरिकों को मुफ्त में बूस्टर डोज दी जाएगी। अभी तक 18 से 59 साल की 77 करोड़ पात्र आबादी में से एक प्रतिशत से भी कम को ऐहतियाती खुराक दी गई है। हालांकि 60 साल से अधिक उम्र के लगभग 16 करोड़ लोगों तथा स्वास्थ्य कर्मियों एवं अग्रिम मोर्चे के कर्मियों में से करीब 26 प्रतिशत लोग बूस्टर खुराक ले चुके हैं।

इसके अलावा उन्होंने बताया कि केंद्रीय मंत्रिमंडल ने तरंगा हिल-अंबाजी-आबू रोड को रेलवे नेटवर्क से जोड़ने की मंजूरी दी है। 116 किमी की ये नई रेलवे लाइन मात्र 4 साल में बनकर तैयार हो जाएगी और इसमें 2798 करोड़ खर्च होंगे। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि इस नई रेलवे लाइन से गुजरात और राजस्थान के सीमांत क्षेत्र में रहने वाले नागरिकों को सुविधा मिलेगी। राजस्थान और गुजरात के महत्वपूर्ण स्थान को इससे जोड़ने का काम किया जाएगा। गुजरात के वडोदरा स्थित गतिशक्ति विश्विद्यालय को डीम्ड यूनिवर्सिटी का दर्जा मिलेगा।

हरियाणा में कोरोना संक्रमण के 365 नये मामले दर्ज

चंडीगढ़, । हरियाणा में कोरोना वायरस (कोविड-19) संक्रमण के बुधवार को 365 नये मामले आने के साथ ही राज्य में कुल संक्रमितों की संख्या बढ़कर 10,20,684 हो गई है, लेकिन राहत की बात यह है कि पिछले 24 घंटों के दौरान इस जानलेवा वायरस से किसी की मौत नहीं हुई है। स्वास्थ्य विभाग के बुलेटिन के मुताबिक राज्य में अभी तक 10,08,453 लोग संक्रमण मुक्त हो चुके हैं। राज्य में कोरोना के सक्रिय मामले इस समय 1578 हैं। इस महामारी से राज्य में अब तक 10,630 लोगों की मौत हो चुकी है। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के कोरोना संक्रमण की स्थिति को लेकर यहां जारी बुलेटिन में यह जानकारी दी गई। राज्य में इस समय कोरोना संक्रमण दर 2.66 प्रतिशत, रिकवरी दर 98.80 प्रतिशत और मृत्यु दर 1.04 फीसदी है। हरियाणा में अन्य जिलों की अपेक्षा गुरुग्राम में कोरोना संक्रमण के ज्यादा मामले सामने आ रहे हैं।

पाकिस्तान के साथ बातचीत शुरू करे भारत : अब्दुल्ला

एजेंसी

श्रीनगर। नेशनल कांफ्रेस के अध्यक्ष और संसद सदस्य डा. फारुख अब्दुल्ला ने बुधवार को कहा कि जम्मू कश्मीर में आतंकवाद कभी खत्म नहीं होगा जब तक भारत सरकार लोगों का दिल जीत कर पाकिस्तान के साथ बातचीत शुरु नहीं कर देती।

डा. अब्दुल्ला ने श्रीनगर में पत्रकारों से कहा कि जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद तब तक खत्म नहीं होगा जब तक हम इसका कोई समाधान नहीं निकाल लेते। उन्होंने कहा कि लोग इसे भुगतते रहेंगे और मरते रहेंगे।

जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि मंत्री अक्सर घोषणा करते हैं कि आतंकवाद खत्म हो जाएगा। लेकिन मैं उन्हें कह रहा हूं कि यह तब तक खत्म नहीं होगा जब तक कश्मीर के लोगों का दिल नहीं जीत लेंगे।

अब्दुल्ला ने कहा कि आतंकवादी किसी भी समुदाय या किसी को भी

निशाना बनाते हैं। भारत एकता और विविधता का देश है।

श्रीनगर के लाल बाजार में मंगलवार को हुई गोलीबारी की घटना के जिसमें एक सहायक उप निरीक्षक पुलिस मारा गया और दो पुलिसकर्मी घायल हो गए के बारे में श्री फारूक ने कहा कि यह समझना बहुत मुश्किल है कि कौन मार रहा है और कौन बचा रहा है। हम घटना की निंदा करते हैं और परिवार के लिए इस नुकसान को सहन करने के लिए प्रार्थना करते हैं।

उन्होंने सरकार से शोक संतप्त परिवार के लिए पर्याप्त सहायता राशि की घोषणा करने का भी आग्रह किया।

मराठवाड़ा में भारी बारिश से कई बांध भरे

औरंगाबाद। मराठवाड़ा क्षेत्र के नांदेड़, हिंगोली, बीड, परभणी और उस्मानाबाद जिलों में लगातार दूसरे दिन लगातार बारिश जारी है, इस क्षेत्र में करीब 57.5 मिमी औसत बारिश दर्ज की गई है। संभागीय आयुक्त कार्यालय ने बुधवार को बताया कि नांदेड़ इस क्षेत्र का सबसे अधिक प्रभावित जिला है क्योंकि यहां पिछले 24 घंटों के दौरान सबसे अधिक 123 मिमी बारिश हुई है, इसके बाद हिंगोली जिले में 84.9 मिमी, परभणी में 57.8 मिमी, उस्मानाबाद में 44 मिमी, लातूर में 54 मिमी, जालना में 36.4 मिमी, बीड 33.5 मिमी और औरंगाबाद 5.6 मिमी बारिश हुई है। इस क्षेत्र में अभी तक औसतन 347 मिमी वर्षा दर्ज की गई, जो कि आईएमडी द्वारा निर्धारित 679 मिमी औसत वार्षिक वर्षा की तुलना में अपेक्षित 159 प्रतिशत और वार्षिक वर्षा का 49 प्रतिशत है। इसी बीच, मराठवाड़ा की जीवन रेखा रहे सबसे बड़े बांधों में से एक जयकवाड़ी बुधवार को नासिक और अहमदनगर जिलों से भारी प्रवाह के कारण दो दिन पहले 33 प्रतिशत लाइव स्टॉक की तुलना में 43 प्रतिशत लाइव स्टॉक को पार कर गया। पिछले चार दिनों से अहमदनगर और नासिक जिले में उनके जलग्रहण क्षेत्रों में भारी बारिश के कारण अधिकांश बांध भर गए हैं। नांदेड़ में पिछले तीन दिनों से हो रही मूसलाधार बारिश के कारण किनवट तालुका में पनगंगा नदी उफान पर है, जिससे निचले इलाकों में बाढ़ का पानी भर गया है।सहायक जिलाधिकारी और अनुमंडल अधिकारी कीर्ति कुमार पुजार ने बताया कि भारी बारिश के कारण क्षेत्र के 200 परिवारों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है और भोजन के पैकेट और अन्य व्यवस्था प्रशासन द्वारा की जा रही है।

भारत-चीन के बीच 16वीं बार होगी कोर कमांडर स्तर की वार्ता, विदेश मंत्री दे चुके हैं दो टूक जवाब

नई दिल्ली। भारत और चीन के बीच 17 जुलाई को सैन्य वार्ता होने वाली है। यह कोर कमांडर स्तर की 16वें चरण की बातचीत होगी। भारत की तरफ से इसमें लेफ्टिनेंट जनरल ए सेनगुप्ता भाग लेंगे। पूर्वी लद्दाख में फ्रिंक्शन पॉइंट से डिसइंगेजमेंट को लेकर इसमें बातचीत हो सकती है। इससे पहले ऐसी मीटिंग 11 मार्च हो हुई थी। बता दें कि लद्दाख की सीमा पर 2020 में जो टकराव शुरू हुआ था वह अब तक खत्म नहीं हुआ है। इस इलाके में तनाव बना ही रहता है।

5 मई 2020 को पैंगोंग लेक इलाके में भारत और चीन की सेना के बीच

टकराव हो गया था। इसके बाद 15 जून को गलवान घाटी में टकराव के बाद तनाव और बढ़ गया। तब से अब तक फ्रिक्शन पॉइंट से सेना हटाने को लेकर दोनों देशों में सहमति नहीं बन पाई है। एक दिन पहले ही विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा है कि दोनों देशों के बीच में इस मुद्दे का हल केवल बातचीत के जरिए ही निकल सकता है।

उन्होंने आगे कहा, पिछले दो सालों में यह स्पष्ट हो गया है कि हम एक तरफा सेना नहीं हटाएंगे। जब तक चीन भी साथ नहीं देता यथास्थिति बनी रहेगी। बता दें कि टकरवा के बाद से दोनों ही देशों ने इस इलाके में 10 हजार से ज्यादा सैनिक और हथियार तैनात कर रखे हैं। पिछले साल बातचीत के बाद दोनों देशों ने पैंगोंग लेक के उत्तरी और दक्षिणी इलाकों में सेना हटाई थी। दोनों ही देशों के 50 से 60 हजार सैनिक एलएसी के संवेदनशील इलाकों में तैनात हैं।

भारतीय सेना के प्रवक्ता के मुताबिक 15वें दौर की वार्ता में यथा स्थिति बनाए रखने पर ही सहमित बन पाई थी। यह वार्ता चुशुल मोल्दो में हुई थी। इस बार की वार्ता किस ओर होगी यह स्पष्ट नहीं है।

राष्ट्रपति चुनावः चुनाव आयोग ने 'मिस्टर बैलेट बॉक्स' और सीलबंद सामग्रियों को रवाना किया

नई दिल्ली। देश में राष्ट्रपति चुनाव को लेकर सरगर्मियां तेज हो गई हैं। चुनाव आयोग ने 18 जुलाई को होने वाले आगामी राष्ट्रपति चुनाव के लिए मतपेटियों, पेपर पेन और अन्य सीलबंद सामग्री का वितरण शुरू कर दिया है। मतपेटियां यात्रियों के रूप में उड़ान भर रही हैं और इनमें से प्रत्येक को विमान में एक सीट आवंटित की गई हैं। वे ज्यादातर राज्यों की राजधानियों को जा रही हैं जहां उनका इस्तेमाल चुनाव के दौरान होगा।

दरअसल, मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार और चुनाव आयुक्त अनूप चंद्र पांडे की निगरानी में सीलबंद सामग्री का निरीक्षण पूरा हुआ। इसके बाद इसे राज्य और केंद्र शासित प्रदेशों के सहायक रिटर्निंग अधिकारियों को सौंप दिया गया। चुनाव आयोग मुख्य निर्वाचन अधिकारी के कार्यालय के एक वरिष्ठ अधिकारी सहित सहायक रिटर्निंग अधिकारियों द्वारा दिल्ली में मुख्यालय से सामग्री का संग्रह अनिवार्य करता है।

प्रक्रिया के दौरान एक बार जब सामग्री वहां पहुंच जाती है तो तो अधिकारियों को दिल्ली हवाई अड्डे पर मौजूद हेल्प डेस्क पर भारत के चुनाव आयोग, नागरिक उड्डयन, दिल्ली पुलिस और सीआईएसएफ के अधिकारियों द्वारा संचालित किया जाता है। आयोग ने चुनाव के दौरान मतदान और मतगणना की व्यवस्था की निगरानी के लिए 37 पर्यवेक्षकों को भी नियुक्त किया है और इन पर्यवेक्षकों की एक ब्रीफिंग बैठक भी 11 जुलाई 2022 को आयोजित की गई थी।

चुनाव आयोग के अनुसार मतपेटियों को एक अलग हवाई टिकट के जरिए भेजा जाता है और उन्हें व्यक्तिगत निगरानी में एआरओ की सीट के पास रखा जाता है। चुनाव आयोग की टीमों द्वारा प्रक्रियाओं का कड़ाई से पालन किया जाता है। जब मतपेटियां और मतपत्र राज्यों की राजधानियों में पहुंच जाते हैं, तो इन्हें पहले से निरीक्षण किए गए और ठीक से सील किए गए स्ट्रांग रूम में रखा जाता है और प्रक्रिया की वीडियोग्राफी की जाती है।

पुंछ में एलओसी पर घुसपैठ की कोशिश को नाकाम किया

जम्मू। भारतीय सेना के जवानों ने जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में नियंत्रण रेखा पर घुसपैठ की एक कोशिश को सफलतापूर्वक नाकाम कर दिया है। संबंधित अधिकारियों ने यह जानकारी दी। जम्मू में सेना के प्रवक्ता लेफ्टिनेंट कर्नल देवेंद्र आनंद ने बुधवार तड़के कहा कि 12-13 जुलाई की मध्यरात्रि के दौरान पुंछ सेक्टर में एलओसी पर घुसपैठ की कोशिश की गई। उन्होंने कहा, घुसपैठ की कोशिश को सीमा पर सतर्क हमारे सैनिकों ने नाकाम कर दिया। श्री देवेंद्र आनंद ने बताया कि इस पर पल-पल की जानकारी ली जा रही है। पुंछ जिले में जारी श्री अमरनाथ यात्रा और इसी महीने से शुरू हो रहे आगामी बुद्ध अमरनाथ यात्रा को देखते हुए सेना और सुरक्षा बल हाई अलर्ट पर हैं।

ओडिशा सीबी आदिवासी महिला पर हमले की जांच करेगी: बेहरा

भुवनेश्वर। ओडिशा के गृह राज्य मंत्री तुषारकांति बेहरा ने बुधवार को राज्य विधानसभा को बताया कि अपराध शाखा पिछले जून में एक पुलिस अधिकारी द्वारा आदिवासी महिलाओं पर हुए हमले की जांच करेगी। श्री बेहरा ने एक बयान में कहा कि अपराध शाखा के आईजी मलकानगिरी जिले के चित्रकोंडा इलाके में आदिवासी महिलाओं पर हुए हमले की जांच करेंगे। इससे पहले विपक्षी कांग्रेस और भाजपासदस्यों द्वारा सदन के बीचोबीच आकर हंगामा करने और सदन की कार्यवाही बाधित करने के कारण कार्यवाही चार बार स्थगित होने के बाद स्पीकर बी के अरुख के निर्देश पर मंत्री ने यह बयान दिया। विपक्ष के सदस्यों ने अध्यक्ष से सरकार को मामले की सीबीआई) जांच या घटना की न्यायिक जांच का आदेश देने का निर्देश देने का आग्रह किया। इस मुद्दे पर सदन में हंगामे के कारण अध्यक्ष को दोपहर के भोजन से पहले और दोपहर के भोजन के बाद के सत्र के दौरान कई बार सदन को स्थगित करना पड़ा। विपक्ष ने घटना की जांच के लिए सदन की एक कमेटी गठित करने और चित्रकोंडा एसडीपीओ अंशुमान द्विवेदी के निलंबन तथा स्थानांतरण की भी मांग की। स्थगन की एक श्रृंखला के बाद जब चार बजे सदन फिर से शुरू हुआ, तो विपक्षी सदस्य फिर से सदन के बीचोबीच पहुंच गये और अपनी मांग पर जोर देते हुए अध्यक्ष को सदन को तीन बार स्थगित करने के लिए मजबूर किया।

केरल में आरएसएस कार्यालय में हुए बम विस्फोट की भाजपा द्वारा निंदा

अमृतसर। केरल के पयानूर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के कार्यालय में हुए बम विस्फोट को शांति भंग करने और शांतिप्रिय लोगों में भय पैदा करने की कायराना हरकत करार देते हुए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता प्रो॰ सरचंद सिंह खियाला, भाजपा प्रवक्ता कुलदीप सिंह कहलों और जिला महासचिव अरविंद शर्मा ने कड़ी निंदा की है। भाजपा नेताओं ने बुधवार को केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन से मामले की उच्च स्तरीय जांच करवाने और दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा देंने की मांग की है। उन्होंने स्थानीय भाजपा और आरएसएस नेताओं द्वारा कम्युनिस्ट पार्टी के नेता धनराज द्वारा शहीद कोष से 40 लाख रुपये से अधिक के गबन से जनता का ध्यान हटाने की साजिश तहत हमला करवाए जाने के आरोप की गंभीरता से लेने को कहा। उन्होंने कहा कि वह इस संबंध में गृह मंत्री अमित शाह को भी पत्र लिखेंगे। प्रो. खियाला ने कहा कि यह हमला 10 साल पहले कम्युनिस्ट पार्टी के असामाजिक तत्वों द्वारा मारे गए आरएसएस कार्यकर्ता की याद में एक बलिदान दिवस यात्रा आयोजित करने और आरएसएस द्वारा अगले दो वर्ष में भारत में एक लाख स्थानों पर शाखाएं लगाने के लक्ष्य को तारपीडो करने के असफल प्रयास का हिस्सा है।

नुनवान, बालटाल शिविरों से बाबा बर्फानी के दर्शन के लिए 12000 तीर्थयात्री रवाना

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर में स्थित बाबा बर्फानी की पवित्र गुफा के दर्शन के लिए बुधवार सुबह करीब 12,000 यात्रियों का एक नया जत्था नुनवान और बालटाल आधार शिविर से रवाना हुआ। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि आषाढ़ पूर्णिमा के अवसर पर दशनामी अखाड़ा श्रीनगर से संरक्षक महंत दीपेंद्र गिरि द्वारा भगवान शिव की चांदी की गदा पूजा (छड़ी मुबारक) की पूजा करने के लिए पहलगाम लेया गया है। उन्होंने बताया कि आज सुबह तक 1.35 लाख से अधिक तीर्थयात्रियों ने अमरनाथ गुफा में स्वनिर्मित शिवलिंग के दर्शन किए।

दक्षिण कश्मीर के अनंतनाग जिले में पहलगाम मार्ग से आज सुबह

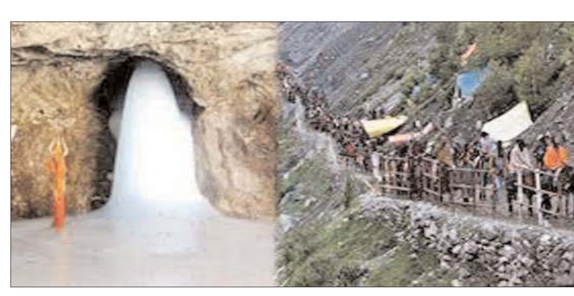

महिलाओं और साधुओं सहित करीब 3000 यात्री नुनवान आधार शिविर से बर्फानी बाबा के दर्शन के लिए रवाना हुए। इसी दौरान तीर्थयात्रियों को चंदनवाड़ी और पंजतरणी के मार्गों से गुफा की ओर जाने की अनुमति दी गई।अधिकारियों के अनुसार, 10,480 यात्रियों ने सबसे छोटे बालटाल मार्ग से दुमैल होते हुए ट्रेकिंग की, जिसमें सुबह 3,185 महिलाएं, 126 बच्चे और 71 साधु शामिल थे। बालटाल से गुफा मंदिर के लिए सुबह 11 बजे तक 354 यात्रियों को हेलिकॉप्टर से भेजा गया है।

मौसम विभाग ने पहलगाम, चंदनवाड़ी, जोजिबल, एमजी टॉप, शेषनाग, पोशपत्री, पंचतरणी, संगम, बालटाल, दुमैल, ब्रारीमार्ग, संगम और पवित्र गुफा में शाम तक बारिश होने की चेतावनी दी है।

अमरनाथ यात्रा मंगलवार को सबसे छोटे बालटाल मार्ग से फिर से शुरू हो गयी है। जो आठ जुलाई को गुफा मंदिर के पास बादल फटने के बाद तीन दिनों तक बंद रहने के बाद शुरू की गयी। बादल फटने की घटना में 16 लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हुए हैं। जबकि यात्रा दो दिनों तक बंद रहने के बाद सोमवार को पारंपरिक पहलगाम मार्ग से फिर से शुरू हुई। इसी बीच राजस्थान निवासी मोंगी लाल (52) के अचानक बीमार पड़ने के बाद, उन्हें तुरंत बालटाल के आधार शिविर अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां आज सुबह दिल का दौरा पड़ने से उनकी मौत हो गई।

राज्य सरकार का सौ दिन का कार्यकाल ऐतिहासिक : धामी

चंपावत/नैनीताल। चंपावत दौरे पर आये मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बुधवार को कहा कि उनकी सरकार के 100 दिन कार्यकाल ऐतिहासिक रहा हैं और सरकार उत्तराखंड को अग्रणी राज्य बनाने में जुटी है।

धामी ने कहा कि मैं हमेशा चंपावत वासियों के बीच रहकर उनकी सेवा करता रहूंगा। मुख्यमंत्री चंपावत के दो दिनी दौरे पर आये हैं। उन्होंने जनसभा को संबोधित करते हुए रिकार्ड मतों से विधानसभा भेजने के लिए सिर झुका कर जनता का अभिवादन किया और कहा कि मैं अपने को बहुत सौभाग्यशाली मानता हूं कि आपने

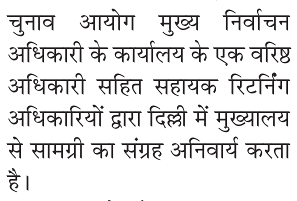

उत्तराखंड का विकास करने का मौका दिया। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड को उत्कृष्ट राज्य व चंपावत को माडल जिला बनाया जाएगा।

उन्होंने आगे कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की सरकार को केन्द्र में आठ साल पूरे हो गए हैं। इस दौरान भारत ने पूरे विश्व में अपना डंका बजाया है। महिलाओं के कल्याण के लिए अनेक कल्याणकारी योजनाएं संचालित की गई हैं। राज्य सरकार भी गरीबों को तीन सिलेंडर मुफ्त दे रही है।

उन्होंने कहा कि उत्तराखंड में उनकी सरकार ने 100 दिनों के कार्यकाल में अनेक ऐतिहासिक कार्य कराए गए हैं। समान नागरिक संहिता कानून लागू करने के लिए विशेषज्ञ कमेटी का गठन किया गया है। राज्य में भ्रष्टाचार पर पूर्ण लगाम लगाए जाने हेतु 106 टोल फ्री नंबर जारी किया गया है। उन्होंने आगे कहा कि सोबन सिंह जीना विश्वविद्यालय का कैंपस चंपावत में बनेगा, जिसके लिए पांच करोड़ रुपये की धनराशि जारी कर दी गई है।

उन्होंने इस मौके पर अनेक घोषणाएं भी कीं। जिसमें जिले के 100 सरकारी विद्यालयों का रूपांतरण किया जाएगा। नाबार्ड मद से औद्योनिक विकास किया जाएगा। मुंडयानी में उद्यान फॉर्म बनाया जाएगा। चंपावत में एडवेंचर पार्क का निर्माण व शूटिंग रेंज का निर्माण किया जाएगा। उन्होंने जिला मुख्यालय में पुस्तकालय हेतु विधायक निधि से 10 लाख रुपये देने की घोषणा भी की। इसके साथ ही उन्होंने चंपावत को हेरिटेज सिटी के रूप में विकसित करने की घोषणा भी की।

मुर्मू का राष्ट्रपति बनना महिला शक्ति के उत्थान में साबित होगा मील का पत्थर: पूनियां

जयपुर। राजस्थान में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश अध्यक्ष डा सतीश पूनियां ने कहा है कि द्रौपदी मुर्मू का राष्ट्रपति बनना समस्त जनजाति, गांव के अंतिम व्यक्ति और महिला शक्ति के उत्थान में मील का पत्थर साबित होगा। डा पूनियां राष्ट्रपति चुनाव में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की उम्मीदवार श्रीमती मुर्मू के विधायकों और सांसदों से संवाद कार्यक्रम के दौरान आज यह बात कही। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में श्रीमती मुर्मू का राष्ट्रपति उम्मीदवार के रूप में चयन होना देश और राजस्थान के आदिवासी समाज का सम्मान तो है ही, साथ ही महिला उत्थान के लिए भी पूरी दुनिया को बड़ा संदेश है। श्रीमती मुर्मू को राष्ट्रपति उम्मीदवार बनाना श्री मोदी, भाजपा एवं राजग का उत्कृष्ट और शानदार निर्णय है।

उन्होंने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी से लेकर प्रधानमंत्री श्री मोदी के शासनकाल में वंचित समाजों से राष्ट्रपति बनाकर पण्डित दीनदयाल उपाध्याय के अन्त्योदय के विचार को साकार करने का कार्य किया है।

शार्ट न्यूज

थाना सूरजपुर पुलिस ने हत्या करने वाले आरोपी पति को किया गिरफ्तार

ग्रेटर नोएडा। थाना सूरजपुर पुलिस ने अपनी पत्नी की निर्मम हत्या करने वाले अभियुक्त लाल सिंह पुत्र प्रेम राज निवासी ग्राम शेरपुर थाना गंगीरी जनपद अलीगढ को मोजर बीयर गोलचक्कर से गिरफ्तार कर लिया ।उपरोक्त अभियुक्त थाना सुरजपुर पर पंजीकृत मुकदमा अपराध संख्या 383/2022 धारा 302 भादवि के तहत वांछित चल रहा था ।अभियुक्त लालसिंह द्वारा 14 जून 2022 को अवैध सम्बंधों के शक के चलते वादी गोवर्धन सिंह पुत्र किशनलाल की पुत्री व अपनी पत्नी की लोहे की चारपाई पर कोने में पाइप पर सिर मारकर हत्या कर दी गयी थी तथा फरार हो गया था। जिसके विरुद्ध पुलिस ने आवश्यक वैधानिक कार्यवाही कर न्यायालय के समक्ष पेश कर दिया है।

कासना पुलिस ने अवैध असलहे के साथ एक अभियुक्त को किया गिरफ्तार

ग्रेटर नोएडा। थाना कासना पुलिस ने मंगलवार को एक अभियुक्त अश्वनी सिंह पुत्र सुरेन्द्र सिंह निवासी ग्राम दस्तूरा थाना ककोड़ जनपद बुलंदशहर को साईट-5 स्टेट बैंक के पास से चैकिंग के दौरान गिरफ्तार कर लिया। पकड़े गए अभियुक्त के कब्जे से पुलिस ने बिना नम्बर प्लेट मोटरसाईकिल हीरो स्पलेन्डर और एक तमंचा तीन सौ पन्द्रह बोर मय एक कारतूस जिन्दा बरामद किया है। अभियुक्त शातिर किस्म का अपराधी है। जिसके विरूद्ध पुलिस ने आवश्यक वैधानिक कार्यवाही कर न्यायालय के समक्ष पेश कर दिया है।

पुलिस ने चाकू घोंपकर पत्नी की निर्मम हत्या करने वाले हत्यारे को किया गिरफ्तार

ग्रेटर नोएडा संवाददाता, थाना सुरजपुर पुलिस ने चाकू घोंपकर पत्नी की निर्मम हत्या करने वाले हत्यारे रामगोविन्द पुत्र उदयपाल निवासी ग्राम डाभा थाना बिलग्राम जिला हरदोई को जिम्स अस्पताल ग्रेटर नोएडा से मंगलवार को गिरफ्तार कर लिया। पकड़े गए अभियुक्त की निशादेही पर पुलिस ने आलाकत्ल एक चाकू बरामद किया है ।उपरोक्त अभियुक्त थाना सुरजपुर पर पंजीकृत मुकदमा अपराध संख्या 417/2022 धारा 302 भादिव के वांछित था। अभियुक्त द्वारा 2 जुलाई 2022 को वादी अजयपाल सिंह पुत्र शिवराज सिंह निवासी ग्राम डाभा थाना बिलग्राम जनपद हरदोई की पुत्री व अभियुक्त के साथ पत्नी के रुप में रह रही पूजा सिंह की अवैध सम्बंध होने के शक में कम्पनी से घर आते समय चाकू मारकर हत्या कर दी थी। तथा स्वंय को भी चाकू मार लिया था। जिसमें अभियुक्त को उपचार हेतु कैलाश हास्पिटल व जिम्स हास्पिटल ग्रेटर नोएडा में भर्ती था। गिरफ्तार अभियुक्त के विरुद्ध पुलिस ने आवश्यक वैधानिक कार्यवाही कर न्यायालय के समक्ष पेश कर दिया है।

आठ साल तक दुष्कर्म, 14 बार गर्भपात, तंग आकर पीड़िता ने दी जान

नई दिल्ली। दिल्ली के जैतपुर में एक महिला आठ साल से दुष्कर्म का शिकार हो रही थी। इस दौरान आरोपी ने दबाव डालकर 14 बार पीड़िता का गर्भपात भी कराया। जब इसके बाद भी आरोपी ने शोषण जारी रखा तो पीड़िता ने खुदकुशी कर ली। इस बात का खुलासा होने पर पुलिस ने दुष्कर्म एवं आत्महत्या के लिए उकसाने की धारा में मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस के अनुसार 33 वर्षीय सुमन कुमारी (परिवर्तित नाम) अर्पण विहार इलाके में रहती थी। जांच से जुड़े सूत्रों ने बताया कि पीड़िता करीब नौ साल से अपने पति से अलग रह रही थी जबकि दो बेटियों को हॉस्टल में रखा था। पीड़िता ने पांच जुलाई को अपने घर में फांसी का फंदा लगाकर खुदकुशी कर ली थी। चूंकि घर में कोई सुसाइड नोट नहीं मिला इसलिए पुलिस इसे सामान्य मामला मान कर जांच कर रही थी। जांच अधिकारी ने पीड़िता का शव एम्स के शवगृह में रखवा दिया था। जब डॉक्टरों ने सात जुलाई को पोस्टमार्टम करने की तैयारी शुरू की तो जांच के दौरान कपड़ों से सुसाइड नोट मिला। इसमें पीड़िता ने अपनी आत्महत्या के लिए बिहार के मधेपुरा जिला निवासी गौतम को जिम्मेदार ठहराया था। सुसाइड नोट के अनुसार गौतम उसके साथ आठ साल से दुष्कर्म कर रहा था। इस दौरान वह 14 बार गर्भवती भी हुई तो आरोपी ने दबाव डाल कर जबरन गर्भपात भी कराया। पीड़िता ने नोट में लिखा है कि उसने अपने मोबाइल में इसके सबूत भी जमा किए हुए हैं।

दिल्ली में कोरोना के 400 नए केस, एक मरीज की मौत; राहत की भी एक बात

नई दिल्ली। दिल्ली के स्वास्थ्य विभाग के अनुसार मंगलवार को राजधानी में कोरोना के 400 नए मामले सामने आए। वहीं, 381 मरीजों को छुट्टी दी गई, जबकि एक मरीज ने कोरोना के कारण दम तोड़ दिया। जबकि सक्रिय मरीजों की संख्या 1960 रह गई है। हफ्ते भर पहले इनकी संख्या 2507 थी। यानी 21 फीसदी तक की कमी आई है। दिल्ली में कोरोना की जांच के लिए सोमवार को 8548 टेस्ट हुए जिसमें 2.92 फीसदी लोग संक्रमित पाए गए। दिल्ली में अबतक 1941415 लोग कोरोना संक्रमित हो चुके हैं। वहीं, इनमें से 1913170 मरीज ठीक हो गए, जबकि 26285 कोरोना मरीजों ने कोरोना के कारण दम तोड़ दिया। दिल्ली में कोरोना से मृत्युदर 1.35 फीसदी है। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार दिल्ली में सक्रिय मरीज 1960 रह गए हैं। इनमें से होम आइसोलेशन में 1457 और अस्पतालों में 119 मरीज भर्ती हैं।

मल्टी डिसेबल दिव्यांग बच्चों को स्पेशल टीचर घर जाकर वीडियो के माध्यम से कराएंगे पढ़ाई

ग्रेटर नोएडा। जिले के सरकारी स्कूलों में पढ़ाई कर रहे दिव्यांग बच्चों को बेहतर शिक्षा मुहैया करने के लिए बेसिक शिक्षा विभाग की तरफ से कई प्रयास किए जा रहे हैं। बच्चों को बेहतर शिक्षा दिलाने के लिए विभाग ने होम बेस्ड एजुकेशन के तहत स्कूल न जा पाने वाले मल्टी डिसेबल दिव्यांग बच्चों को चयनित किया गया है। इन बच्चों की देखरेख को पढने के लिए शासन की तरफ सम्बन्धित स्कूल के बच्चों को नोडल टीचर बनाया गया है। साथ ही इनके एक स्पेशल टीचर की नियुक्ति है। दोनों शिक्षक बच्चों के घर जाकर उनकी ही भाषा में वीडियो के माध्यम से पढ़ाई करा रहे हैं। इसका मुख्य उद्देश्य है कि जिले में कोई भी दिव्यांग बच्चा पढ़ाई से वंचित न हो, साथ ही दूसरे बच्चों कम न दिखाई दे। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी ऐश्वर्या लक्ष्मी ने बताया कि जिले के 511 प्राथमिक और उच्च प्राथमिक स्कूल हैं, जिसमें करीब एक लाख बच्चे पढ़ाई कर रहे हैं। वर्तमान में जिले में करीब 2742 दिव्यांग बच्चे हैं। शासन के दिशा निर्देश पर जिले के मल्टी डिसेबल दिव्यांग को चिह्नित किया गया है, जो कि बोलने, सुनने और चलने में असमर्थ हैं। अब तक दादरी ब्लाक से 15, बिसरख, दनकौर और जेवर ब्लाक से 30 बच्चों का चयन किया है। कुल मिलाकर 50 से अधिक बच्चे मिले हैं। उन्होंने बताया कि ऐसे में अन्य बच्चों के साथ दिव्यांग बच्चों को होम बेस्ड एजुकेशन दिलाने के लिए स्पेशल टीचर के साथ सम्बन्धित स्कूल के टीचर भी घर जाकर पढ़ाई करा रहे हैं। इसके लिए उनको नोडल टीचर शिक्षित करा रहे हैं।

शहर में कई सड़कों पर हुआ जलभराव

गाजियाबाद। शहर में मंगलवार को रुक-रुक कर हुई बारिश से कई सड़कों पर पानी- पानी हो गया। कई मुख्य मार्गों पर जलभराव से लोगों की परेशानी बढ़ गई। कालोनियों मे भी मुख्य तथा अंदरूनी सड़कों पर जलभराव से आने जाने वाले लोगों को परेशानी हुई। हालांकि करीब साढ़े तीन घंटे तक रुक- रुक कर बारिश से शहर वासियों को गर्मी से राहत मिली। मंगलवार सुबह करीब 8 बजे से जिले के विभिन्न हिस्सों में बूंदाबांदी और रुक रुक कर बारिश होती रही। बारिश के कारण लोगों को जहां गर्मी से थोड़ी राहत मिली, वहीं मुख्य सड़कों से लेकर कॉलोनी की सड़कों पर कई जगहों पर पानी भरने से रोजमर्रा के काम से आने- जाने वाले लोगों की परेशानी बढ़ गई। गोविंदपुरम के जी ब्लॉक में मुख्य सड़क पर कई जगह पानी भर गया। वही, कई ब्लॉकों की सड़कों पर भी पानी भरने से लोग परेशान हुए। नंद ग्राम, विवेकानंद नगर मैं कई सड़कों पर जलभराव होने से लोगों को दिक्कतें हुई, दीनदयाल पुरी समेत कई निचली कालोनियों में कई गलियों में सड़कों में पानी भरने और कीचड़ से स्थानीय लोगों की परेशानी से जूझना पड़ा।

श्री हंस सांसद खेल महोत्सव मे बुराड़ी बुल्स की टीम ने मीडिया मास्टर्स को एवं गोकलपुर दबंग की टीम ने बाबरपुर बुलडोजर को हराकर अपने-अपने मैच जीते

प्रफुल्ल राय

नई दिल्ली। श्री हंस सांसद खेल महोत्सव के आठवें दिन आज नंद नगरी के डिस्ट्रिक्ट पार्क खेल मैदान पर सुबह बुराड़ी बुल्स एवं मीडिया मास्टर्स और शाम को बाबरपुर बुलडोजर एवं गोकलपुर दबंग के बीच में क्रिकेट मैच आयोजित किए गए इस दौरान खेल के आयोजक सांसद मनोज तिवारी खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाने के लिए दिल्ली नगर निगम के आयुक्त ज्ञानेश भारती निगम उपायुक्त अमित कुमार शर्मा उप स्वास्थ्य अधिकारी श्रीमती माधवी पंत श्री हंस आर्ट एंड क्रिएशंस प्राइवेट लिमिटेड के मालिक एवं मुख्य सहयोगी नीरज गुप्ता टीवी कलाकार सलीम जैदी एवं शाम के मैच में खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाने के लिए एनडीएमसी के उपाध्यक्ष सतीश उपाध्याय खेल मैदान पर पहुंचे

इस अवसर पर विधायक अजय महावर पर जिला अध्यक्ष मोहन गोयल उपाध्यक्ष आनंद त्रिवेदी महामंत्री जितेंद्र कंवर मनोज त्यागी भाजपा नेता वीरेंद्र खंडेलवाल भुवनेश सिंघल भूषण त्यागी आयोजन समिति के पदाधिकारी संजीव उपाध्याय तेज प्रकाश रामनिवास गंगाराम माहोर सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे।

मैदान पर मौजूद खिलाड़ियों एवं क्षेत्रीय निवासियों को संबोधित करते हुए ज्ञानेश भारती ने कहा हर इंसान को खेल से जुड़ना चाहिए क्योंकि जीवन की हर कामयाबी स्वस्थ मन सार्थक सोच और स्वस्थ शरीर एवं कड़े परिश्रम से ही संभव है और उसके लिए सांसद खेल महोत्सव के माध्यम से सांसद मनोज तिवारी ने गली मोहल्ले में छुपी प्रतिभाओं को अवसर दिया है वह सराहनीय है उन्होंने कहा कि नगर निगम के 1563 स्कूलों के 8 लाख बच्चों को खेल से जोड़ने के लिए निगम द्वारा विभिन्न खेलों की प्रतियोगिताएं आयोजित की गई निगम के 15000 बार जो लगभग 6000 एकड़ में बने हुए हैं उनमें खेल एवं स्वास्थ्य की चिंता को करते हुए मैदान एवं सुंदर पार्क तैयार किए जा रहे हैं जिनमें खेल प्रतिभाओं को खेलने का अवसर मिले साथ ही डीडीए के साथ मिलकर इस तरह के खेल मैदानों को विकसित करने की योजना भी निगम के विचार में है।

प्रतियोगिता के आयोजक सांसद मनोज तिवारी ने अपने संबोधन में कहा श्री हंस सांसद खेल महोत्सव को जो जनसमर्थन और गली गली से निकलने वाले शेर प्रतियोगियों को मिलने वाला अवसर यह साबित करता है प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी यह मिशन जन जन का अभियान बन गया है और हर बच्चा एवं हर युवा इस अभियान से जुड़कर खेलों के महत्व को समझ रहा है उन्होंने कहा कि लोकसभा स्तर के बाद इस खेल को विधानसभा स्तर पर करने पर भी विचार किया जाएगा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं केंद्र सरकार की योजना को जन-जन तक पहुंचाया जाएगा।

इस अवसर पर सतीश उपाध्याय ने कहा की खेल भावना अनुशासन धैर्य और परंपरा के मिश्रित समावेश से पूरक होता है और जो व्यक्ति खेल से जुड़ जाता है वह आदर्श जीवन को जीवंत करने में अपने लक्ष्य को हासिल करता है और अगर सारांश में कहें तो जीत या हार किसी भी टीम की हो लेकिन सफलता खेल को ही मिलती है और लोगों में खेल भावना का समावेश जरूरी है सुबह के मैच में बुराड़ी बुल्स ने टॉस जीता और पहले बल्लेबाजी करते हुए 19 ओवर में 10 विकेट पर 148 रन बनाए एवं मीडिया मास्टर्स के सामने 149 रनों का लक्ष्य रखा जिसका पीछा करते हुए मीडिया मास्टर्स निर्धारित 20 ओवरों में 7 विकेट पर 133 रन ही बना सकी और बुराड़ी वुल्स से 15 रनों से मैच हार गई बुराड़ी के खिलाड़ी सोनू को सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए मैन ऑफ द मैच चुना गया शाम के मैच में बाबरपुर बुलडोजर ने टॉस जीता एवं पहले बल्लेबाजी करने का फैसला लिया पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवरों में 10 विकेट खोकर 102 रन बनाए और गोकलपुर दबंग की टीम के सामने 103 रनों का लक्ष्य रखा गोकलपुर दबंग की टीम ने 14ओवर में 103रन बना कर मैंच 6 विकेट से जीत लिया।

सिद्धू मूसेवाला की हत्या से पहले लॉरेंस बिश्नोई का भाई फेक पोसपोर्ट से भागा विदेश, 4 मददगार गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने विदेश भागने के लिए लॉरेंस बिश्नोई के भाई अनमोल और भांजे सचिन की मदद करने वाले 4 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। उन्होंने फर्जी पासपोर्ट बनवाने में अनमोल और सचिन की मदद की थी ।बताया जा रहा है कि देश के बाहर बैठ कर अनमोल और सचिन ने सिद्धू की हत्या की साजिश गोल्डी

बराड़ के साथ मिलकर रची थी।

हाल ही में कुछ रिपोर्ट्स में दावा किया गया था कि लॉरेंस बिश्नोई ने अपने भाई अनमोल बिश्नोई और भांजे सचिन को विदेश भगा दिया है। फर्जी पासपोर्ट के सहारे इन्हें देश से बाहर भेजा गया। पासपोर्ट संगम विहार के पते पर बना था। अब पुलिस ने 4 मददगारों को गिरफ्तार कर लिया है। सचिन फिलहाल दुबई में है और बिश्नोई का भाई यूरोप में है। बताया जा रहा है कि सिद्धू मूसेवाला की हत्या से पहले ही लॉरेंस ने अपने भाई और भांजे के विदेश भागने का इंतजाम कर दिया था। सूत्रों के मुताबिक, पुलिस की पूछताछ में बिश्नोई ने खुद भाई और भांजे के विदेश भागने का खुलासा किया, जिसके बाद पुलिस ने मददगारों की तलाश शुरू की।

गुरु पूर्णिमा पर राहुल गांधी ने गुरुजनों के प्रति जताई कृतज्ञता

नयी दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने गुरु पूर्णिमा के पावन पर्व पर देशवासियों को शुभकामनाएं देते हुए गुरुजनों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की है।

श्री गांधी ने कहा कि गुरु ज्ञान के प्रकाश से अपने शिष्यों को अंधकार के मार्ग से मुक्त करते हैं और त्याग तथा तपस्या की राह दिखाते हैं। गौरतलब है कि देश भर में आज गुरु पूर्णिमा का पावन पर्व धूमधाम से मनाया जा रहा है। उन्होंने ट्वीट किया, गुरु अपने शिष्य को अज्ञान रुपी अंधकार से ज्ञान रुपी प्रकाश के मार्ग पर लेकर जाते हैं, त्याग और तपस्या की राह दिखाते हैं। गुरुजनों के प्रति सम्मान और कृतज्ञता अर्पित करने वाले पावन पर्व, गुरु पूर्णिमा की ढेरों बधाई एवं शुभकामनाएं और सभी गुरुजनों को मेरा सादर प्रणाम।

बारिश के कारण नगर की दो दर्जन से अधिक कॉलोनी में भरा पानी

मोदीनगर। एक घंटे से अधिक समय तक हुई झमाझम बारिश ने जहां उमस भरी गर्मी से राहत दी ,वहीं कई आफत लेकर भी आई। बारिश के कारण दिल्ली मेरठ मार्ग पर सहित एक दर्जन से अधिक कॉलोनियों में घरों में पानी भर गया।

जिस कारण लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। बता दे कि पिछले दिनों ही नगर पालिका परिषद द्वारा शहर के नालों की सफाई में लाखों रुपये खर्च किए थे। मंगलवार सुबह एक घंटे से अधिक समय तक हुई झमाझम बारिश ने नगर पालिका परिषद के नाले सफाई दावों की पोल खोलकर रख कर दी। बारिश के कारण दिल्ली मेरठ मार्ग पर सीकरी पेट्रोल पंप से लेकर राज चौपले तक सड़क पर एक से दो फीट तक पानी भर गया। इसके अलावा निवाड़ी मार्ग ,डिफेंस कॉलोनी ,फफराना मार्ग ,गोविन्दुपरी ,हरमुखपुरी ,भूपेन्द्रपुरी सहित एक दर्जन से अधिक कॉलोनियों में भी कई कई फीट तक जलभराव हो गया। इतना ही नहीं नाले का गंदा पानी घरों व दुकानों में घूस गया।

घरों में पानी भर जाने के कारण लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। लोगों का कहना है कि जब थोड़ी ही बारिश में ही शहर जलमग्न हो गया तो फिर नाले की सफाई क्या कागजों में हुई थी।

गुरुग्राम में 50 एकड़ में बनाई जाएगी साइंस सिटी

वैज्ञानिक सिद्धांत व्यावहारिक रूप से सीख सकेंगे छात्र

गुरुग्राम। हरियाणा सरकार ने गुरुग्राम में एक साइंस सिटी बनाने का फैसला किया है, जिसे केंद्र सरकार की मदद से करीब 50 एकड़ क्षेत्र में विकसित किया जाएगा। हरियाणा के मुख्य सचिव संजीव कौशल की अध्यक्षता में मंगलवार को चंडीगढ़ में हुई एक बैठक में साइंस सिटी स्थापित करने के लिए गुरुग्राम में उपयुक्त स्थान तलाशने पर चर्चा हुई।

मुख्य सचिव ने कहा कि साइंस सिटी की स्थापना के बाद राज्य और अन्य हिस्सों के छात्रों को वैज्ञानिक सिद्धांतों को व्यावहारिक रूप से सीखने का मौका मिलेगा। बयान में

कौशल के हवाले से कहा गया कि इससे क्षेत्र के लोगों को प्रत्यक्ष और परोक्ष रूप से रोजगार के अवसर भी मिलेंगे।

उन्होंने कहा कि भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान और विज्ञान की अन्य शाखाओं को कवर करने वाली विषयगत ब्रांच स्थापित की जाएंगी, जिससे स्कूलों और अन्य शैक्षणिक संस्थानों को लाभ होगा।

बयान में कहा गया है कि हरियाणा सरकार ने गुरुग्राम में एक साइंस सिटी स्थापित करने का फैसला किया है, जिसे केंद्र सरकार की मदद से लगभग 50 एकड़ भूमि पर विकसित किया जाएगा। अधिकारियों ने बैठक के दौरान बताया कि इस साइंस सिटी में भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन की स्पेस गैलरी भी स्थापित की जाएगी जो अंतरिक्ष में उपग्रहों को प्रक्षेपित करने की जानकारी देगी।

इसके अलावा इसरो द्वारा सिमुलेटर भी लगाए जाएंगे ताकि छात्र अंतरिक्ष में जाने का अनुभव कर सकें। आगे बताया गया कि साइंस सिटी में एक इनोवेशन हब भी विकसित किया जाएगा जो छात्रों को नए वैज्ञानिक विचारों पर काम करने का माहौल प्रदान करेगा। इस हब में छात्रों को मेंटर भी मिलेंगे जो उनका मार्गदर्शन करेंगे।

बैठक में अपर मुख्य सचिव नगर एवं ग्राम नियोजन देवेंद्र सिंह, अतिरिक्त मुख्य सचिव तकनीकी शिक्षा आनंद मोहन शरण, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के अतिरिक्त मुख्य सचिव अशोक खेमका सहित वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

सिंगल यूज़ प्लास्टिक के विकल्पों को बढ़ावा देने के लिए अधिक परीक्षण प्रयोगशालाओं की आवश्यकता

नयी दिल्ली। दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने बुधवार को केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव को पत्र लिखकर सिंगल यूज़ प्लास्टिक के विकल्पों के सर्टिफिकेशन के लिए देश में ज़्यादा से ज़्यादा परीक्षण प्रयोगशालाओं को अधिकृत करने का आग्रह किया।

राय ने पत्र में बताया कि प्रदूषण को बढ़ावा देने में सिंगल यूज़ प्लास्टिक एक एहम भूमिका निभाता रहा है। ऐसे में सिंगल यूज प्लास्टिक वस्तुओं के उपयोग को रोकने के लिए जागरुकता अभियान जरूरी है। इसी कड़ी में आगे बढ़ते हुए दिल्ली सरकार ने त्यागराज स्टेडियम में तीन दिवसीय प्लास्टिक विकल्प मेले का आयोजन किया था ताकि आम जनता के बीच सिंगल यूज़ प्लास्टिक के विकल्पों को प्रोत्साहन दिया जा सके। मेले के अंतिम दिन तीन जुलाई को सिंगल यूज़ प्लास्टिक के विकल्पों पर कार्य कर रहे स्वयं सहायता समूहों, गैर-सरकारी संगठनों और विभिन्न औद्योगिक संघ / औद्योगिक इकाइयों के साथ राउंड

टेबल कांफ्रेंस का आयोजन किया गया। जिसके दौरान सभी पैनेलिस्ट से चर्चा करते हुए यह देखा गया है कि कम्पोस्टेबल बैग्स/उत्पादों के निर्माण में लगी इकाइयों को सीपीसीबी से सर्टिफिकेशन प्राप्त करने से पहले सीआईपीईटी प्रयोगशाला से परीक्षण/रिपोर्ट प्राप्त करना अपेक्षित होता है। वर्तमान में, सीआईपीईटी ही देश में एकमात्र प्रयोगशाला है जो इस तरह के परीक्षण करती है। इस परीक्षण में लगभग छह महीने लग जाता है और साथ ही लगभग 4-5 लाख रुपये की भारी दर भी चुकानी पड़ती है।

उन्होंने पत्र में आग्रह करते हुए कहा कि यदि हम देश में सिंगल यूज़ प्लास्टिक के विकल्पों को प्रोत्साहित करना चाहते है तो ऐसे में इतना समय लेने वाली प्रक्रिया को ध्यान में रखते हुए,देश में सरकार को और अधिक प्रयोगशालाओं को अधिकृत करना अनिवार्य है। ताकि सिंगल यूज़ प्लास्टिक के विकल्पों के निर्माण में लगे हुए स्टार्टअप/इकाइयों को किफायती दरों और उचित समय पर सर्टिफिकेशन दिया जा सकें। ऐसा करना उत्पादकों को सिंगल यूज़ प्लास्टिक के विकल्पों की ओर बढ़ने के लिए अधिक प्रेरित करेगा। साथ ही यह ज़मीनी तौर पर सिंगल यूज़ प्लास्टिक प्रतिबंध के बेहतर कार्यान्वयन की सुविधा भी प्रदान करेगा।

राय ने अपील करते हुए कहा की सिंगल यूज़ प्लास्टिक के अन्य विकल्प का उत्पादन करने वाले स्टार्ट-अप्स/उद्यमियों को प्रोत्साहित करने और बढ़ावा देने के लिए सरकारो को साथ मिलकर काम करना होगा ताकि 19 प्रतिबंधित एसयूपी वस्तुओं को लोगो की आपूर्ति श्रंखला से बाहर किया जा सके।

नर्स ने फ्लैट में फंदा लगाकर जान दी

नोएडा। सेक्टर-62 स्थित गैलेक्सी अपार्टमेंट में नर्स ने बुधवार सुबह अपने फ्लैट में पंखे से फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस को उसके पास कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है ।महिला एमबीए कर रहे छात्र के साथ लिव इन रिलेशनशिप में रहती थी। सेक्टर-62 स्थित गैलेक्सी अपार्टमेंट में 29 वर्षीय अमिता पालीवाल लिव इन रिलेशनशिप में आदित्य पालीवाल के साथ रहती थीं। अमिता सेक्टर-62 के एक निजी अस्पताल में नर्स थीं। उन्होंने सुबह करीब छह बजे अपने फ्लैट में पंखे से फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस मामले में आदित्य से पूछताछ कर रही है। थाना प्रभारी का कहना है कि आत्महत्या का कोई कारण स्पष्ट नहीं हो सका है। न ही पुलिस को मृतका के पास कोई सुसाइड नोट मिला है। यदि मृतका के परिजन शिकायत करते हैं तो मामले में आगे की कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने मृतका के परिजनों को घटना की सूचना दे दी है।

महंगाई, बेरोजगारी, रुपए में गिरावट रोकने के उपाय बताए सरकार : कांग्रेस

नयी दिल्ली। कांग्रेस ने कहा है कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार राजनीतिक ध्रुवीकरण और सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने में लगी है और बेरोजगारी, महंगाई तथा रुपए की गिरती कीमत की चुनौतियों से निपटने के लिए उसके पास कोई रणनीति नहीं है।

कांग्रेस प्रवक्ता गौरव वल्लभ ने बुधवार को यहां पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि मोदी सरकार सिर्फ केन्द्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को अपने राजनीतिक विरोधियों के खिलाफ हथियार के तौर पर इस्तेमाल करने में लगी है और राजनीतिक ध्रुवीकरण तथा सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने के एकमात्र एजेंडे पर काम कर रही है। देश के सामने मौजूद चुनौतियों से निपटने के लिए इस सरकार के पास ना कोई रणनीति है और ना ही उसकी इस तरह की कोई दूरदृष्टि है।

उन्होंने कहा कि सरकारी आंकड़े बताते हैं कि 2020 और 2021 के दौरान देश में बेरोजगारी की दर 7.8 प्रतिशत तक बढ़ गयी है गत जून में 25 लाख लोगों को नौकरियों से हाथ धोना पड़ा है।

अप्रैल से जून के बीच तीन महीने के दौरान महंगाई दर 7.3 प्रतिशत रही है जबकि ग्रामीण क्षेत्रों में यह 7.9 प्रतिशत तक पहुंची है। इसी तरह से ग्रामीण क्षेत्रों में बेरोजगारी का स्तर 8.3 प्रतिशत के पार पहुंची है। चिंता की बात यह है कि देश की 70 फीसदी आबादी ग्रामीण क्षेत्रों में है।

प्रवक्ता ने कहा कि जून माह में स्टार्ट अप से 11,000 नौकरी गई है जबकि रुपया गिरकर 79.06 प्रति डालर के स्तर पर पहुंचा है। आश्चर्य की बात यह है कि इन विपरीत स्थितियों के दौरान भाजपा सरकार ने कई ज़रूरी वस्तुओं पर पांच प्रतिशत जीएसटी बढ़ाने का खतरनाक फैसला लिया है।

उन्होंने कहा कि सरकार को बताना चाहिए कि वह जीएसटी से पैदा हुए संकट से निपटने के लिए किस तरह के कदम उठा रही है और देश के आर्थिक हालात तथा और रुपए की स्थिति में सुधार के लिए किस तरह के कदम उठा रही है।

43 दिनों ने 30 हजार उपभोक्ताओं ने उठाया योजना का लाभ

नोएडा। विद्युत निगम की एकमुश्त समाधान (ओटीएस) योजना का बीते 43 दिनों में महज 30 हजार उपभोक्ता ही लाभ उठा सके हैं। इन उपभोक्ताओं ने 34 करोड़ रुपये का बिल जमा करके साढ़े छह करोड़ रुपये का सरचार्ज माफ कराया है। शेष 96 हजार उपभोक्ताओं ने अभी तक योजना का लाभ नहीं उठाया है। इन उपभोक्ताओं पर विद्युत निगम का सवा दो सौ करोड़ रुपये का राजस्व बकाया है। अगर सभी 96 हजार उपभोक्ता योजना का लाभ उठाते हैं तो उनका करीब 50 करोड़ रुपये का सरचार्ज माफ हो जाएगा। योजना को खत्म होने में अभी दो दिन शेष हैं।

बकायेदार उपभोक्ताओं की सुविधा के लिए विद्युत निगम ने एक जून से ओटीएस योजना लागू की थी। इसमें घरेलू व नलकूप के कनेक्शन के सभी भार के बकायेदार उपभोक्ता और वाणिज्यक कनेक्शन के पांच किलोवाट तक के बकायेदार उपभोक्ता योजना का लाभ उठा सकते हैं। विद्युत निगम ने योजना के तहत तीनों वर्गों के एक लाख 26 हजार उपभोक्ता चिन्हित किए थे। इन पर निगम का दो सौ 63 करोड़ रुपये का राजस्व बकाया था। 30 अप्रैल से पुराने बकायेदार उपभोक्ता ही योजन के तहत शत-प्रतिशत तक सरचार्ज माफ करा सकते हैं। विद्युत निगम के मुख्य अभियंता वीएन सिंह ने बताया उपभोक्ताओं की सुविधा के लिए गांवों व सेक्टरों में शिविर भी लगाए जा रहे हैं।

एसटीएफ ने क्लब संचालक चीनी नागरिक को किया गिरफ्तार

एजेंसी

नोएडा। एसटीएफ ने चीनी नागरिक जॉनसन को गिरफ्तार कर लिया। ग्रेटर नोएडा के घरबरा गांव में खोले गए क्लब का संचालन उसके द्वारा किया जाता था। उसका असली नाम हिझुआंग-झुआंग है। जांच के दौरान पता चला है कि अवैध रूप से प्रोसेसिंग चिप आदि चीन भेजने के मामले में उसकी बड़ी भूमिका है। इन्हीं चिप के माध्यम से लाखों भारतीयों का डाटा चीन भेजे जाने की आशंका है।

एसटीएफ के अधिकारियों ने बताया कि एसटीएफ द्वारा इस मामले में अभी तक गिरफ्तार आरोपियों से हुई पूछताछ और अन्य जानकारियों के बाद बुधवार को जॉनसन को गिरफ्तार किया गया। जॉनसन से एसटीएफ की टीमें पूछताछ करने में जुटी हैं। इस मामले में जॉनसन को सबसे अहम कड़ी माना जा रहा था। वह सुफाई की गिरफ्तारी के बाद फरार हो गया था। उसे सुफाई का रिश्तेदार भी बताया जा रहा है।

जॉनसन ने गेस्ट हाउस के मालिक मनीष नागर से अनुबंध किया था। वह सुफाई और रवि कुमार नटवरलाल का मुख्य साझीदार था। जांच एजेंसियों के अनुसार जॉनसन चीन के हुबेई प्रांत का निवासी है।

उसने भी भारत में अपना नाम बदलकर जॉनसन नाम रख लिया था। सुफाई की गिरफ्तारी के बाद से वह भी देश छोड़कर भागने के प्रयास में था। सुफाई की तरह जॉनसन की गर्लफ्रेंड भी पूर्वोत्तर निवासी युवती है। वह भी गर्लफ्रेंड के जरिए कई बैंक खाते संचालित करता था जिसको लेकर जांच की जा रही है और यह भी देखा जा रहा है कि कहीं जॉनसन ने भी तो सुफाई की तरह अवैध रूप से भारत की नागरिकता हासिल नहीं कर ली थी और उसने भी अवैध तरीके से भारतीय पासपोर्ट, वोटर आईकार्ड और आधार कार्ड तो नहीं बनवा रखे थे।

दो और चीनी नागरिकों की तलाश

इस मामले में गिरफ्तार होने वाले चीनी नागरिकों की संख्या अभी और बढ़ सकती है। अधिकारिक सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार इस प्रकरण में अब दो और चीनी नागरिकों के संबंध में जानकारी मिल रही है और वह भी पूर्व में गिरफ्तार हुए चीनी नागरिकों के साथ ही यहां पर अवैध रूप से रह रहे थे। उकी गिरफ्तारी के लिए प्रयास किए जा रहे हैं।

भारतीयों का डाटा भेजने की जांच जारी

देश में अवैध रूप से रहने वाले चीनी नागरिकों ने नोएडा-ग्रेटर नोएडा को अपना बड़ा ठिकाना बना रखा था और यहीं से वह अपनी गतिविधियों को संचालित कर रहे थे।

उनके द्वारा यहां बैठकर किस तरह की गतिविधियों को अंजाम दिया जा रहा था, इसको लेकर केंद्र और राज्य की जांच एजेंसियों द्वारा जांच की जा रही है। संभावना है कि आरोपियों द्वारा बड़ी संख्या में भारतीय लोगों का डाटा चीन भेजा जा रहा था। इनके ठिकानों से पुलिस को बड़े पैमाने पर चिप और अन्य उपकरण भी मिले हैं।

संपादकीय

बारिश में जनता की हाहाकार पर भारी व्यवस्था का भ्रष्टाचार

मानसून का आगमन हो चुका है। देश के कई राज्यों में बारिश और बाढ़ के प्रलयकारी दृश्य देखे जा रहे हैं। पूरे देश में अब तक हज़ारों लोग बाढ़,बारिश और सरकारी लापरवाही विशेषकर भ्रष्टाचार के कारण उपजे हालात की भेंट चढ़ चुके हैं। सबसे ज़्यादा जनहानि व तबाही तो उस असम राज्य में हुई है जिसे सरकार ने उन्हीं बाढ़ के दिनों में महाराष्ट्र के विधायकों की हॉर्स ट्रेडिंग का अड्डा बनाया। इसी राज्य को एन आर सी की प्रयोगशाला बनाने की कोशिश की गयी । सरकार को अनुकूल व सुविधाजनक लगने वाले सांप्रदायिकता के और भी कई प्रयोग यहां किये जा चुके हैं। परन्तु बाढ़ से बचाव का समुचित उपाय करना शायद सरकार की प्राथमिकताओं में नहीं होगा तभी इस राज्य के सबसे अधिक लोग प्रलयकारी बाढ़ और बारिश की भेंट चढ़ गये। गांव के गांव जल प्रलय का शिकार हो गये ? स्वयं प्रधानमंत्री का गृह राज्य गुजरात जिसे %वाइब्रेंट गुजरात % के नाम से प्रचारित किया जाता था और जिस गुजरात मॉडल को पूरे देश में लागू करने की बात की जाती थी वहां बाढ़,बारिश,सड़कों के धंसने और जान व माल की हानि की ख़बरें आ रही हैं। वास्तव में गुजरात की बाढ़, बारिश और शहरों में मची तबाही से ही वहां की जनता इन दिनों वाइब्रेंट हो रही है। मध्य प्रदेश में भी भारी तबाही के समाचार हैं। अनेक नदियां उफान पर हैं,शहरों में मुख्य मार्गों व मुहल्लों में होने वाले जल भराव बाढ़ का दृश्य पेश कर रहे हैं। कई दृश्य ऐसे सामने आ रहे हैं जिनमें वाहन बहते हुए दिखाई दे रहे। स्वयं मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान अपने क़ाफ़िले के साथ उन्हीं पानी भरे गड्ढेदार रास्तों से गुज़रते हुए रोड शो करते फिर रहे हैं। परन्तु यदि आप विकास पर उनका भाषण सुनें तो शर्म से पानी पानी हो जायें। मगर इसतरह के महा झूठ बोलने और जनता को गुमराह करने की सलाहियत शायद भगवान केवल नेताओं को ही देता है। उनके प्रवचन के एक अंश और बारिश में मध्य प्रदेश की सड़कों पर चल रहा मौत का वास्तविक तांडव दोनों की तुलना करके स्वयं देखिये। मुख्यमंत्री चौहान के शब्दों में – %यदि किसी स्टेट को आगे बढ़ाना है तो बुनियादी इंफ़्रास्ट्रक्चर के बिना कोई राज्य आगे बढ़ नहीं सकता। इसलिए सबसे पहले हमने सड़कें बनायीं। और सड़कें भी ऐसी मित्रों ... जब मैं यहां एयरपोर्ट पर उतरा। .%वासिंगटन % के और सड़कों पर चलके आया तो मुझे लगा कि मध्य प्रदेश की सड़कें यूनाइटेड स्टेट से ज़्यादा बेहतर हैं। गोया इतनी बेहतर की गड्ढों से भरी और बारिश में तेज़ प्रवाह नदी का जानलेवा दृश्य पेश करती हुई ? परन्तु सरकार है कि सिर्फ़ लोकलुभावन नीतियों पर चल रही है। साहब स्वयं को बुलडोज़र मामाकहलवाने में ही खुश हैं। नागपुर में पुलिया बह गयी,एक ही परिवार के आठ लोगों ने जीप समेत जल समाधि लेली। ऐसी अनेक घटनायें विभिन्न राज्यों में हो रही हैं।

बर्बादी के यह दृश्य केवल वर्तमान सरकारों की ही देन नहीं हैं। पिछली सरकारें भी चाहे वे किसी भी बाढ़ व बारिश आपदा प्रभावित राज्यों में रही हों और चाहे जिस राजनैतिक दल की रही हों,किसी ने भी इस दिशा में ठोस क़दम नहीं उठाये और हर एक सरकारों ने इस की आड़ में जमकर लूट खसोट की। बाँध की मिट्टी डालने और उसके बाढ़ में बह जाने के खेल में ही खरबों रूपये की लूट पाट कई राज्यों में होती रही है। शहरों व क़स्बों में अकारण और बिना किसी ठोस योजना के सड़कें व गलियां बार बार ऊँची की जा रही हैं। और बाज़ार मोहल्ले यहाँ तक कि नई आबादी वाले सुविधा संपन्न सेक्टर आदि भी डूबे पड़े हैं। शुरूआती मानसून में ही नाले भरे हैं,गड्ढे भर चुके,पानी की निकासी की कोई समुचित व्यवस्था नहीं। ऐसे में जब सड़कें व गलियां सरकार,प्रशासन व ठेकेदारों के संयुक्त भ्रष्टाचार के चलते अकारण ऊँची कराई जायेंगी तो निश्चित रूप से लोगों के घर भी डूबेंगे,उनके घरों का सामान भी क्षति ग्रस्त होगा,बीमारी भी फैलेगी और ढेरों असुविधाओं का सामना भी करना पड़ेगा। एक तरफ़ तो जनता पहले ही बेरोज़गारी व भीषण मंहगाई से त्रस्त है।

‘पीओके’ में क्यों लग रहे आजादी आजादी के नारे?

नीरज कुमार दुबे

पीओके के हालात पर नजर डालें तो चाहे बात रोजगार की हो, विकास की हो, शिक्षा की हो, स्वास्थ्य सेवाओं की हो या फिर अन्य बुनियादी सुविधाओं की हो...हर मोर्चे पर पाकिस्तान और वहां की स्थानीय सरकार विफल है।

पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में हालात तेजी से बिगड़ते जा रहे हैं क्योंकि आक्रोशित जनता सड़कों पर उतर कर आजादी आजादी के नारे लगा रही है। पीओके के कश्मीरी युवा पाकिस्तान सरकार और सेना के विरोध में ये जो दहशतगर्दी है उसके पीछे वर्दी है जैसे नारे लगा रहे हैं। पीओके के लोगों का कहना है कि अगर पाकिस्तान की सरकार ने कब्जे वाले कश्मीर के लोगों पर दमन जारी रखा तो वह विद्रोह करने के लिए तैयार हैं। धीरकोट में आजादी आजादी और पाकिस्तान सरकार मुर्दाबाद के नारों के बीच एक प्रदर्शनकारी असीम रजा ने कहा कि पाकिस्तान ने जिस तरह 1971 में बांग्लादेश को खो दिया उसी तरह पीओके को भी जल्द खो देगा। पाकिस्तान कश्मीर के प्रति जो दिखावा दुनिया के सामने करता है उसकी हकीकत खुद पीओके के लोग बयां कर रहे हैं। पीओके के लोग सरकार के भाई–भतीजावाद, भ्रष्टाचार और अत्याचार से परेशान हैं। वहां सरकार ने ठेके पर काम करने वाले श्रमिकों की नौकरियों को पक्का करने के लिए जो कानून बनाया था, उसका लाभ केवल उन्हीं लोगों को मिला, जिनकी सत्ताधारी पार्टी और उसके नेताओं से करीबी थी। गिलगिट बाल्टिस्तान में भी जो सरकार के अत्याचार के विरोध में आवाज उठाता है उसे पकड़ कर जेल में ठूंस दिया जाता है। लोग कई दिनों से प्रदर्शन कर रहे हैं और अपने साथियों की रिहाई की मांग कर रहे हैं लेकिन सरकार इससे बेपरवाह है। पीओके के हालात पर नजर डालें तो चाहे बात रोजगार की हो, विकास की हो, शिक्षा की हो, स्वास्थ्य सेवाओं की हो या फिर अन्य बुनियादी सुविधाओं की हो...हर मोर्चे पर पाकिस्तान और वहां की स्थानीय सरकार विफल है। पाकिस्तान के अवैध कब्जे वाला यह इलाका पिछले 70 साल से ज्यादा समय से तमाम तरह की दुश्वारियां झेल रहा है। लेकिन अब जनता को अपना भविष्य अंधकारमय नजर आ रहा है इसलिए वह विद्रोह के लिए उठ खड़ी हुई है। हम आपको बता दें कि पीओके तमाम तरह की बुनियादी सुविधाओं के अभाव से जूझने के साथ ही कई घंटों की लगातार बिजली कटौती की समस्या से भी जूझ रहा है। इससे जहाँ आम लोगों को परेशानी हो रही है वहीं छोटे व्यापारियों का बड़ा नुकसान भी हो रहा है। छोटे मोटे कारखाने चलाने वालों के सामने मुश्किल यह है कि बिजली होती नहीं है जिससे मशीनें ठप पड़ी रहती हैं और मजदूर सारा–सारा दिन बिजली आने के इंतजार में बैठे रहते हैं। जितने समय बिजली आती है तो उसका वोल्टेज इतना कम होता है कि मोबाइल फोन ही उसमें बमुश्किल चार्ज किया जा सकता है। यह हालात तब हैं जब इस इलाके में हजारों मेगावाट बिजली पैदा की जाती है। बिजली बिलों में भी प्रशासन ने तमाम तरह के टैक्स लगा दिये हैं जिससे भी लोगों को काफी परेशानी उठानी पड़ रही है। पीओके के लोगों की परेशानियां यहीं खत्म नहीं होतीं। एक तो 70 साल से अधिक समय से कोई सुविधा नहीं दूसरा पाकिस्तान ने भारत के खिलाफ अप्रत्यक्ष रूप से युद्ध छेड़ा हुआ है उसके लिए पीओके की जमीन का ही इस्तेमाल किया जाता है। पीओके में ही पाकिस्तान के सारे आतंकी प्रशिक्षण केंद्र हैं जिसकी वजह से पूरी दुनिया में यहां की बदनामी होती है। इसके अलावा पीओके में चल रही चीन की परियोजनाओं के विरोध में भी आवाजें उठ रही हैं। पीओके के लोगों की सबसे बड़ी परेशानी यही है कि ना तो उन्हें आज तक ईमानदार और वादे पूरे करने वाली सरकार मिली और ना ही पाकिस्तान के कुत्सित इरादों से आजादी।

श्रीलंका संकट के बीच क्यों सेना भेजने से बच रहा है भारत, क्या है ऑपरेशन पुमलाई

भीषण आर्थिक संकट से जूझ रहे श्रीलंका में हालात दिन पर दिन बिगड़ते जा रहे हैं। प्रदर्शनकारियों ने राष्ट्रपति भवन पर कब्जा कर लिया है। प्रधानमंत्री के निजी आवास को आग लगा दी गई है। श्रीलंका में हालात कितने खराब हैं इसका अंदाजा इससे लगाइये कि सरकारी न्यूज चैनल तक में प्रदर्शकारी घुस गये। इतना ही नहीं एक प्रदर्शनकारी वहां न्यूज एंकर बनकर बैठ गया और बोलने लगा। अक्सर ये कहा जाता है कि अगर हमारे पड़ोसी अच्छे हैं तो हमारी रोजमर्रा की कई छोटी–बड़ी बातों की फिक्र यूं ही खत्म हो जाती है। यही फॉर्मूला देशों पर भी लागू होता है। अगर हमारे पड़ोसी देश में सबकुछ ठीक नहीं चल रहा है और उथल पुथल मची है तो हमें इससे क्या कहकर हम पीछा नहीं छुड़ा सकते। ये तो वही बात हो गई कि अगर आपके पड़ोसी के घर में आग लगी हो और आप अपना दरवाजा बंद कर लें, तो आप सुरक्षित नहीं रहेंगे। पड़ोस में चल रहे इस संकट से भारत भी बेहद चिंतित है। भारत श्रीलंका को इस बुरे संकट से निकालने के लिए हर संभव मदद कर रहा है। भारत लगातार श्रीलंका को खाना, तेल, दवाईयां और आर्थिक मदद दे रहा है। लेकिन इन सभी के बीच सोशल मीडिया पर ये खबर वायरल हो गई कि श्रीलंका में प्रदर्शनाकारियों को काबू में करने के लिए भारत अपनी सेना भेज रहा है।

सुब्रमण्यम स्वामी की सलाह, भारतीय दूतावास की सफाई

श्रीलंका के हालात को देखते हुए सुब्रमण्यम स्वामी ने कहा कि अगर ऐसा रहा तो पड़ोस में कोई भी लोकतांत्रिक देश सुरक्षित नहीं रहेगा। स्वामी ने कहा, अगर राजपक्षे भारत की सैन्य मदद चाहते हैं तो हमें उन्हें निश्चित रूप से देना चाहिए। स्वामी ने यह भी दावा किया कि श्रीलंका में वर्तमान संकट को पैदा किया गया है। भारत को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि यह भीड़ भारत में शरणार्थी न बन जाए। भारतीय सेना को भेजने की सलाह पर स्वामी के खिलाफ श्रीलंका के लोग सोशल मीडिया पर जमकर ट्रोल करने लगे। यही नहीं श्रीलंका में भारतीय दूतावास ने स्वामी के बयान से पल्ला झाड़ लिया है और कहा कि यह भारत सरकार की स्थिति के अनुरूप नहीं है।

भारत क्या श्रीलंका में भेजेगा सेना?

पहली बात तो श्रीलंका ने भारत से किसी भी तरह की सैन्य मदद नहीं मांगी है। न ही भारत एकतरफा फैसला लेते हुए श्रीलंका में सेना भेजेगा। भारतीय विदेश मंत्रालय ने भी उन सभी खबरों का खंडन कर दिया है। जिसमें ये कहा जा रहा था कि भारत अपनी सेना श्रीलंका में भेजेगा। भारत के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने साफ कहा है कि हम श्रीलंका के लोगों के साथ खड़े हैं। श्रीलंका के लोग लोकतांत्रिक साधनों और मूल्यों, स्थापित संस्थानों और संवैधानिक ढांचे के जरिये समृद्धि और प्रगति से जुड़ी अपनी आकांक्षाओं को साकार करना चाहते हैं। इसके अलावा भारत अपनी वैश्विक ताकत का इस्तेमाल करते हुए अंतरराष्ट्रीय स्तर

पर श्रीलंका को मदद दिलवा सकता है। भारत ने 80 के दौर में श्रीलंका में अपनी सेना भेजी थी। लेकिन उस वक्त श्रीलंका की सरकार और तमिल विद्रोही दोनों ने ये अपली की थी कि भारत अपनी शांति सेना भेजे।

भारत को शांति सेना भेजने का खामियाजा उठाना पड़ा था

भारत ने श्रीलंका में अपनी शांति सेना भेजी भी थी। हालांकि इसका खामियाजा भी भारत को उठाना पड़ा था। दरअसल श्रीलंका में सेना भेजने का उद्देश्य वहां की सरकार और लिट्टे के बीच की जंग में शांति लाना था। लेकिन लिट्टे चीफ प्रभाकरण ने अपने लड़ाकों को भारतीय सेना के खिलाफ ही उतार दिया था। श्रीलंका में करीब 32 महीने के गतिरोध के बाद भारतीय सेना को लौटना पड़ा था। इस दौरान श्रीलंका की सेना ने तमिल लोगों और लिट्टे के खिलाफ जमकर कार्रवाई की। बाद में लिट्टे समर्थकों ने श्रीलंका में शांति सेना भेजने के लिए आत्मघाती हमला कर राजीव गांधी की हत्या करवा दी थी।

सिंहली और श्रीलंकाई तमिलों के बीच का संघर्ष

श्रीलंका में वहां के मूल निवासियों सिंहली और श्रीलंकाई तमिलों के बीच शुरुआत से ही जातिय संघर्ष रहा है। सिंहलियों का कहना था कि तमिल लोग उनके संसाधनों पर कब्जा कर रहे हैं। अंग्रेजी राज खत्म होने के 8 साल बाद 1956 में वहां की सरकार ने %सिंहला ओनली एक्ट% लागू कर दिया। इस एक्ट के जरिए तमिल की जगह सिंहली भाषा को ऑफिशियल दर्जा मिल गया। इसके बाद तमिलों में असुरक्षा की भावना पैदा हो गई। 1972 में प्रभाकरन ने तमिल न्यू टाइगर्स की स्थापना की, जो अनेक संगठनों के उत्तराधिकारी के रूप में सामने आया। बाद में 1976 में प्रभाकरन ने लिट्टे की स्थापना की जो सशस्त्र संगठन था। जाफना के मेयर, अल्फ्रेड दुरैअप्पा की उस समय गोली मार कर हत्या कर दी गई जब वे पोंनालाई में एक हिंदू मंदिर में प्रवेश करने वाले थे।

श्रीलंका सरकार के साथ सैन्य संघर्ष

1983 में जाफना के बाहर श्रीलंकाई सेना के एक गश्ती दल पर घात लगाकर हमला किया जिसमें 13 सैनिकों की मौत हो गई। इस हमले के बाद श्रीलंका में भीषण नरसंहार हुआ जिसके परिणामस्वरूप हजारों तमिल नागरिकों की मौत हुई। यहीं से श्रीलंका में गृहयुद्ध की शुरुआत हो गई। लिट्टे, जिसे तमिल टाइगर्स के रूप में भी जाना जाता था उसने प्रभाकरन के नेतृत्व में उत्तरी श्रीलंका में बड़े हिस्से को नियंत्रित कर लिया। इतना ही नहीं पूर्वी श्रीलंका में प्रभाकरन सरकार के खिलाफ अपना स्वतंत्र राज्य चलाने लगे।

क्या है ऑपरेशन पुमालाई

लिट्टे का बढ़ता वर्चस्व देख 1987 में श्रीलंका की सेना ने उन्हें रोकने के लिए हवाई हमले शुरू कर दिए। इस हमले में तमिल आबादी वाले जाफना में कई निर्दोष नागरिक भी मारे गए। ऐसे में भारत सरकार ने श्रीलंका से तमिलों के खिलाफ हिंसा रोकने की अपील की। लेकिन श्रीलंका ने इसे कोई खास तव्ज्यों नहीं दी। जिसके बाद ऑपरेशन पुमालाई चलाया गया। ऑपरेशन पुमालाई को स्पेशल मिशन ईगल 4 के नाम से भी जाना जाता है। ये भारतीय वायुसेना की एक और गौरव गाथा है, जहां भारतीय डिफेंस फोर्स ने कमाल का काम किया था। हालांकि इसमें कोई युद्ध नहीं लड़ा गया था। ये उस दौर की बात है जब श्रीलंका में सिविल वॉर चल रहा था। वहां के नॉर्डन प्रोविनेंस की राजधानी जाफना पर लिट्टे ने कब्जा कर लिया था। श्रीलंका फोर्स ने ऑपरेशन चलाया और लिट्टे के साथ मुठभेड़ भी हुई। लेकिन इसमें आम नागरिक भी फंस गए थे।

उन्हें ही सहायता देने के लिए ऑपरेशन पुमालाई चलाया गया था। 4 जून 1987 को, राहत प्रदान करने के लिए एक बोली में भारतीय वायु सेना ने ऑपरेशन पुमालाई की शुरुआत की। इस ऑपरेशन से पहले भारतीय सेना ने अपना एक अनआर्मड शिप भी भेजने की कोशिश की थी। लेकिन बाद में उसे श्रीलंका की नौसेना ने बीच मार्ग में रोक कर वापस भेज दिया था। जिसके बाद एक ही चारा था कि अब वक्त आ गया है कि श्रीलंका को हम अपनी ताकत दिखाए। जिसके बाद ईगल मिशन 4 को तैयार करने अंजाम दिया गया। इस ऑपरेशन में मिराज 2000, एन 32, मैजिक 11 एएम का इस्तेमाल हुआ। 4 जून को विमान ने उड़ान भरी। इस मिशन में 35 नेशन और इंटरनेशनल जर्नलिस्ट भी साथ में गए थे। कोरमंडल के लिए फ्लाइट निकली और उन्हें और 5 मिराज ने ज्वाइन किया।

शाम के 4:50 में जाफना पहुंचकर के ऊपर 25 टन सामग्री की हवाई–आपूर्ति करन के लिये उड़ान भरी और वे पूरे समय श्रीलंकाई रडार कवरेज की सीमा के भीतर रहे। फिर 6:13 मिनट पर वो वापस आ गए थे।

शेरों के बहाने हंगामा, विपक्ष की दहशत का प्रतीक

प्रियंका ‘सौरभ’

अशोक स्तंभ संवैधानिक रूप से भारत सरकार ने 26 जनवरी 1950 को राष्ट्रीय प्रतीक के तौर पर अपनाया था. इसे शासन, संस्कृति और शांति का सबसे बड़ा प्रतीक माना गया है. लेकिन आपको जानकर आश्चर्य होगा कि इसको अपनाने के पीछे सैकड़ों वर्षो का लंबा इतिहास छुपा हुआ है और इसे समझने के लिए आपको 273 ईसा पूर्व के कालखंड में चलना होगा. जब भारत में मौर्य वंश के तीसरे शासक अशोक का शासन था. यह वह दौर था जब अशोक को एक क्रूर शासक माना जाता था.

लेकिन कलिंग युद्ध में हुए भयानक नरसंहार को देखकर सम्राट अशोक को बहुत धक्का लगा और वो राजपाट छोड़कर बौद्ध धर्म की शरण में चले गए. बौद्ध धर्म के प्रचार के लिए सम्राट अशोक ने देश भर में चारों दिशाओं में शेरों की आकृति के गर्जना करते हुए अशोक स्तंभ बनवाएं. शेरों को इसमें शामिल करने का पर्याय भगवान बुद्ध को सिंह का प्रतीक माना जाता है. बौद्ध के 100 नामों में तभी नरसिंह नाम का उल्लेख मिलता है. इसके अलावा सारनाथ में दिए गए भगवान बुद्ध के धम्म उपदेश को सिंह गर्जना भी कहते हैं इसीलिए बौद्ध धर्म के प्रचार के लिए शेरों की आकृति को महत्व दिया गया. यही कारण है कि सम्राट अशोक ने सारनाथ में ऐसा ही स्तम्भ बनवाया जिसे अशोक स्तंभ कहा जाता है और यही भारत की आजादी के बाद राष्ट्रीय प्रतीक के रूप में अपनाया गया.

अशोक स्तम्भ से जुड़ा एक विचित्र तथ्य यह भी है कि इसमें 4 शेरों को दर्शाने के बावजूद इसमें तीन शेर दिखाई देते हैं. गोलाकार आकृति के कारण किसी भी दिशा से देखने पर इसमें केवल तीन शेर ही दिखाई देते हैं. यही नहीं इसमें नीचे एक सांड और घोड़े की आकृति भी बनाई गई है.स्तंभ पर प्रदर्शित अन्य जानवर घोड़े, बैल, हाथी और शेर हैं. इस समय राष्ट्रीय प्रतीक को लेकर सत्तारूढ़ सरकार और विपक्ष के बीच जमकर हंगामा हो रहा है. विपक्ष सत्तारूढ़ सरकार पर आरोप लगा रहा है कि यह क्या कर दिया तुमने; हमारे राष्ट्रीय प्रतीक को लेकर ? यह कैसा नेशनल एंबलम लगा दिया ? सत्तारूढ़ सरकार ने हमारी नई संसद के ऊपर ?

हाल ही में अशोक स्तंभ जैसी प्रतिकृति हमारी नई संसद भवन की छत पर लगाई गई है. सरकार का कहना है कि संसद भारत की है तो उस पर भारत का प्रतीक चिन्ह लगेगा ही और यह वैसा ही प्रतीक चिन्ह है जो संविधान बनाते वक्त अपनाया गया था. वैसे ही चार शेर और जानवर इस प्रतीक चिन्ह में बनाए गए हैं. लेकिन विपक्ष का कहना है कि हमारे पुराने प्रतीक चिन्ह में जो शेर दिखाए गए हैं वह बहुत ही शांत है. और अब नए बनाए गए शेर काफी क्रोधित नजर आ रहे हैं और यह बीजेपी का चेहरा दिखा रहे हैं जो संविधान का उल्लंघन है.

विपक्ष ने 3 आरोप लगाए हैं; उसमें पहला है कि प्रतीक चिन्ह का उद्घाटन लोकसभा के अध्यक्ष या हमारे माननीय राष्ट्रपति के द्वारा होना चाहिए था. सत्तारूढ़ दल के प्रधानमंत्री द्वारा इसका उद्घाटन करना उनकी पब्लिसिटी को दर्शाता है. उनका दूसरा आरोप है कि इस नए राष्ट्रीय प्रतीक को स्थापित करने के लिए हिंदू रीति–रिवाजों के माध्यम से पूजा करवाई गई जो कि भारत के धर्मनिरपेक्षता सिद्धांतों के खिलाफ है. भारत एक धर्मनिरपेक्ष देश है और सरकार ने हिंदू रीति–रिवाजों के माध्यम से पूजा पाठ करवा कर संविधान के नियमों का उल्लंघन किया.

विपक्ष का तीसरा आरोप है कि दूसरी किसी भी पॉलीटिकल पार्टी के सदस्यों को इस कार्यक्रम में नहीं बुलाया गया. विपक्ष का यह भी आरोप है कि ये शेर वास्तव में भारत के प्रतीक चिन्ह को न दिखाकर बीजेपी के अग्रेशन को दिखा रहे हैं. उनका कहना है कि भारत के शांतिप्रिय शेर अब देश में घृणा फैलाने वाले लग रहे है. मूल कृति के चेहरे पर सौम्यता का भाव तथा अमृत काल में बनी मूल कृति की नक़ल के चेहरे पर इंसान, पुरखों और देश का सबकुछ निगल जाने की आदमखोर प्रवृति का भाव मौजूद है.

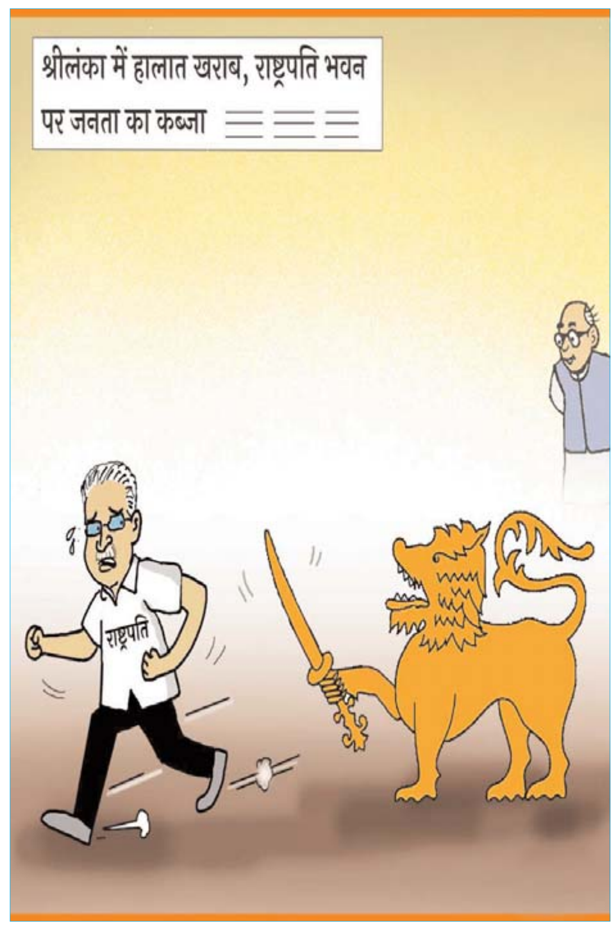

मानसून की बारिश से तबाही, प्राकृतिक आपदा या फ़िर सिस्टम की नाकामी?

मानसून की बारिश में जनता की परेशानी - क्या सिस्टम की नाकामी? - एड किशन भावनानी

गोंदिया – मानसून की बारिश में बीते कई वर्षोंसे हर वर्ष हम अपने शहर, जिले और राज्य सहित देश में भारी बारिश के चलते नदियों नालों का जलस्तर बढ़ने से तटीय इलाकों में तबाही और मंदिर, मकान, सार्वजनिक स्थलों के डूबने की जानकारी टीवीसमाचार चैनलों में देखते सुनते प्राप्त करते हैं जिसमें हम मान सकते हैं कि यह एक प्राकृतिक आपदा का रूप है हो सकता है।

परंतु अत्यंत सोचनीय बात यह है कि हर वर्ष कई मेट्रो सिटी में मानसून की बारिश से पानी रोड ऊपर भर जाता है ट्रैफिक बुरी तरह बाधित होता है, जनता को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है और कई मकान, दुकान, मंदिर सर्वजनिक स्थल और उसमें रखे सामान नष्ट हो जाते हैं!! जो स्वाभाविक रूप से हमें रेखांकित करने पर मजबूर होना पड़ता है कि यह मानसून की बारिश से तबाही है या फिर सिस्टम की नाकामी से ? गुनाहगार कौन है ? प्राकृतिक आपदा या सिस्टम ? क्योंकि हर वर्ष उन मेट्रो या सामान्य शहरों की एक जैसी तबाही मात्र प्राकृतिक आपदा का संयोग नहीं हो सकता हैं ? कुछ सिस्टम की नाकामी का परिणाम भी हो सकता है ? जिसपर आज हम इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे।

साथियों बात अगर हम मानसून की बारिश की करें तो हम टीवी चैनलों पर देखते हैं कि बड़ी–बड़ी मेट्रो सिटीयां, शहर जो नियोजित तरीके से अनुमति देकर बनाए बताए गए हैं, बसाए गए हैं, उनमें पानीका अभूतपूर्व भारी जमावड़ा और भारी माल, जन, हानि वह भी हर वर्ष होना मात्र प्राकृतिक या संयोग नहीं हो सकता क्योंकि यदि ऐसी घटनाएं जो 4–6 वर्षों में हो तो ठीक!! पर बीते कई वर्षों से हर वर्ष समस्या ज्यों की त्यों बनी हुई है यह स्वभाविक नहीं हो सकता!!क्योंकि हम अपनीअपनी सिटियों में जलभराव से नुकसान का विश्लेषण कर मूल्यांकन करें तो इसमें सिस्टम की खामियां हमें नजर आ जाएगी ? जबकि हमेशा हर वर्ष की तरह इस वर्ष की प्राकृतिक आपदा को दोषी ठहरा कर फाइल बंद कर दी जाती है। साथियों बात अगर हम मानसून की बारिश से तबाही की करें तो, भारत में मानसून के आते ही प्राकृतिक आपदाओं की बाढ़ आ जाती है। मानसून के साथ ही आई बाढ़ कई राज्यों की तबाही को कई गुना बढ़ा देती है। हर साल लाखों लोग बेघर हो जाते हैं, हजारों घर नष्ट हो जाते हैं, कई हजार हेक्टयर में फसल तबाह हो जाती है, काफी संख्या में लोग भी मारे जाते हैं, साथ ही आर्थिक नुकसान भी बेइंतहा होता है, इसीलिए हम देश में बाढ़ से आई आर्थिक तबाही और 6 दशक के सैलाब काल की व्याख्या कर रहे हैं,और ये समझने की कोशिश कर रहे हैं कि क्या बाढ़ एक प्राकृतिक आपदा है या फिर सिस्टम की नाकामी है ?

साथियों बात अगर हम दिनांक 13 जुलाई 2022 तक मानसून बारिश से प्रभावित 25 राज्यों की करें तो हम टीवी चैनलों पर देख रहे हैं कि जनता इतनी परेशानी में है तो क्या हालातके लिए स्थानीय प्रशासन जिम्मेदार है ? क्या इसके लिए पहले से तैयारी की जानी चाहिए थी ? या फिर बारिश कितनी होगी बता नहीं सकते इसमें किसी की गलती नहीं है ? इत्यादि प्रश्न आम जनता के मन में आ रहे हैं क्योंकि यह स्थिति करीब–करीब हर वर्ष की है तो इसे रेखांकित किया जाना चाहिए। साथियों बात अगर हम मानसून से बारिश की दिनांक 13 जुलाई तक स्थिति की करें तो टीवी चैनलों इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के अनुसार, देश के ज्यादातर राज्यों में मानसून सक्रिय हो गया है। देश में हिमाचल प्रदेश से लेकर केरल तक भारी बारिश हो रही है। वहीं गुजरात के 6 जिले बाढ़ की चपेट में हैं,जिसके कारण स्कूलकॉलेजों में छुट्टी कर दी गई है। मीडिया रिपोर्ट नवसारी और वलसाड सबसे ज्यादा प्रभावित बताए जा रहे हैं। इसके साथ ही गुजरात के 174 गावों में बिजली आपूर्ति ठप हो गई। मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र और राजस्थान में भी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है।

भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार, छोटा उदयपुर में पिछले 24 घंटों में 166 मिमी से अधिक बारिश हुई है। नर्मदा जिले के बाद यह दूसरी सबसे अधिक बारिश है, जिसमें सुबह 8 बजे से पिछले 24 घंटों में 168 मिमी बारिश हो चुकी है। इसके साथ ही मौसम विभाग ने कहा है कि हरियाणा, पंजाब, राजस्थान, मध्यप्रदेश सहित 25 राज्यों में भारी बारिश के आसार हैं।

आईएमडी ने उत्तरी केरल के जिलों में कन्नूर, वायनाड, कोझीकोड और कासरगोड में ऑरेंजे अलर्ट जारी किया है। इसके साथ ही हैदराबाद में आईएमडी ने मंगलवार के लिए रेड अलर्ट जारी किया था। पुलिस ने भारी बारिश की संभावना को देखते हुए लोगों से अपील की है कि बिना जरूरी वाली यात्रा न करे। वहीं मुंबई में आज और कल भारी बारिश की संभावना बताते हुए रेड अलर्ट जारी किया था।

क्या पहाड़ी और क्या मैदानी इलाके!! देश के कम से कम 25 राज्यों में इंद्रदेव झमाझम बरस रहे हैं। हिमाचल प्रदेश से लेकर, राजस्थान, मध्य प्रदेश और तेलंगाना, केरल तक भारी बारिश हो रही है। राजस्थान, महाराष्ट्र और मध्यप्रदेश में भी बारिश का हाई अलर्ट है। वहीं दिल्ली एनसीआर में भी सुबह से भारी बारिश शुरू हो गई है। मौसम विभाग ने कहा है कि मध्यप्रदेश, राजस्थान, पंजाब, हरियाणा, तेलंगाना समेत 25 राज्यों में भारी बारिश के आसार हैं।

अत: अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर उसका उसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि बारिश बाढ़ का कहर बरस रहा है!!मानसून की बारिश से तबाही प्राकृतिक आपदा है या सिस्टम की नाकामी है ? बारिश से जनता की परेशानी क्या सिस्टम की नाकामी हैं ?

हिमालय के दक्षिण

भारतमुकुट हिमालय शोभित करते
सूरज इंदू हैं।
हम हिमालय के दक्षिण हिंद के
वासी हिंदू हैं।।
हिमताज गिरिराज भाल पर चमक
रही हैं बिंदी
जय हिंद दिल दिल्ली से यह गूँज रही
है हिंदी
सरस्वती गंगा कालिंदी
त्रिवेणी संगम बिंदू हैं।।1

ब्रह्मपुत्र जलसूत्र चली उत्तर से उतर
प्राची
हिंद सिंध के बीच दरिया पार कर
कराची
नाभि मण्डल राँची साँची,
कटिबंध नर्मदा विन्ध्यू हैं।।2

गोदावरी कृष्णा कावेरी महानदी
अमृत छलकी हैं
चरण पखारे सागर तीरे अद्भुत
लगती झलकी हैं
दिव्य अटखेली जलकी हैं,
पद–स्पर्श करते सिंधू हैं।।।3

गऊ गायत्री गंगा गीता गुरुओं के
श्रद्धालुजन हमीं
जन्म महि माँ का महिमामय करते
श्रद्धापूजन हमीं
हैं श्रद्धासुमन हमीं,
चरणों में अर्पित अरविंदू हैं।।।।4

शार्ट न्यूज

बाइक टकराने से बौखलाए दारोगा, युवक को बुरी तरह से पीटा, फिर तान दी सर्विस रिवाल्वर

बलरामपुर। यूपी पुलिस का एक बार फिर खौफनाक चेहरा देखने को मिला है। पुलिस की इस हरकत का एक वीडियो पर तेजी से सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है। वीडियो में दारोगा एक युवक को बुरी तरह से पीट रहा है। इतना ही नहीं दारोगा का जब गुस्सा शांत नहीं हुआ तो उसने अपनी सर्विस रिवाल्वर निकाल ली और युवक पर मारने के इरादे से तान दी। युवक दारोगा से माफी मांगता रहा लेकिन दारोगा था कि उसे पीटने से बाज ही नहीं आ रहा था। इसका किसी ने वीडियो बनाकर वायरल कर दिया। दरअसल एक युवक की बाइक दरोगा की बाइक से भिड़ गई थी, जिसमें दारोगा हल्का-फुल्का घायल हो गया था। इसके बाद दरोगा तिलमिला गया था। आरोप है कि दारोगा ने युवक को पिटाई के बाद उससे पैसे की भी वसूली की है। वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस अधीक्षक ने दरोगा को सस्पेंड कर दिया है। मामला बलरामपुर जिले की कोतवाली नगर क्षेत्र के पीपल तिराहा पुलिस चौकी से चंद कदम की दूरी का है। ललिया थाने तैनात उप निरीक्षक अरुण गौतम बाइक से सोमवार दोपहर जिला मुख्यालय के पीपल तिराहे से गुजर रहे थे। तिराहे से पहले ही दारोगा की बाइक मोहित कुमार दीक्षित नाम के युवक से आमने सामने से भिड़ गई। घटना में दारोगा को चोटें भी आई। गुस्साए दारोगा ने युवक की बुरी तरह पिटाई कर दी। उसे दबोचकर फायर करने के लिए सर्विस रिवाल्वर भी तान दी।

4 साल की मासूम बच्ची के साथ 9वीं के छात्र ने किया रेप, घूमाने के बहाने की दरिंदगी

लखनऊ। लखनऊ के आलमबाग कोतवाली में 4 साल मासूम के साथ दुष्कर्म किए जाने का मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस ने दुष्कर्म करने के आरोप में नौवीं कक्षा के छात्र को पकड़ा है। जिसे जुवेनाइल एक्ट के तहत बाल सुधार गृह भेजा गया है। इंस्पेक्टर धनंजय सिंह के मुताबिक अमेठी निवासी 4 साल मासूम की बड़ी बहन बरहा में किराए के मकान में रहती है। उसी मकान में किराएदार भी हैं। आठ जुलाई को मासूम घर पर थी। उसी दौरान बिल्डिंग में रहने वाला 14 वर्षीय किशोर आ गया। जो मासूम को घुमाने के बहाने से अपने साथ ले गया। घर से निकल कर आरोपी बच्ची को बिल्डिंग की छत पर पहुंच गया। जहां उसने मासूम के साथ गलत काम किया। फिर धमकी देते हुए वहां से चला गया। घर पहुंच कर बच्ची ने बड़ी बहन को घटना की जानकारी दी। उसने आरोपी का नाम भी उसे बताया। लेकिन लोक लाज के डर से परिवार ने पुलिस में मुकदमा नहीं दर्ज कराया। इस बीच बच्ची के पिता घटना की जानकारी मिली गई। इंस्पेक्टर धनंजय सिंह के मुताबिक सोमवार को बच्ची को लेकर उसके पिता कोतवाली आए और घटना की जानकारी दी। बच्ची का मेडिकल चेकअप कराया गया है। वहीं, किशोर को बाल सुधार गृह भेजा गया है।

मुंबई से छपरा जा रही गोदान एक्सप्रेस ट्रेन में आग, अफरा-तफरी में कूदकर भागे लोग

जौनपुर। मुंबई से छपरा जा रही गोदान एक्सप्रेस ट्रेन में जौनपुर जिले के पास आग लग गई। आग लगने के बाद जनरल बोगी से धुआं निकलते देख यात्री सहम गए और अफरा तफरी मच गई। इस दौरान कई यात्री जान बचाने के लिए ट्रेन से कूद पड़े। बताया जा रहा है कि इस अफरा तफरी में राधेश्याम और उनका 6 साल का बेटा घायल हो गया। जानकारी के मुताबिक ये घटना बुधवार दोपहर 12 बजे बसरठी और भन्नौर रेलवे स्टेशन के बीच भगवानपुर गांव के पास हुई। जनरल बोगी से धुआं निकलता देख लोग दहशत में आ गए। शुरूआती जांच के बाद पता चला है कि बायरिंग जान होने की वजह से ट्रेन में आग लगी। तकनीकी टीम ने करीब दो घंटे तक जांच के बाद ट्रेन को रवाना किया। काफी देर तक यात्री स्टेशन पर दहशत में रहे। ऊपर से गर्मी की वजह से लोगों को भारी फजीहत का सामना करना पड़ा। ट्रेन चलने के बाद भी यात्री खौफ में दिखे। कई बार ट्रेन की गति कम होती देख यात्री दहशत में आ गए। जानकारी के मुताबिक किसी ने एसओ बरसठी को मोबाइल फोन पर गोदान एक्सप्रेस की बोगी में आग लगने की सूचना दी। इसके बाद मडियाहूं स्टेशन पर ट्रेन को जांच के लिए रोक दिया गया और फिर रेलवे की तकनीकी टीम ने पूरी बोगी की जांच की। करीब दो घंटे तक पूरी तरह जांच होने के बाद ट्रेन को आगे रवाना किया गया।

जनसंख्या नियंत्रण के मसले पर लोगों को उलझा रही है भाजपा : मायावती

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री एवं बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की अध्यक्ष मायावती ने जनसंख्या नियंत्रण के मुद्दे पर कहा है कि सरकार इस प्रकार के दीर्घकालीन विषय पर लोगों को उलझा रही है। मायावती ने जनसंख्या नियंत्रण के लिये कानून बनाने की सरकार की पहल पर सवाल खड़े करते हुए बुधवार को ट्वीट कर कहा, ऐसे समय में जब आसमान छूती महंगाई, अति गरीबी व बढ़ती बेरोजगारी आदि के अभिशाप से परिवारों का जीवन दुखी, त्रस्त व तनावपूर्ण है तथा वे स्वंय ही अपनी सभी जरूरतों को सीमित कर रहे हैं, तब जनसंख्या नियंत्रण जैसे दीर्घकालीन विषय पर लोगों को उलझाना भाजपा की कौन सी समझदारी है? मायावती ने कहा, जनसंख्या नियंत्रण दीर्घकालीन नीतिगत मुद्दा, जिसके प्रति कानून से कहीं ज्यादा जागरुकता की जरूरत, किन्तु भाजपा सरकारें देश की वास्तविक प्राथमिकता पर समुचित ध्यान देने के बजाय भटकाऊ व विवादित मुद्दे ही चुन रही हैं तो ऐसे में जनहित व देशहित का सही से कैसे भला संभव? जनता दुखी व बेचैन। गौरतलब है कि केन्द्र की मोदी सरकार ने जनसंख्या नियंत्रण के लिये कानूनी उपाय करने की पहल की है। इस विषय पर देशव्यापी चर्चा चल रही है।

भाजपा ने साधु-संतो का हमेशा किया सम्मान

देवरिया। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष और देवरिया के सांसद. डा.रमापति राम त्रिपाठी ने गुरुपूर्णिमा के अवसर पर महर्षि देवरहा बाबा के आश्रम मईल में कहा कि भाजपा ने हमेशा से साधु और संतों का सम्मान किया है। बरहज तहसील क्षेत्र के मईल में आज गुरूपूर्णिमा के अवसर पर सांसद त्रिपाठी ने देवरहा बाबा के आश्रम पर पहुंच कर संतों का सम्मान किया। उन्होंने कहा कि गुरूपूर्णिमा का पौराणिक महत्व है। हम सभी को अपने गुरूजनों के आदर्श से प्रेरणा लेकर, उनके बताये मार्गों पर चलना चाहिए। गुरु पूर्णिमा को किसान मोर्चा के पदाधिकारियों ने पूरे देवरिया जिले में गुरुद्वारों, मठ- मंदिरों में जाकर साधु- सन्त महात्माओं का पूजन कर उनको सम्मानित किया। इस अवसर पर शहर के नई कालोनी स्थित गुरुद्वारा में जिला पंचायत अध्यक्ष गिरीश तिवारी और किसान मोर्चा अध्यक्ष पवन कुमार मिश्र ने ग्रन्थि दामोदर सिंह को अंगवस्त्र, पुस्तक और तुलसी का पौधा देकर सम्मानित किया। जिला पंचायत अध्यक्ष तिवारी ने कहा कि संतो ने समाज को सदमार्ग पर चलने का रास्ता दिखाया।

बरेली में सिपाही ने लगाई फांसी

बरेली। उत्तर प्रदेश के बरेली में राज्य पुलिस बल के एक सिपाही ने मंगलवार को देर रात फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। घटना की जानकारी होने पर परिजनों ने पुलिस को सूचित किया। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है। अब तक आत्महत्या का कारण स्पष्ट नहीं हो पाया है। बरेली के एसएसपी सत्यार्थ अनिरुद्ध पंकज ने बताया कि सुभाष नगर में बदायूं रोड निवासी मृतक वीरेंद्र प्रताप सिंह 2015 बैच का सिपाही था। उसकी तैनाती मुरादाबाद में यातायात पुलिस में थी। उसे अपने पिता की जगह नौकरी मिली थी। वह पिछले काफी समय से बरेली में ही रह रहा था। परिजनों के मुताबिक काफी समय से पत्नी से विवाद चल रहा था। विवाद की वजह से डिप्रेशन में था। वह लगातार शराब का भी सेवन कर रहा था। देर रात सिपाही ने अपने कमरे में कमीज के सहारे फांसी लगा ली। सिपाही वीरेन्द्र प्रताप सिंह की 2017 में फरीदपुर की रुचि से शादी हुई थी।

पूर्व मंत्री और बसपा नेता हाजी याकूब कुरैशी पर चला 'योगी का डंडा'

100 करोड़ से ज्यादा की संपत्ति कुर्क

मेरठ। बसपा के कद्दावर नेता और पूर्व मंत्री हाजी याकूब कुरैशी की करीब 100 करोड़ से ज्यादा की प्रॉपर्टी को मेरठ पुलिस प्रशासन ने कुर्क कर लिया है।

हाजी याकूब कुरैशी और उनके दोनों बेटे खरखोदा में दर्ज मुकदमे में फिलहाल फरार चल रहे हैं। पुलिस के नोटिस और कोर्ट के आदेश के बावजूद तीनों में से कोई भी अभी तक कोर्ट के सामने पेश नहीं हुआ था। इसी के चलते यह कार्रवाई बुधवार दोपहर को मेरठ पुलिस प्रशासन की टीम ने की है।

खरखोदा के अलीपुर में याकूब के बेटे इमरान की मिट फैक्ट्री है। इसी फैक्ट्री पर 31 मार्च 2022 को मेरठ पुलिस प्रशासन की टीम में छापेमारी की थी। सूचना मिली थी कि फैक्ट्री में अवैध रूप से मीट पैकिंग की जा रही है। पुलिस प्रशासन ने मौके से भारी मात्रा में फंगस लगा हुआ मीट भी बरामद किया था, जिससे बाद फैक्ट्री को सील कर दिया गया था। इसी मामले में हाजी याकूब कुरेशी, उनके बेटे इमरान, फिरोज और पत्नी संजीदा बेगम समेत 17 लोगों पर खरखोदा थाने में मुकदमा दर्ज किया गया था। इसकी इसी मामले में हाजी याकूब कुरैशी और उनके दोनों बेटे फरार हैं। फिलहाल हाजी याकूब कुरैशी की पत्नी संजीदा बेगम इस मामले में जमानत पर बाहर है। बुधवार को पुलिस प्रशासन की टीम ने हाजी याकूब कुरैशी की कोठी और फैक्ट्री पर कुर्की की कार्रवाई शुरू की है। करीब 100 करोड़ से ज्यादा की प्रॉपर्टी को पुलिस ने कुर्क कर लिया है। इस दौरान भारी पुलिस फोर्स मौके पर मौजूद रहा।

गोंडा में डबल मर्डर : बीडीसी सदस्य के मां-बाप की पीट-पीट कर हत्या

एजेंसी

गोंडा। गोंडा के इटियाथोक के बेलभरिया गांव में डबल मर्डर हो गया। बीडीसी सदस्य के बुजुर्ग मां-बाप की अज्ञात बदमाशों ने ईंट और रॉड से हमला कर हत्या कर दी। बदमाश मौके से फरार हो गए। बुजुर्ग दंपति अपने पुराने घर से दो सौ मीटर दूर आबादी के एक मड़हे में रहते थे। मंगलवार रात रोजाना की तरह बुजुर्ग दंपति पुराने वाले घर से खाना पीना खाकर मड़हे में सोने के लिए आए। देर रात अज्ञात बदमाशो ने सो रहे बुजुर्ग दंपति को लोहे की रॉड और ईंट- पत्थर से कुचलकर हत्याकर फरार हो गए। बुधवार की सुबह मामले की जानकारी मड़हे के बगल रह रहे शेरे आलम की पत्नी ने पीड़ित परिवार को बताई। गांव में हुई डबल मर्डर की सनसनीखेज सूचना से गांव सहित आसपास में सन्नाटा छा गया। पीड़ित परिवार के नासिर रजा ने इसकी सूचना कोतवाली इटियाथोक को दी।

सूचना मिलते ही इटियाथोक, खरगूपुर और धानेपुर के साथ डाग स्क्वायड की टीम के साथ फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंची। सूचना मिलते ही अपर पुलिस अधीक्षक शिवराज, क्षेत्राधिकारी विनय कुमार सिंह ने घटनास्थल पर पहुंचकर पीड़ित परिवार से जानकारी हासिल की।

सरकारी कर्मचारी के जींस-टी-शर्ट पहनने पर बैन, पकड़े जाने पर लगेगा जुर्माना

भदोही। उत्तर प्रदेश के भदोही जिले में सरकारी दफ्तरों और स्कूलों में जींस-टी-शर्ट पहनकर आने वाले कर्मचारियों पर जुर्माना लगेगा। हर गुरुवार सरकारी कर्मचारियों और टीचरों के कपड़ों की जांच के लिए नोडल अधिकारी राउंड पर होंगे जो डीएम को रिपोर्ट देंगे। इस बाबत भदोही डीएम की तरफ से आदेश जारी किया गया है जिसके मुताबिक भदोही जिले के सरकारी स्कूलों और दफ्तरों में कोई जींस- टीशर्ट पहनकर नहीं आएगा। अगर कोई काम पर जींस-टी-शर्ट पहनकर आता है तो ये माना जाएगा कि वो अपनी ड्यूटी के प्रति संवेदनशील नहीं है।

आदेश के मुताबिक जो जितनी बार ड्रेस कोड का नियम तोड़ेगा उतनी बार उसपर जुर्माना लगाया जाएगा और ये सारी रिपोर्ट डीएम को सौंपी जाएगी। ड्यूटी पर कर्मचारी को सामान्य कपड़ों में आना होगा।

भदोही जिले की डीएम आर्यका अखोरी के मुताबिक कर्मचारियों के जींस-टी-शर्ट पहनकर काम पर आने से बच्चों पर असर पड़ता है साथ ही समाज में भी गलत संदेश जाता है। इसके अलावा आर्डर में ये भी कहा गया है कि दफ्तर देर से आने वालों और जल्दी चले जाने वालों पर भी कार्रवाई होगी।

गौरतलब है कि मंगलवार को सावन में कांवरियो को लेकर हुई बैठक में दो अधिकारियों को टाइट जींस में देख डीएम भड़क गई थी। उन्होंने कहा था कि अधिकारियों का ये हाल है तो कर्मचारी क्यों नहीं अपनी मनमानी करेंगे।

बीजेपी विधायक को महिलाओं ने कीचड़ से नहलाया

पूर्वांचल में बारिश के लिए हाहाकार; महराजगंज

महराजगंज। यूपी के महराजगंज में बारिश न होने से परेशान महिलाओं ने इंद्रदेव को प्रसन्न करने के लिए बीजेपी विधायक जय मंगल कन्नौजिया और नगर पालिका अध्यक्ष कृष्ण गोपाल जायसवाल को कीचड़ से नहला दिया। उन्होंने दोनों जनप्रतिनिधियों के पास जाकर बकायदा अनुरोध किया वे खुद को कीचड़ से नहलाने दें। इस अनुरोध को दोनों जनप्रतिनिधियों ने स्वीकार कर लिया। इसके बाद महिलाओं ने दोनों को कीचड़ से नहला दिया।

बता दें कि इस साल मानसून पूर्वी यूपी से रूठ गए हैं। बारिश के लिए हाहाकार मचा है।

लखनऊ, गोरखपुर, वाराणसी समेत पूर्वी उत्तर प्रदेश के तमाम जिलों में लोग गर्मी और उमस से बुरी तरह परेशान हैं। धान की करीब 30 फीसदी रोपाई सूख चुकी है। किसान आसमान की ओर उम्मीद भरी नजरों से देख रहे हैं तो शहरों में रहने वाले कामकाजी, नौकरीपेशा, दुकानदार, छात्र समेत सभी वर्गों और हर उम्र के लोग बारिश का इंतजार कर रहे हैं। ऐसे में गर्मी से बेहाल लोगों ने कहीं-कहीं टोटका भी शुरू कर दिया है। ऐसे ही महराजगंज में लोगों ने विधायक और नगर पालिका अध्यक्षको कीचड़ से नहलाने का टोटका किया।

कीचड़ डालने आईं महिलाओं ने बताया कि ऐसी मान्यता है कि इलाके के गणमान्य और प्रमुख लोगों को कीचड़ से नहलाने से इंद्रदेव प्रसन्न होते हैं। इससे खूब बारिश होती है। महिलाओं ने इंद्रदेव को प्रसन्न करने के लिए गीत भी गाए। उन्होंने कहा कि बारिश न होने से सब परेशान हैं। यदि अब भी बारिश नहीं हुई तो धान की फसल पूरी तरह चौपट हो जाएगी।

विधायक बोले-परम्परा है

इस बारे में विधायक जय मंगल कन्नौजिया ने मीडिया से कहा कि गर्मी से लोग परेशान हैं। कीचड़ से नहला देने से इंद्र देव की प्रसन्नता को लेकर पुरानी मान्यता और परम्परा है। इसी का पालन किया गया है। वहीं नगर पालिका अध्यक्ष कृष्ण गोपाल कन्नौजिया ने कहा कि बारिश फसलों को बचाने के लिए बहुत जरूरी है। बारिश को लेकर बहुत पहले से कीचड़ से नहलाने वाली मान्यता और परम्परा चली आ रही है।

वाराणसी में कमरे में मिली मां-बेटी की नग्न लाश, जांच में जुटी पुलिस और फोरेंसिक की टीम

वाराणसी। वाराणसी में लंका थाना क्षेत्र के नरिया इलाके में एक मकान के कमरे में 45 साल की महिला और उसकी 22 साल की बेटी की लाश मिली है। दोनों के शरीर पर कोई कपड़ा नहीं था। घटना की जानकारी तब हुई, जब बेटा चोलापुर स्थित पैतृक गांव से आया। उसकी सूचना पर पुलिस और फोरेंसिक की टीम पहुंची। कमरे में छानबीन की जा रही है। फिलहाल पुलिस या परिवार के लोग घटना को लेकर कुछ भी बताने की स्थित में नहीं हैं।

चोलापुर निवासी परिवार का बीएचयू से कुछ दूरी पर स्थित नरिया में भी मकान है।

कई दिन से बेटा अंजनी पांडेय चोलापुर स्थित घर गया हुआ था। नरिया वाले घर पर मां सुनीता पांडेय और 22 वर्षीय बहन उन्नति थी। दो-तीन दिन से मां व बहन से फोन पर भी बातचीत नहीं हो रही थी।

बुधवार दोपहर जब वह नरिया स्थित घर पहुंचा तो वहां का नजारा देखकर चौंक गया। कमरे में मां और बहन की लाश बरामदे में पड़ी थी। दोनों की लाश मुंह के बल जमीन पर थी। सुनीता के पति बालमुकुंद पांडेय की दो साल पहले मौत हो गई थी। दो बेटों में एक इलाहाबाद हाईकोर्ट में अधिवक्ता है। दूसरा बेटा अंजनी चोलापुर में फार्म हाउस खोलकर वहीं रहता है। अंजनी घर पहुंचा और दरवाजा नहीं खुलने पर पार्षद कमल पटेल और पुलिस को सूचना दी। इसके बाद वारदात का पता चला।

कोविड की निशुल्क बूस्टर डोज देने का फैसला स्वागतयोग्य : योगी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 18 साल से अधिक उम्र के लोगों को कोरोना की बूस्टर डोज निशुल्क देने के केन्द्र सरकार के फैसले को स्वागतयोग्य कदम बताते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का आभार व्यक्त किया है। योगी ने बुधवार को ट्वीट कर कहा, आजादी के अमृत काल में केंद्रीय कैबिनेट द्वारा 15-07-2022 से आगामी 75 दिनों तक 18 वर्ष से अधिक आयु के नागरिकों को कोविड-19 बूस्टर डोज नि:शुल्क देने का निर्णय अभिनंदनीय है। 'कोरोना मुक्त भारत' के निर्माण का मार्ग प्रशस्त करते इस लोक-कल्याणकारी निर्णय हेतु आभार प्रधानमंत्री जी।

भाजपा विधायक अरविंद गिरि समेत दो लोगों के खिलाफ जारी हुआ गैर जमानती वारंट

लखीमपुरखीरी। यूपी के लखीमपुर खीरी जिले के गोला विधानसभा क्षेत्र से भाजपा विधायक अरविंद गिरि के खिलाफ अदालत ने एक पुराने मामले में गैर जमानती वारंट जारी किया है। विधायक के अलावा एक अन्य खिलाफ भी गैर जमानती वारंट जारी किया गया है। कोर्ट ने एसपी से विधायक की गिरफ्तारी में देरी पर भी सवाल उठाए हैं। जानकारी के अनुसार वन विभाग द्वारा दर्ज कराए गए एक पुराने मुकदमे में कोर्ट ने वारंट जारी किया है। साथ ही कोर्ट ने 82 सीआरपीसी की कार्यवाही करते हुए वारंट का तामीला कराने के लिए एसपी को पत्र भी लिखा है। कोर्ट ने विधायक को 28 जुलाई तक अदालत में पेश होने का आदेश दिया है। एसीजेएम थर्ड मोना सिंह ने विधायक की गिरफ्तारी में देरी पर एसपी से जवाब तलब किया। एसीजेएम ने कहा, पुलिस विधायक को क्यों नहीं पकड़ रही है, क्या अभियुक्त का पुलिस साथ दे रही है। सहायक शासकीय अधिवक्ता कपिल कटियार ने बताया कि वर्ष 2006 में किशनपुर सेंचुरी के गेस्ट हाउस में घुस कर तोड़फोड़ करने समेत कई आरोपों में वन विभाग ने विधायक अरविंद गिरि समेत कई के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया था। यह मुकदमा अब एसीजेएम कोर्ट संख्या तीन में विचाराधीन है। सहायक शासकीय अधिवक्ता ने बताया कि विधायक अरविंद गिरि और अर्जुन मुकदमें में हाजिर नहीं आ रहे हैं। इसलिए कोर्ट ने दोनों के खिलाफ गैर जमानतीय वारंट जारी किया है। साथ ही सीआरपीसी की धारा 82 के तहत उद्घोषणा भी जारी की है। कोर्ट ने वारंट का तामिला कराने के पुलिस अधीक्षक को पत्र भी लिखा है।

पीडब्ल्यूडी के दो अभियंता करोड़ों का घपला करने के दोषी पाये गये

बस्ती। उत्तर प्रदेश के बस्ती जिले मे लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के दो अभियंताओं को सड़क निर्माण के काम में 43.95 करोड़ रुपये का कथित घपला करने के मामले में विभागीय जांच के दौरान दोषी पाया गया है। आधिकारिक सूत्रो ने बुधवार को इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि दोनों अभियंताओं को बर्खास्त करने की अनुशंसा शासन स्तर पर भेज दी गयी है। इस मामले में वर्ष 2017-18 और 2018-19 मे 300 से अधिक सड़कों के निर्माण के लिए सरकार द्वारा धन आवंटित किया गया था। आरोप है कि मौके पर काम ही नहीं किया गया या फिर धनराशि को निर्धारित कामों के अलावा कहीं और खर्च कर दिया गया। शिकायत मिलने के बाद उच्चस्तरीय जांच में लोक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियन्ता अरविन्द कुमार आर्य तथा सहायक अभियन्ता विनय कुमार राम को 43.95 करोड़ रूपये के सड़क घोटाले में इन्हें दोषी ठहराया है। सूत्रों ने बताया कि जांच दल ने अपनी रिपोर्ट और इनकी बर्खास्तगी की अनुशंसा शासन को भेज दी है। गौरतलब है कि इस मामले में निर्माण कार्यों की स्वीकृति बिना सक्षम अधिकारी की अनुमति लिये कर दी गयी।

कौशांबी : गंगा में दो भाई डूबे, एक की मौत

कौशांबी। उत्तर प्रदेश के कौशांबी जिले में कोखराज थाना क्षेत्र के शहजादपुर गंगा घाट पर बुधवार को स्नान करते समय दो व्यक्ति नदी में डूब गए, जिसमें एक की मृत्यु हो गई। पुलिस के अनुसार गोताखोरों के प्रयास से दूसरे व्यक्ति को बचा लिया गया। पुलिस ने बताया कि जिले के गुलामीपुर गांव के निवासी सुमित प्रजापति (10 वर्ष) अपने भाई अनिल प्रजापति (21 वर्ष) तथा गांव के ही अपने साथियों के साथ गंगा स्नान करने शहजादपुर गंगा घाट गए हुए थे। स्नान करते समय वे दोनों गहरे पानी में चले जाने से सुमित गंगा नदी में डूब गया। इस बीच अनिल को डूबते हुए देखकर वहां मौजूद गोताखोर तुरंत सक्रिय हो गए।

मुलायम के करीबी रहे आईएएस रामविलास यादव पर ईडी का शिकंजा, खंगाली जा रहीं अवैध संपत्तियां

लखनऊ। मुलायम सिंह यादव के करीबी रहे आईएएस रामविलास यादव की अवैध संपत्तियों पर प्रर्वतन निदेशालय की नजर है। साक्ष्य एकत्र किया जा रहा है। इनके खिलाफ ईडी मनी लांड्रिंग का मुकदमा दर्ज करेगा। गाजीपुर निवासी आईएएस की गाजीपुर और लखनऊ के अलावा कई जगहों पर करोड़ों की प्रॉपर्टी बताई जा रही है। जानकारी के मुताबिक, उत्तर प्रदेश से उत्तराखंड गए आईएएस रामविलास यादव के खिलाफ विजिलेंस को काफी शिकायतें मिली थी। जांच के दौरान विजिलेंस ने उन्हें पूछताछ के लिए नोटिस जारी किया, लेकिन वह नहीं आए। विजिलेंस ने उनसे दफ्तर में ही पूछताछ करने को कहा तो उन्होंने कोई जवाब नहीं दिया। उत्तरांखड की विजिलेंस टीम ने अप्रैल 2022 में रामविलास यादव के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने के आरोप में मुकदमा दर्ज किया था। आकलन था कि रामविलास यादव के पास उनके ज्ञात आय के स्रोतों से 547 फीसदी अधिक संपत्तियां है। मुकदमे के बाद विजिलेंस ने उनके लखनऊ, गाजीपुर और देहरादून स्थित आवासों पर छापे मारे। यहां से महत्वपूर्ण दस्तावेज हासिल किए गए। इसके बाद रामविलास को विजिलेंस ने 23 जून 2022 को गिरफ्तार कर लिया। मामला गाजीपुर से जुड़ा होने के कारण आईएएस अफसर प्रयागराज प्रर्वतन निदेशालय के रडार पर आ गए। इनके खिलाफ जांच तेज हो गई है। ईडी उत्तरांखड विजिलेंस से जानकारी एकत्र कर रहा है।

यूपी में 3500 में बिक रहा है आय प्रमाण पत्र

एजेंसी

लखनऊ। यूपी में आय प्रमाण पत्र 3500 रुपए में बिक रहा है। आय, जाति, निवास या ईडब्ल्यूएस हर तरह का प्रमाणपत्र बनवाने के नाम पर मनमानी हो रही है। तहसील पर सुनवाई नहीं हो रही। जनसुविधा केन्द्रों पर प्रमाणपत्रों के लिए मोटी कीमत वसूल की जा रही है। ईडब्ल्यूएस प्रमाणपत्र के लिए 2200 से 3500 रुपये मांगे जा रहे हैं। एक छात्र की शिकायत पर संवाददाता ने पड़ताल की तो आरोप सही निकले।

भूतनाथ मार्केट में एचएएल सब्जी मंडी स्थित जनसुविधा केन्द्र पर मौजूद व्यक्ति ने प्रमाणपत्र के लिए 3500 रुपये मांगे। कहा कि पहले आय प्रमाणपत्र बनेगा फिर हलफनामा लगाकर आर्थिक कमजोर बनेगा। सरोजनीनगर जनसुविधा केन्द्र पर पूछा गया तो 3500 रुपये में ही प्रमाणपत्र बनाने की बात कही गई, जबकि किसी भी प्रमाणपत्र के लिए जनसुविधा या कॉमन सर्विस सेंटर से 30 रुपये की ही अधिकृत रसीद मिलती है।

मायके की रिपोर्ट लगाओ

मोहनलालगंज की श्यामा रानी ने 15 जून को जाति प्रमाणपत्र के लिए आवेदन किया। तहसीलदार राजेश विश्वकर्मा के डिजिटल हस्ताक्षर से जारी अस्वीकृत पत्र में लिखा है कि 'मायके की रिपोर्ट लगाएं'। राकेश कुमार के निवास प्रमाणपत्र को यह कहते हुए अस्वीकृत कर दिया गया कि वह बाहर रहते हैं। जनसेवा-कॉमन सर्विस सेंटर से कुल 32 सेवाएं मिलती हैं। लखनऊ में 3384 केन्द्र है, जहां अधिकांश सेवाओं के लिए तीस रुपये शुल्क है।

ईडब्ल्यूएस ऑफलाइन बनता है। यदि कोई केन्द्र बना रहा है तो अधिकार क्षेत्र से बाहर ऐसा कर रहा है। मामले की जांच कर कार्रवाई होगी।

बिपिन मिश्रा, एडीएम एफआर

एक तहसील में 300 से अधिक लोग भटक रहे

सरोजनीनगर तहसील में 300 से आय, जाति, निवास प्रमाणपत्र लम्बित हैं। बड़ी संख्या में लेखपालों का तबादला होने की वजह से प्रमाणपत्र नहीं बन पा रहे। बंथरा, अमावां, उतरेटिया, बिजनौर, खुशालगंज में 29 जून से राजस्व निरीक्षक भी नहीं है। एक छात्रा ने बताया कि फार्म भरने के लिए उसे प्रमाणपत्र बनवाना था। फार्म जमा करने की आखिरी तिथि नजदीक आ गई तो उसने तहसील जा कर पूछा। तहसीलदार ने बताया कि लेखपाल के न होने से रिपोर्ट नहीं लग सकती।

मेडिकल कॉलेज में पेड़ के नीचे चल रही है ओपीडी, स्वास्थ्य सेवायें बेहाल

फ़िरोज़ाबाद। उत्तर प्रदेश के फिरोजाबाद स्थित मेडीकल कॉलेज में स्वास्थ्य सेवाओं की बदहाली का अंदाजा बिजली न आने के कारण पेड़ के नीचे ओपीडी चलने से लगाया जा सकता है।

दरअसल अस्पताल में क्षय रोग विभाग की ओपीडी में बिजली नहीं आने से मरीजों का इलाज बाहर पेड़ के नीचे करना पड़ रहा है। जिलाधिकारी ने मंगलवार को इस पर संज्ञान लेते हुए जांच के निर्देश दिए हैं।

फिरोजाबाद मेडिकल कॉलेज के क्षय रोग विभाग के डॉक्टरों ने पिछले दिनों बिजली ना आने की वजह से पेड़ के नीचे बैठकर मरीजों को देखा और उन्हें दवा लिखी। इस मामले में जिलाधिकारी से पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल को जांच का निर्देश दिया गया है। जांच रिपोर्ट के आधार पर ही कानून सम्मत कार्रवाई की जायेगी।

प्राप्त जानकारी के मुताबिक फिरोजाबाद मेडिकल कॉलेज के क्षय रोग विभाग में बिजली खराब होने पर सभी डॉक्टरों ने पेड़ के नीचे ओपीडी लगा दी और खुले में ही मरीजों को देख कर उन्हें दवाइयां भी लिखीं। जब विभाग के एचओडी डा सौरव यादव से इस संबंध में पूछा गया तो उन्होंने बताया कि विभाग में बिजली नहीं आ रही और इनवर्टर भी डिस्चार्ज है इसलिए बाहर बैठकर मरीजों को देखना पड़ा। इस संबंध में जिलाधिकारी रवि रंजन से बात की, तो उनका कहना था कि मामला अभी उनके संज्ञान में आया है। उन्होंने कहा, 'मैंने मेडिकल कॉलेज की प्रिंसिपल संगीता अनेजा को जांच के बाद सख्त कार्रवाई के आदेश दिए हैं।'

शार्ट न्यूज

फार्मा समूह पर छापा, 2.60 करोड़ रुपये की नकदी और आभूषण जब्त

नयी दिल्ली। आयकर विभाग ने बेंगलुरु स्थित एक फार्मा समूह के यहां छापामारी की है जिसमें 1.20 करोड़ रुपये नकद और 1.40 करोड़ रुपये के सोने एवं हीरे के आभूषण जब्त किये गये हैं। यह समूह अपने उत्पादों के प्रोत्साहन के लिए चिकित्सा पेशेवरो को करीब एक हजार करोड़ रुपये की मुफ्त में सेवायें भी देने का आरोपी पाया गया है। विभाग ने आज यहां जारी बयान में कहा कि गत छह जुलाई को समूह के नौ राज्यों में स्थित 36 परिसरों पर यह छापेमारी की गयी। समूह का कारोबार दुनिया भर के 50 देशों में फैला हआ है। यह समूह दवा बनाने के साथ ही एपीआई का भी विनिर्माता है। जांच के दौरान पता चला कि यह समूह चिकित्सा पेशेवरों पर करीब एक हजार करोड़ रुपये के गिफ्ट, यात्रा व्यय एवं अन्य तरह की मुफ्त में सेवायें देने को अपने बही खाता में दिखाया है जिसकी नियमतः अनुमति नहीं है। इस समूह अपने उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए चिकित्सा पेशेवरों को विभिन्न तरह के प्रोत्साहन एवं अन्य सेवायें आदि प्रदान करता है। इसके साथ ही समूह द्वारा विभिन्न प्रकार के कर की कटौती दिखा कर करीब 300 करोड़ रुपये के कर की चोरी करने का भी अनुमान है।

सोना 443 और चांदी 794 रुपये चमकी

मुंबई । अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कीमती धातुओं में आई तेजी का असर आज घरेलू सर्राफा बाजार भी दिखा, जहां सोना 443 रुपये प्रति दस ग्राम और चांदी 794 रुपये प्रति किलोग्राम चमक गई। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सोना हाजिर 0.61 प्रतिशत चढ़कर 1736.29 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गई। वहीं, अमेरिका सोना वायदा 0.39 प्रतिशत की गिरावट के साथ 1716.50 डॉलर प्रति औंस पर रहा। इस दौरान चांदी हाजिर 1.68 प्रतिशत की तेजी लेकर 19.21 डॉलर प्रति औंस बोली गई। घरेलू स्तर पर देश के सबसे बड़े वायदा बाजार एमसीएक्स में सोना 443 रुपये चमककर 50900 रुपये प्रति दस ग्राम पर और सोना मिनी 397 रुपये चढ़कर 50929 रुपये प्रति दस ग्राम पर रहा। इस बीच चांदी 794 रुपये महंगी होकर 57260 रुपये प्रति किलोग्राम पर और चांदी मिनी 724 रुपये की तेजी लेकर 57661 रुपये प्रति किलोग्राम बोली गयी।

जून में कारों की बिक्री 19 फीसदी बढ़ी

नयी दिल्ली। देश में चिप की उपलब्धता में सुधार होने से इस वर्ष जून में यात्री वाहनों की बिक्री में सुधार हुआ है और पिछले वर्ष इसी महीने की तुलना में 19 प्रतिशत अधिक 275788 वाहनों की बिक्री हुयी है। वाहन बनाने वाली कंपनियों के शीर्ष संगठन सोसायटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सियाम) द्वारा आज यहां जारी आंकड़ों के अनुसार जून 2021 में कुल मिलाकर 231633 वाहनों की बिक्री हुयी थी। इस महीने में कंपनियों ने कुल मिलाकर 132342 यात्री कारों की बिक्री जबकि पिछले वर्ष इसी महीने में यह संख्या 121378 रही थी। इसी तरह से कुल मिलाकर 133076 यूटिलिटी वाहनों की बिक्री हुयी जबकि जून 2021 में यह संख्या 100760 रही थी। वैन की बिक्री में बढोतरी दर्ज की गयी है और जून 2022 में 10370 वैन बिके जबकि पिछले वर्ष इसी महीने में 9495 वैन बिके थे। सियाम के अनुसार जून 2022 में देश में कुल मिलाकर 1308764 दोपहिया वाहनों की बिक्री जबकि जून 2021 में बिके 1060565 वाहनों की बिक्री हुयी थी। इसमें 849928 मोटरसाइकिल और 421362 स्कूटर के साथ ही 37474 मोपेड भी शामिल है। जून 2022 में कुल मिलाकर 26701 तिपहिया वाहनों की बिक्री हुयी है जबकि पिछले वर्ष इसी महीने में 9404 वाहनों की बिक्री हुयी थी।

52.04 करोड़ की जीएसटी चोरी के आरोप में एक गिरफ्तार

नयी दिल्ली। जीएसटी इंटेलिजेंस महानिदेशालय (डीजीजीआई) की गुरुग्राम जोनल यूनिट (जीजेडयू) ने जीएसटी कानून के प्रावधानों के तहत एक व्यक्ति को माल-रहित चालान के आधार पर इनपुट टैक्स क्रेडिट प्राप्त करने के आरोप में गिरफ्तार किया है। डीजीजीआई गुरुग्राम जोनल यूनिट के अधिकारियों ने एक खुफिया जानकारी के आधार पर यह गिरफ्तारी की है। एस-1 और एस-15, बुलंदशहर रोड, औद्योगिक क्षेत्र, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश स्थित एकेएस इलेक्ट्रिकल एंड इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड माल की बुनियादी आपूर्ति के बिना नकली/फर्जी आईटीसी का उपयोग करने और उसे जारी करने के काम में लगा हुआ था। उन्होंने अभिषेक इंडस्ट्रीज से एक विशेष वर्ष में बड़ी खरीदारी की थी, जिसके खिलाफ विभिन्न गैर-मौजूद संस्थाओं से अपात्र आईटीसी प्राप्त करने के संबंध में एक जांच पहले ही इस कार्यालय द्वारा की जा चुकी है।एकेएस इलेक्ट्रिकल एंड इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड, गाजियाबाद फर्मों सहित विभिन्न कंपनियों से प्राप्त माल-रहित चालानों के आधार पर अस्वीकार्य इनपुट टैक्स क्रेडिट का लाभ उठाने में शामिल पायी गयी। एकेएस इलेक्ट्रिकल एंड इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड द्वारा प्रथम दृष्टया उपयोग में लगाए गए ऐसे अस्वीकार्य आईटीसी 52 करोड़ रुपये से अधिक है। एकेएस इलेक्ट्रिकल एंड इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड के निदेशक को गिरफ्तार कर 14 दिनों की न्यायिक रिमांड दे दी गई है।

'विश्व पेट्रोलियम-बाजार में नरमी के बाद अप्रत्याशित लाभ-कर हटाने की सिफारिश'

नयी दिल्ली। ब्रोकरेज कंपनी सीएलएसए ने बुधवार को जारी एक रिपोर्ट में भारत में कहा है कि पेट्रोलियम ईंधन के निर्यात और घरेलू कच्चे तेल पर पिछले दिनों जिन हालात में अप्रत्याशित लाभ-कर लगाया गया था, वे परिस्थितियां अब पलट गयी हैं और अब इस कर की समीक्षा की जरूरत है।

सीएलएसए की रिपोर्ट विंडफाल टैक्सः ऐज़ दी डस्ट सेटिल्स (आंधी थमने के बाद अप्रत्याशित लाभ कर के निहितार्थ) में दर्शाया गया है कि हाल के सप्ताह में वैश्वक कच्चा तेल बाजार शांत हुआ है और इसका असर परिशोधित पेट्रोलियम उत्पादों के बाजार पर भी पड़ा है और भारत से पेट्रोलियम ईंधन का निर्यात करने वाली तेल शोधन कंपनियों के लाभ का अनुपात काफी कम हो गया है।

सीएलएसए की रिपोर्ट में तेल पर अप्रत्याशित लाभ कर जारी रखने के औचित्य पर सवाल खड़ा करते हुए कहा गया है कि कच्चे तेल की कीमतें जून में उच्चतम स्तर पर थीं लेकिन अब इनमें नरमी आने से पिछले दो सप्ताह में डीजल, पेट्रोल और विमान ईंधन तैयार करने वाली रिफाइनरियों के लाभ का मार्जिन भी काफी कम हो गया है।

रिपोर्ट में कहा गया है,''अप्रत्याशित लाभ कर को जारी रखने की जरूरत पर

अब सवाल खड़े हो रहे हैं।'' रिपोर्ट के अनुसार इन करों के बाद डीजल और पेट्रोल पर वास्तविक लाभ सीमित रह गया है और एटीएफ तथा कच्चे तेल पर वास्तविक लाभ डेढ़ दशक के औसत से नीचे आ गया है।

घरेलू कच्चे तेल पर अप्रत्याशित लाभ कर से जहां सरकारी क्षेत्र की कंपनी ओएनजीसी का मार्जिन बुरी तरह प्रभावित हुआ है वहीं निर्यात पर मोटा कर लगने से निजी क्षेत्र की तेल शोधक कंपनी रिलायंस का रिफाइनिंग मार्जिन प्रभावित हो रहा है।

विश्लेषण के अनुसार जून में डीजल और एटीएफ पर रिफायनिंग मार्जिन 55-60 डालर प्रति बैरल से घट कर पिछले दो सप्ताह में 25-30 डॉलर प्रति बैरल के आस पर रह गया है। इसी तरह पेट्राल पर मार्जिन 10-15 डॉलर प्रति बैरल के आस पार है जो पहले 30 से 35 डालर तक पहुंच गया था।

वैश्विक बाजा में ब्रेंट कच्चा तेल 20 डॉलर घटकर करीब 100 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया है।

रिपोर्ट के अनुसार यूक्रेन-रुस युद्ध से प्रभावित भू राजनैतिक हालात में पिछले महीने विश्व बाजार में कच्चे तेल की कीमतें रिकार्ड ऊंचाई थीं और ईंधन के निर्यात में रिफाइनरी इकाइयों को अप्रत्याशित लाभ मिल रहा था।

निर्यात में लाभ को देखते हुए घरेलू तेल शोधक कंपनियां स्थानीय पेट्रोल पंपों के लिए माल की पूरी आपूर्ति करने की जगह निर्यात को बरीयता देने लगी थीं। सीएलएसए की ताजा रिपोर्ट में कहा गया है कि वैश्विक तेल बाजार की दिशा बदलने से उनके लाभ का मार्जिन काफी सीमित हो गया है।

सरकार ने एक जुलाई को डीजल, पेट्रोल और एटीएफ पर क्रमशः 26 डालर , 12 डालर और 12 डालर की दर से निर्यात कर लगा दिया था ताकि ईंधन की घरेलू आपूर्ति को प्रोत्साहित किया जा सके।

क्लीनिंग टेक्नॉलॉजी एवं हाईज़ीन समाधानों पर क्लीन इंडिया शो शुरू

ग्रेटर नोएडा। क्लीनिंग टेक्नॉलॉजी पर एशिया के सबसे बड़े इंटीग्रेटेड एक्स्पोज़िशन क्लीन इंडिया शो के 18 वें संस्करण, वेस्ट टेक्नॉलॉजी इंडिया एक्सपो, लॉड्रेक्स इंडिया एक्सपो और ऑटो केयर एक्सपो आज ग्रेटर नोएडा के इंडिया एक्सपोज़िशन मार्ट में शुरू हो गया।

क्लीन इंडिया टेक्नॉलॉजी वीक उत्पादों, सिस्टम्स, समाधानों व सेवाओं को एक जगह लेकर आ रहा है, ताकि भारत में साफ-सफाई, कचरा प्रबंधन और कपड़ों की देखभाल से संबंधित सभी जरूरतें पूरी हो सकें। इसका उद्घाटन करते हुये गाजियाबाद के निगम आयुक्त महेंद्र सिंह तंवर ने कहा, ''परिवारों में केवल 20 प्रतिशत निगम जल का ही इस्तेमाल हो पाता है। शेष 80 प्रतिशत जल बेकार बह जाता है। भविष्य में शहरों को ऐसे तरीके तलाशने होंगे ताकि इस बहुमूल्य संसाधन को एकत्रित कर ट्रीट किया जा सके और इसका दोबारा इस्तेमाल हो सके। बर्बाद होने वाले संसाधन का प्रबंधन करने के लिए नगर निगम को विशेषज्ञता की जरूरत है। इसके लिए हम खुद निवेश करने की बजाय एक अनुभवी वेंडर के साथ ओपेक्स मॉडल को प्राथमिकता देंगे। आज उद्योग बेहतरीन समाधान लेकर आया है और क्लीन इंडिया शो एवं वेस्ट टेक्नॉलॉजी इंडिया एक्स्पो में इनके बारे में जानकर बहुत अच्छा लगा।''

क्लीन इंडिया शो में अगली पीढ़ी के साफ-सफाई एवं स्वच्छता उत्पादों का प्रदर्शन एक ही छत के नीचे हो रहा है। भविष्य की रोबोटिक मशीनों से लेकर एंजाईम आधारित ईको-फ्रेंडली क्लीनिंग कैमिकल्स, साफ-सफाई करने वाले उपकरण के महत्वपूर्ण पुर्जे और उद्यमियों को मेक इन इंडिया में मदद करने वाले उत्पादन के उपकरण, सतहों को साफ करना आसान बनाने वाली विशेष कोटिंग और साफ-सफाई के भरोसेमंद उपकरणों के नए व बेहतर मॉडल्स तक, आगंतुकों को साफ-सफाई करने वाले समाधानों की अतुलनीय श्रृंखला खोज व उनका इस्तेमाल करके देख सकते हैं।

दिल्ली हाईकोर्ट ने वीवो को अपने बैंक खाते कुछ शर्तों के साथ संचालित करने की दी अनुमति

नई दिल्ली ।

दिल्ली उच्च न्यायालय ने बुधवार को चीनी स्मार्टफोन निर्माता वीवो को 950 करोड़ रुपये की बैंक गारंटी प्रस्तुत करने और अपने खातों में 250 करोड़ रुपये बनाए रखने की शर्त पर अपने बैंक खातों को संचालित करने की अनुमति दी. न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा की पीठ ने अपने जमे हुए बैंक खातों को संचालित करने की अनुमति देने वाली वीवो की याचिका पर सुनवाई करते हुए कंपनी से सात कार्य दिवसों के भीतर निर्देशों का पालन करने को कहा.अदालत ने चीनी फर्म को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को अपनी बैंक गतिविधियों और प्रेषण के बारे में विवरण प्रस्तुत करने का भी निर्देश दिया और मामले को आगे की सुनवाई के लिए 28 जुलाई को पोस्ट किया. पिछली सुनवाई में वीवो के वकील सिद्धार्थ लूथरा और सिद्धार्थ अग्रवाल ने कहा था कि नौ बैंक खाते फ्रीज कर दिए गए हैं, जिनमें करीब 250 करोड़ रुपये हैं. पिछले हफ्ते ईडी ने स्मार्टफोन निर्माता वीवो समेत चीनी कंपनियों के 22 राज्यों के 44 ठिकानों

पर छापेमारी की थी. जांच एजेंसी ने तर्क दिया कि वीवो ने अपनी कुल बिक्री का 50 फीसदी यानी 62,476 करोड़ रुपये चीन को भेजे. ईडी ने आरोप लगाया कि उसने पिछले दो वर्षों में लगभग 1.20 लाख करोड़ रुपये कमाए, लेकिन करों का भुगतान करने से बचने के लिए इसमें से लगभग आधे का भुगतान किया. ईडी ने कहा कि इससे भारतीय निगमित कंपनियों को भारी नुकसान हुआ है. छापेमारी के बाद वीवो ने हाई कोर्ट का रुख किया था. अपनी याचिका में, वीवो ने कहा कि उसके खिलाफ आदेश धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) की धारा 17 के जनादेश के विपरीत हैं, चूंकि इसमें फ्रीजिंग का कोई कारण नहीं होता है, बैंक खाते को फ्रीज क्यों किया जाना चाहिए, इस पर 'विश्वास करने के कारण' की बात तो छोड़ ही दें. याचिका में कहा गया है कि यह बिना सोचे-समझे यांत्रिक रूप से पारित एक सामान्य आदेश है. इसने आगे कहा कि जमे हुए खातों का उपयोग वेतन और वैधानिक बकाया के भुगतान, याचिकाकर्ता के संचालन के लिए क्रेडिट पत्र खोलने और याचिकाकर्ता के दिन-प्रतिदिन के कामकाज के लिए आवश्यक सभी प्रकार के खचरें के लिए किया जाता है. लगभग 2,826 करोड़ रुपये का मासिक भुगतान वैधानिक बकाया, वेतन, किराया, दैनिक व्यवसाय संचालन के लिए धन आदि के लिए किया जाना है. बैंक खातों को फ्रीज करने के कारण, याचिकाकर्ता अपने उपरोक्त दायित्वों को पूरा करने में असमर्थ होगा.

सोने वायदा कीमत बढ़ी, चांदी में नरमी

नई दिल्ली ।

वैश्विक बाजार में कीमती धातुओं में नरमी की वजह से सोने एवं चांदी की वायदा कीमतों में बुधवार को मिलाजुला रुख देखने को मिला। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर अगस्त, 2022 में डिलीवरी वाले सोने के भाव में 65 रुपये की तेजी के साथ 50,522 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार हो रहा था। इससे पिछले सत्र में अगस्त कॉन्ट्रैक्ट वाले सोने का दाम 50,457 रुपये प्रति 10 ग्राम पर रहा था। वहीं अक्टूबर 2022 में डिलीवरी वाले सोने में 88 रुपये की तेजी के साथ 50,840 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार हो रहा था। इससे पिछले सत्र में अक्टूबर कॉन्ट्रैक्ट वाले सोने का भाव 50,752 रुपये प्रति 10 ग्राम पर रहा था। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर 09:56 बजे सितंबर, 2022 में डिलीवरी वाली चांदी में 21 रुपये की गिरावट के साथ 56,445 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार हो रहा था। इससे पिछले सत्र में सितंबर में डिलीवरी वाली चांदी की कीमत 56,466 रुपये प्रति किलोग्राम पर रही थी। दिसंबर 2022 कॉन्ट्रैक्ट वाली चांदी में 50 रुपये यानी 0.09 फीसदी की टूट के साथ 57,340 रुपये प्रति किलोग्राम पर कारोबार हो रही था। इससे पिछले सत्र में चांदी की कीमत 57,390 रुपये प्रति किलोग्राम पर रही थी। वैश्विक बाजार में सोने में 1.10 डॉलर की गिरावट के साथ 1,723.70 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार हो रहा था। वहीं हाजिर बाजार में सोने में 0.16 डॉलर की गिरावट के साथ 1,725.84 डॉलर के स्तर पर कारोबार हो रहा था। कॉमेक्स पर चांदी में सितंबर, 2022 में 0.08 डॉलर की गिरावट के साथ 18.88 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार हो रही थी। वहीं स्पॉट मार्केट में चांदी 0.01 डॉलर की तेजी के साथ 18.95 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रही थी।

कच्चे तेल की कीमत 100 डॉलर से नीचे

नई दिल्ली ।

वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमत में पिछले 24 घंटे के दौरान बड़ी गिरावट आई है। ब्रेंट क्रूड का भाव तीन महीने में दूसरी बार 100 डॉलर से नीचे आ गया है, जबकि डब्ल्यूटीआई अब 95 डॉलर के आसपास है। कच्चे तेल में जारी गिरावट के बीच बुधवार सुबह सरकारी तेल कंपनियों की ओर से जारी पेट्रोल-डीजल की कीमत में कोई बदलाव नहीं किया गया है। दिल्ली में पेट्रोल अब भी 96.72 रुपये लीटर मिल रहा है। कंपनियों ने 6 अप्रैल के बाद से इसकी कीमतों में कोई बढ़ोतरी नहीं की है, जबकि क्रूड के भाव एक समय 140 डॉलर प्रति बैरल तक चले गए थे। ग्लोबल मार्केट में ब्रेंट क्रूड का भाव मंगलवार सुबह 105.9 डॉलर था, जो बुधवार 99.7 डॉलर प्रति बैरल हो गया है। डब्ल्यूटीआई का भाव 95.5 डॉलर प्रति बैरल है। दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपये और डीजल 89.62 रुपये प्रति लीटर, मुंबई पेट्रोल 109.27 रुपये और डीजल 95.84 रुपये प्रति लीटर, चेन्नई पेट्रोल 102.63 रुपये और डीजल 94.24 रुपये प्रति लीटर, कोलकाता पेट्रोल 106.03 रुपये और डीजल 92.76 रुपये प्रति लीटर, नोएडा में पेट्रोल 96.79 रुपये और डीजल 89.96 रुपये प्रति लीटर हो गया है, लखनऊ में पेट्रोल 96.57 रुपये और डीजल 89.76 रुपये प्रति लीटर हो गया है, पटना में पेट्रोल 107.24 रुपये और डीजल 94.04 रुपये प्रति लीटर हो गया है। पोर्टब्लेयर में पेट्रोल 84.10 रुपये और डीजल 79.74 रुपये प्रति लीटर हो गया है।

ऑडी ने ए8 एल का नया संस्करण पेश किया

उदयपुर ।

लग्जरी कार विनिर्माता कंपनी ऑडी ने भारत में अपनी उत्पाद श्रृंखला का विस्तार करते हुए ए8 एल मॉडल का नया संस्करण बाजार में उतारा है जिसकी कीमत 1.29 करोड़ रुपये रखी गई है। जर्मनी की कंपनी ने मॉडल की चौथी पीढ़ी के दो संस्करण उतारे हैं जो हैं सेलिब्रेशन एडिशन और टेक्नोलॉजी, इनकी कीमत क्रमशः 1.29 करोड़ रुपये और 1.57 करोड़ रुपये रखी गई है। ऑडी इंडिया के प्रमुख बलबीर सिंह ढिल्लन ने कहा कि कंपनी इन कारों के जरिए पसंद के अनुरूप सुविधा देने पर ध्यान दे रहे हैं जिससे कि ग्राहक के लिए हर एक इकाई अलग और अनोखी हो। इस मॉडल में तीन लीटर का पेट्रोल इंजन है और यह महज 5.7 सेकेंड में शून्य से 100 किमी की रफ्तार पकड़ सकती है।

देश के औद्योगिक उत्पादन में 19.6 फीसदी की वृद्धि दर्ज

- पिछले वर्ष के समान समय के मुकाबले में करीब 8 फीसदी कम

नई दिल्ली।

नेशनल स्टैटिस्टिकल ऑफिस (एनएसओ) ने औद्योगिक उत्पादन के ताजा आंकड़े जारी किए हैं। ये भारतीय अर्थव्यवस्था में अच्छी रिकवरी के संकेत दे रहे हैं। एनएसओ की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार मई 2022 में देश का औद्योगिक उत्पादन इंडेक्स (इंडेक्स ऑफ इंडस्ट्रियल प्रोडक्शन) कुल मिलाकर 19.6 फीसदी की रफ्तार से बढ़ा है। ग्रोथ की कीमत में आए इस सुधार के लिए मुख्य तौर पर मैन्युफैक्चरिंग, पावर और माइनिंग सेक्टर्स का अच्छा प्रदर्शन जिम्मेदार है। यह एक साल में आईआईपी की सर्वाधिक वृद्धि है। एनएसओ ने ये आंकड़े 12 जुलाई को जारी किए हैं। हालांकि, ये पिछले वर्ष के समान समय के मुकाबले करीब 8 फीसदी कम है। मई 2021 में इंडस्ट्रियल प्रोडक्शन 27.6 फीसदी था। हालांकि तब भी और इस बार भी लो बेस को इसका प्रमुख जिम्मेदार माना जा रहा था। ताजा आंकड़ों के मुताबिक मई 2022 में देश के मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर की ग्रोथ रेट 20.6 फीसदी रही है। इसी दौरान माइनिंग सेक्टर का आउटपुट 10.9 फीसदी की रफ्तार से बढ़ा। वहीं पावर जेनरेशन में 23.5 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। इससे पहले अप्रैल 2022 में माइनिंग का उत्पादन 7.8 प्रतिशत और बिजली उत्पादन 11.8 प्रतिशत बढ़ा था। उपयोग के आधार पर देखें तो प्राइमरी गुड्स में 17.7 फीसदी, कैपिटल गुड्स में 54 फीसदी, इंटरमीडिएड गुड्स में 17.9 फीसदी, इंफ्रा गुड्स में 18.2 फीसदी, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स में 58.5 फीसदी की ग्रोथ देखने को मिली है।

एमओएफएसएल ग्रुप के एक अर्थशास्त्री ने कहा है कि यह आईआईपी में ग्रोथ अनुमानों के अनुरूप नहीं है। इससे अधिक वृद्धि का अनुमान लगाया जा रहा था इसलिए आंकड़ों को देखकर कोई हैरानी नहीं हुई है। यह आंकड़े लो बेस के कारण आए हैं। कुल मिलाकर इन आकंड़ों पर मौद्रिक नीति का कोई प्रभाव देखने को नहीं मिला है। महंगाई के मोर्चे पर जून में आम आदमी को थोड़ी राहत मिली है। सरकार ने कंज्यूमर प्राइस इंडेक्स (सीपीआई) आधारित रिटेल महंगाई दर के आंकड़े जारी किए। आंकड़ों के अनुसार जून में खुदरा महंगाई दर 7.01 फीसदी रही।

डीजीसीए को इंडिगो, गोफर्स्ट और कर्मचारियों के बीच विवाद जल्द सुलझने की उम्मीद

नयी दिल्ली,

डीजीसीए ने विमानन कंपनी इंडिगो और गोफर्स्ट के विमान रखरखाव से जुड़े कर्मचारियों के बीच कम वेतन को लेकर जारी विवाद के जल्द सुलझने की उम्मीद जताई है। नागर विमानन निदेशालय (डीजीसीए) ने बुधवार को कहा कि दोनों विमानन कंपनी के कई तकनीकी कर्मचारी अभी भी स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए छुट्टी पर गए हुए हैं। हालांकि, इस दौरान दोनों कंपनियों का संचालन सामान्य बना हुआ है।

डीजीसीए ने एक बयान में कहा, ''हम स्थिति पर नजर रखे हुए हैं। अभी तक संचालन सामान्य है। उम्मीद है, इसे जल्द ही सुलझा लिया जाएगा।''

सूत्रों के अनुसार इंडिगो ने इस तरह से छुट्टी लेने वाले कर्मचारियों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई शुरू कर दी है।

सूत्रों ने बताया कि गो फर्स्ट के कुछ तकनीकी कर्मचारी जो पिछले तीन दिनों के दौरान बीमारी के लिए छुट्टी पर गए थे, उन्होंने एयरलाइन के प्रबंधन को ई-मेल भेजकर अपना वेतन बढ़ाने के लिए कहा है। इससे पहले दो जुलाई को इंडिगो की करीब 55 प्रतिशत घरेलू उड़ानें देरी से उड़ी थी। बड़ी संख्या में कंपनी के चालक दल के सदस्यों ने स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए अवकाश लिया था। गौरतलब है कि कई घरेलू विमानन कंपनियों ने कोविड-19 महामारी के अपने चरम पर होने के दौरान कर्मचारियों के एक बड़े वर्ग के वेतन में कटौती की थी।

रुपए में विदेशी व्यापार की मंजूरी से मुद्रा पर दबाव घटेगाः विशेषज्ञ

मुंबई ।

रुपए में अंतरराष्ट्रीय व्यापार लेनदेन की अनुमति देने से व्यापार सौदों के निपटान के लिए विदेशी मुद्रा की मांग घटने के साथ घरेलू मुद्रा की गिरावट रोकने में भी मदद मिलेगी। विशेषज्ञों ने यह बात कही। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने पिछले सोमवार को बैंकों से कहा कि भारतीय रुपए में बिल बनाने, भुगतान और आयात-निर्यात सौदों को संपन्न करने के अतिरिक्त इंतजाम रखें। भारत से निर्यात बढ़ाने और रुपये में वैश्विक कारोबारी समुदाय की बढ़ती रुचि को देखते हुए यह कदम उठाया गया है।बैंक ऑफ बड़ौदा के मुख्य अर्थशास्त्री मदन सबनवीस ने कहा कि इस व्यवस्था से रुपये पर दबाव कम होगा क्योंकि आयात के लिए डॉलर की मांग नहीं रह जाएगी। बैंक ऑफ अमेरिका मेरिल लिंच ने एक रिपोर्ट में कहा कि इस कदम से डॉलर की मांग पर दबाव तात्कालिक रूप से कम हो जाना चाहिए।

बार्कलेज के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य अर्थशास्त्री (भारत) राहुल बजोरिया ने कहा कि रुपये की

मौजूदा कमजोरी के बीच यह कदम संभवतः व्यापार सौदों के रुपये में निपटान को बढ़ावा देकर विदेशी मुद्रा की मांग घटाने के लिए उठाया गया है।

आरबीआई ने कहा है कि व्यापार सौदों के निपटान के लिए संबंधित बैंकों को साझेदार देश के एजेंट बैंक का विशेष रुपया वोस्ट्रो खातों की जरूरत होगी।

शार्ट न्यूज

विम्लबडन 2023 में भी लग सकता है रूसी खिलाड़ियों पर प्रतिबंध

मॉस्को। विम्बलडन अधिकारी यूक्रेन में रूस के सैन्य अभियान के समाप्त न होने की स्थिति में रूसी खिलाड़ियों को 2023 चैंपियनशिप से प्रतिबंधित करने पर विचार कर रहे हैं। ब्रिटेन के मीडिया ने बुधवार को यह जानकारी दी। डेली मेल नामक अखबार ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति की रूसी एथलीटों को 2024 क्वालीफायर से प्रतिबंधित करने की योजना ने ऑल इंग्लैंड क्लब और लॉन टेनिस एसोसिएशन के इरादों को और मज़बूत किया है। ऑल इंग्लैंड क्लब और लॉन टेनिस एसोसिएशन ने विम्बलडन 2022 में भी रूसी और बेलारूसी खिलाड़ियों पर प्रतिबंध लगाया था, जिसके कारण पुरुषों के टेनिस संगठन एटीपी और महिलाओं के डब्ल्यूटीपी ने इस साल के आयोजन से विश्व रैंकिंग पॉइंट हटा लिये थे। डब्ल्यूटीए ने दोनों आयोजकों पर संयुक्त 10 लाख डॉलर का जुर्माना भी लगाया था। अगले साल होने वाले टूर्नामेंट में प्रतिबंध पर फैसला मार्च से पहले नहीं आयेगा।

निशानेबाजी विश्व कप में ट्रैप टीम ने जीता रजत

चांगवोन (दक्षिण कोरिया)। पृथ्वीराज तोंडईमन, विवान कपूर और भौनीश मेंदीरत्ता की भारतीय पुरुष ट्रैप टीम ने बुधवार को यहां आईएसएसएफ निशानेबाजी विश्व कप में रजत पदक जीता। भारतीय टीम को स्लोवाकिया से स्वर्ण पदक मैच में 2-6 से हारने के बाद रजत पदक से संतोष करना पड़ा। भारतीय तिकड़ी ने 72-शॉट क्वालिफिकेशन राउंड में 213 अंकों के साथ शीर्ष स्कोर किया, जो दूसरे स्थान पर मौजूद स्लोवाकिया से सिर्फ एक आगे था। दूसरी ओर, भारतीय पुरुष और महिला राइफल टीम ने मेजबान कोरिया के साथ स्वर्ण पदक की भिड़ंत में जगह बनाकर पदक सुनिश्चित किया। पुरुष और महिला दोनों टीमों ने क्रमश: 629.7 और 631.5 के साथ क्वालीफिकेशन में शीर्ष स्थान हासिल किया। ट्रैप पुरुष टीम के रजत जीतने के बाद,भारत चार पदक (2 स्वर्ण, एक रजत और कांस्य) के साथ पदक तालिका में चीन के साथ बराबरी पर है। सर्बिया वर्तमान में 3 स्वर्ण पदक के साथ शीर्ष पर है।

सिंधु, प्रणय दूसरे दौर में, श्रीकांत बाहर

कलांग। भारत की शीर्ष शटलर पीवी सिंधु और एचएस प्रणय ने बुधवार को यहां पहले राउंड में जीत हासिल कर सिंगापुर ओपन के दूसरे राउंड में जगह बनायी। सिंधु ने बेल्जियम की लियान टैन को 29 मिनट में 21-15, 21-11 से हराया जबकि प्रणय ने थाईलैंड के सिथिकोम थम्मासिन को 21-13, 21-16 से सीधे गेमों में मात दी। विश्व चैंपियनशिप के रजत पदक विजेता किदांबी श्रीकांत को हालांकि शुरुआती दौर में हमवतन मिथुन मंजुनाथ से 17-21, 21-15, 18-21 से करारी हार का सामना करना पड़ा। दूसरी ओर, विश्व में 66वें स्थान की खिलाड़ी अश्मिता चालिहा ने 12वें नंबर की शटलर बुसानन ओंगबामरुंगफान पर 21-16, 21-11 से दमदार जीत दर्ज की। यह मिथुन और चालिहा के करियर की पहली टॉप-15 जीत थी। लंदन ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता सायना नेहवाल ने भी हमवतन मालविका बंसोड़ के खिलाफ 21-18, 21-14 से जीत के साथ अपने अभियान की शुरुआत की। उल्लेखनीय है कि 20 वर्षीय बंसोड़ ने इस साल जनवरी में इंडिया ओपन के दूसरे दौर में अपनी आदर्श नेहवाल को हराया था। इसी बीच, परुपल्ली कश्यप इंडोनेशिया के पांचवी सीड जोनाथन क्रिस्टी से 14-21, 15-21 से हारने के बाद प्रतियोगिता से बाहर हो गये।

दिल्ली में स्वर्ण विजेता सचिन सिसाय का हुआ भव्य स्वागत

नयी दिल्ली। सचिन पहलवान गांव सिसाय निवासी ने पिछले दिनों बहरीन में आयोजित एशियन सब जूनियर कुश्ती प्रतियोगिता में भारत के लिए गोल्ड मेडल जीता था। दिल्ली में हिसार लोकसभा के सांसद चौधरी बृजेंद्र सिंह व पूर्व इस्पात मंत्री चौधरी वीरेंद्र सिंह ने सिसाय के पुत्र सचिन पहलवान का मान सम्मान किया गया और साथ ही साथ सांसद बृजेंद्र सिंह द्वारा 11000 रूपए की राशि देकर आशीर्वाद दिया। साथ में प्रो स्पोर्ट्स लीग के अध्यक्ष सुरेंद्र कालीरमन और महासचिव तरुण चौधरी द्वारा एक साल के लिए सचिन को स्पॉन्सर किया गया। उल्लेखनीय है कि प्रो स्पोर्ट्स लीग कई सालों से खिलाड़ियों के हित के लिए काम करता आ रहा है और खिलाड़ियों को मान सम्मान व इनामी राशि देकर सम्मानित और हौसला अफजाई करता है जिसे लेकर सचिन के पिता कृष्ण कुमार ने प्रो स्पोर्ट्स लीग के सभी सदस्यों का धन्यवाद किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व इस्पात मंत्री वीरेंद्र सिंह और हिसार से सांसद बृजेंद्र सिंह व अति विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रो स्पोर्ट्स लीग के अध्यक्ष सुरेंद्र कालीरमन एडवोकेट व महासचिव तरुण चौधरी मौजूद, क्रिकेट कोच कुलदीप शोकन्द, रामकिशन फलस्वाल,सूरज जयसवाल,नितिन जैन आदि उपस्थित रहे।

थाईलैंड में संदीप मलिक ने बॉक्सिंग में लगाया सोने पर पंच

सोनीपत। हरियाणा के जिला सोनीपत के गांव लल्हेरी कलां निवासी बॉक्सर संदीप मलिक ने विदेशी धरती पर पंच जमाते हुए गोल्ड मेडल हासिल किया। उन्होंने थाईलैंड में 9 जुलाई को हुई बैंकॉक प्रीमियर बॉक्सिंग इवेंट में इंडिया की तरफ से खेलते हुए गोल्ड मेडल हासिल किया। संदीप ने बताया कि वहां पर 10 देशों ने हिस्सा लिया जिसमें संदीप की फाइट मोरक्को के ओसामा नाम के बॉक्सर के साथ हुई। संदीप मलिक ने आसोमा को हराकर गोल्ड मेडल हासिल किया। संदीप मलिक ने बॉक्सिंग में गोल्ड मेडल जीतकर अपने गांव जिला राज्य और देश का नाम रोशन किया। संदीप ने युवाओं को संदेश दिया कि नशा इंसान को खोखला कर देता है। युवा नशे की तरफ ना बढ़कर मेहनत करें और खेलों में देश का नाम रोशन करने के साथ-साथ घरवालों का भी नाम रोशन करें और अपने देश का गौरव बढ़ाएं।

पाकिस्तान को पछाड़कर भारत वनडे रैंकिंग में तीसरे स्थान पर पहुंचा

दुबई। इंग्लैंड पर 10 विकेट की बड़ी जीत के बाद भारत, पाकिस्तान से आगे निकलकर वनडे रैंकिंग में तीसरे स्थान पर आ गया है। भारत के पास अब पाकिस्तान (106 अंक) से दो अंक अधिक 108 रैंकिंग अंक हैं। हालांकि भारत को यह बढ़त बरकरार रखने के लिए सीरीज़ के दो में से कम से कम एक मैच जीतने होंगे। न्यूज़ीलैंड 126 अंकों के साथ पहले और इंग्लैंड 122 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर है। वेस्टइंडीज़ के ख़िलाफ़ घरेलू ज़मीन पर 3-0 से सीरीज़ जीतने के बाद पाकिस्तान, भारत को पछाड़कर तीसरे स्थान पर आ गया था। भारत को अगले 15 दिनों में इंग्लैंड के ख़िलाफ़ दो और वेस्टइंडीज़ के ख़िलाफ़ तीन वनडे मैच खेलने हैं। ऐसे में वह अपनी बढ़त को और बढ़ा सकता है। हालांकि इस बीच विराट कोहली की फ़िटनेस पर सवाल उठ रहे हैं और पहले मैच में अनुपस्थित रहने के बाद उनके लॉर्ड्स वनडे में भी खेलने पर संदेह है। जांघ की मांसपेशियों में खिंचाव के कारण वह ओवल वनडे नहीं खेल पाए थे। बीसीसीआई के अनुसार उन्हें यह खिंचाव नॉटिंघम में खेले गए तीसरे टी20 मैच के दौरान आया था।

मैं आलोचनाओं से निराश नहीं होता और ना ही तारीफ़ करने से बहुत खुश : बुमराह

लंदन। अगर जसप्रीत बुमराह रेसलर होते तो वह रिऐलिटी युग के सुपरस्टार होते। जब वह अच्छा करते या उनका दिन अच्छा होता तो लोग बुमराह की तारीफ़ें करते लेकिन बुमराह को इससे बहुत अधिक फ़र्क नहीं पड़ता। वह अपने आप में स्थिर रहते और सवालों का जवाब देते वक़्त उनके शब्दों का चयन वास्तविकता के बहुत क़रीब होता। और जब उनका दिन अच्छा नहीं होता या जिस दिन वह अच्छा नहीं करते तो वह अपने आप से बहुत अधिक निराश भी नहीं होते। पिछले सोमवार और मंगलवार को ही बुमराह की अगुआई वाली तेज़ गेंदबाज़ी आक्रमण की इंग्लैंड के बल्लेबाज़ों ने खूब धुलाई की थी और वे 377 रन के लक्ष्य को बचाने के कहीं से भी क़रीब नहीं थे। बुमराह ने इस पारी में 4.35 की रन रेट से रन दिए थे। एक हफ़्ते के बाद लगभग उन्हीं बल्लेबाज़ों के सामने बुमराह ने सात ओवर में छह विकेट ले डाले। इस मैच के दौरान उनकी स्विंग हतप्रभ कर देने वाली थी, इसके अलावा उन्हें पिच से भी सीम मूवमेंट मिल रहा था। लेकिन उन्होंने कुछ ज़्यादा अलग नहीं किया था।

मैच के बाद प्रेस कॉन्फ़्रेंस के दौरान बुमराह ने कहा, %यही तो क्रिकेट की सुंदरता है। एक दिन सभी चीज़ें आपके पक्ष में जाती हैं, दूसरे दिन बहुत अधिक प्रयास करने के बाद भी आपको कुछ नहीं मिलता है। लेकिन तभी आपको स्थिर होने की ज़रूरत होती है। हर दिन एक नया दिन होता है। कई दिनों में आपको पहली ही गेंद पर बाहरी किनारा मिल जाता है तो कई दिन आप अच्छी गेंदबाज़ी करने के बाद भी किनारा ढूंढ़ते रह जाते हैं। लेकिन इन सबसे आपको प्रभावित होने की ज़रूरत नहीं होती है। मैं हमेशा एक जैसी तैयारी करता हूं और जो मेरे नियंत्रण में नहीं है उसके बारे में अधिक नहीं सोचता हूं। इसके बाद जो भी परिणाम आता है, मैं उसे स्वीकार करता हूं और आगे बढ़ जाता हूं।

क्या यह आपकी सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज़ी थी ? इस सवाल के जवाब में बुमराह ने कहा, %मैं अपनी गेंदबाज़ी को जज नहीं करता हूं और ना ही परिणाम की उतनी चिंता करता हूं। कई बार ऐसा हुआ होगा जब मैंने आज से अच्छी गेंदबाज़ी की हो लेकिन विकेट नहीं मिला हो, लेकिन मैं एक ही रूटीन और प्रोसेस फ़ॉलो करता हूं। हां, आज मुझे सफ़ेद गेंद से स्विंग और सीम दोनों मिल रही थी और मैं उसका फ़ायदा उठाना चाहता था। इस बारे में मैंने शमी भाई से भी बात की और यह निर्णय लिया कि हम गेंद को थोड़ा आगे डालेंगे ताकि स्विंग का लाभ उठाया जा सके। यह अच्छा दिन था कि हमें विकेट मिला।

क्रिकेट कॉमेंटेटर नासिर हुसैन ने बुमराह को हालिया समय में तीनों फ़ॉर्मेट का सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज़ बताया है। लेकिन बुमराह इससे भी अधिक प्रभावित नहीं हैं। उन्होंने कहा, %मैं इन सब चीज़ों पर ध्यान नहीं देता। आज अच्छा दिन था तो लोग तारीफ़ कर रहे हैं। ना मैं इससे बहुत अधिक ख़ुश होता हूं और ना ही आलोचना होने पर निराश हो जाता हूं। मैं सभी फ़ॉर्मेट में खेलने का मज़ा लेता हूं और वह करने की कोशिश करता हूं जो मैं कर सकता हूं। जो लोग मेरे बारे में कुछ कहते हैं, उसका मैं सम्मान करता हूं लेकिन उसे अधिक गंभीरता से नहीं लेता हूं। मैं उन सबका आभारी हूं, जिन्होंने मेरी प्रशंसा की है लेकिन मैं हमेशा स्थिर दिमाग़ लेकर चलता हूं। यही मेरा प्रॉसेस है।

हम पिच को पहले दो ओवर में ही समझ गए थे : शमी

लंदन। नवंबर 2020 के बाद मंगलवार को मोहम्मद शमी पहली बार वनडे खेलने लिए मैदान पर उतरे थे। हालांकि सिडनी में खेले गए उस वनडे मैच को शमी कभी भी याद नहीं रखना चाहेंगे। उस दौरान ऑस्ट्रेलिया ने 389 रन बनाते हुए भारत को 51 रनों से हराया था। जसप्रीत बुमराह और शमी ने उस मैच में 19 ओवरों में 152 रन दिए थे और सिर्फ़ दो विकेट निकाले थे।

हालांकि मंगलवार को इंग्लैंड के ख़िलाफ़ खेला गया मैच कई मायनों में भारतीय गेंदबाज़ों के लिए शानदार रहा। मोहम्मद शमी इस मैच (अपने 80वें मैच) में 150 विकेट लेने वाले सबसे तेज़ भारतीय गेंदबाज़ बन गए। इसके अलावा पहले गेंदबाज़ी करते हुए भारतीय तेज़ गेंदबाज़ों ने सभी 10 विकेट झटके। इससे पहले ऐसा कभी नहीं हुआ था। बुमराह ने इस वनडे मैच में अपने करियर का सबसे बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए 19 रन देकर 6 विकेट लिए। अपने इस गेंदबाज़ी प्रदर्शन के आधार पर बुमराह वनडे क्रिकेट रैंकिंग में नंबर एक गेंदबाज़ बन गए हैं। इस मैच में शमी ने भी बुमराह का जम कर साथ दिया। उन्होंने 31 रन ख़र्च करते हुए तीन विकेट झटके। इसमें जॉस बटलर और बेन स्टोक्स जैसे बल्लेबाज़ों का विकेट भी शामिल था।

बीसीसीआई टीवी पर गेंदबाज़ी कोच पारस महाम्ब्रे से बात करते हुए शमी ने कहा, पिच पर गेंद रूक कर आ रही थी और कांटा भी बदल रही थी। इसी कारण से यह महत्वपूर्ण था कि सही एरिया में गेंदबाज़ी की जाए। हमारे सभी गेंदबाज़ों ने बढ़िया गेंदबाज़ी की। जिस पिच पर गेंद ज़्यादा स्विंग करती है वहां आपको सब कुछ साधारण ही रखना होता है, आपको ज़्यादा कुछ करने की ज़रूरत नहीं होती है। हमने वही किया और परिणामस्वरूप हमें विकेट मिला। पहले ओवर में ही शमी बेयरस्टो को जिस तरीक़े से बीट कर रहे थे, उससे यह साफ़ पता चल गया था कि पिच गेंदबाज़ों के लिए मददगार है।

भारत को विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फ़ाइनल में पहुंचने के लिए क्या करना होगा

दुबई। श्रीलंका ने ऑस्ट्रेलिया को दूसरे और आख़िरी टेस्ट में हरा दिया। इसके बाद विश्व टेस्ट चैंपियनशिप की अंक तालिका में वह तीसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। इसके अलावा दूसरे टेस्ट को हारने के बाद ऑस्ट्रेलिया की टीम अंक तालिका में पहले स्थान से खिसक गई है।

श्रीलंका के पास अंक तालिका में फ़िलहाल 54.17 फ़ीसदी अंक है। अगर वह फ़ाइनल में पहुंचना चाहते हैं तो उन्हें और अंक बटोरने पड़ेंगे। उनकी टीम को इस डब्ल्यूटीसी साइकिल में चार और टेस्ट मैच खेलने हैं। घरेलू धरती पर ही वह पाकिस्तान के ख़िलाफ़ दो टेस्ट मैचों की सीरीज़ खेलेंगे जो 16 जुलाई से शुरू हो रही है। अगर वह फ़ाइनल में पहुंचने के प्रबल दावेदार बनना चाहते हैं तो उन्हें पाकिस्तान को 2-0 से हराना होगा। इसके अलावा उन्हें दो मैच न्यूज़ीलैंड के साथ भी खेलना है। उन्हें वहां कम से कम एक टेस्ट जीतना होगा। इसके बाद उनके पास 61.11 फ़ीसदी अंक होंगे।

भारत पिछले विश्व टेस्ट चैंपियनशिप में उपविजेता था। हालांकि अभी वह अंक तालिका में पांचवें स्थान पर है। उन्हें आगे दो टेस्ट बांग्लादेश के साथ खेलना है और चार टेस्ट ऑस्ट्रेलिया के साथ खेलना है। अगर वह सभी टेस्ट जीतते हैं तो उनका अंक 68.05 फ़ीसदी हो जाएगा। ऐसा होने से वह फ़ाइनल तक पहुंच सकते हैं। अगर इन यह छह टेस्ट में से एक भी हारते हैं तो उनका अंक 62.05 फ़ीसदी हो जाएगा। इसके बाद उन्हें दूसरे टीमें को परिणाम पर निर्भर होना पड़ेगा।

अंक तालिका में 71.43 फ़ीसदी अंकों के साथ दक्षिण अफ़्रीका टॉप पर है और 70 अंकों के साथ ऑस्ट्रेलिया दूसरे नंबर पर है। दूसरा टेस्ट हारने के बाद भले ही ऑस्ट्रेलिया दूसरे स्थान पर पहुंच गया है लेकिन अंक तालिका में वह अभी भी मज़बूत स्थिति में है। अगर घरेलू धरती पर होने वाले बाक़ी के पांच टेस्ट मैच वह जीत जाते हैं तो वह 65 फ़ीसदी अंकों के साथ इस डब्ल्यूटीसी साइकल को समाप्त करेंगे।

वह भारत में होने वाले चार टेस्ट मैच जीते या हारें, उससे कोई फ़र्क नहीं पड़ेगा। उनके पास 65 फ़ीसदी अंक ही रहेंगे। अगर वह घरेलू धरती पर एक भी मैच हार जाते हैं तो उन्हें भारत में कम से कम एक टेस्ट जीतना होगा। तभी वह 65 फ़ीसदी अंक को बरक़रार रख पाएंगे।

जैसा कि उल्लेख किया गया है श्रीलंका को फ़ाइनल की रेस में बने रहने के लिए 2-0 से जीत की आवश्यकता है। पाकिस्तान वर्तमान में अंक तालिका में चौथे स्थान पर है। अगर वह उस सीरीज़ को 2-0 से जीत जाता है तो उनका अंक प्रतिशत बढ़कर 62.96 हो जाएगा। फिर उन्हें तीन में जीत हासिल करनी होगी और अपने पांच घरेलू टेस्ट में से दो ड्रॉ करना होगा। तब उनकी टीम 65 प्रतिशत से अधिक अंक हासिल करने में सफल हो पाएगी। अगर वे श्रीलंका के ख़िलाफ़ 1-1 से ड्रा करते हैं, तो उन्हें चार घरेलू टेस्ट जीतने होंगे, जबकि 0-2 से हारने के बाद उन्हें घरेलू धरती पर सारे मैच जीतने होंगे।

दक्षिण अफ़्रीका के लिए 17 अगस्त से शुरू होने वाली सीरीज़ द टेबल टॉपर्स के लिए एक बड़ी सीरीज़ है। उनकी टीम को उसके बाद ऑस्ट्रेलिया में भी टेस्ट सीरीज़ खेलना है। अगर वे 2-1 से सीरीज़ जीतते हैं तो उनके पास 70 फ़ीसदी अंक होंगे, जिसका अर्थ है कि ऑस्ट्रेलिया में अगर वे 1-2 से श्रृंखला हार भी जाते हैं तो वे 64 प्रतिशत अंक तक पहुंच सकते हैं।

एक तरफ बातचीत, दूसरी ओर हमलों में तेजी

... रूस का दावा- यूक्रेन के तीन लड़ाकू विमानों को किया ध्वस्त

नई दिल्ली। रूस और यूक्रेन के बीच 139 दिनों से जारी युद्ध दिन पर दिन गंभीर रूप लेता जा रहा है। रूसी रक्षा मंत्रालय ने बुधवार को दावा किया कि उसकी सेना ने यूक्रेन के तीन लड़ाकू विमानों का मार गिराया है। रूस ने कहा है कि उसने जिन विमानों को मार गिराया है उसमें Su-25 और Su-24 लड़ाकू जेट शामिल हैं। इन्हें पूर्वी यूक्रेन के डोनेट्स्क क्षेत्र में मार गिराया गया है, जबकि तीसरा लड़ाकू जेट मिग-29 था। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, ये सभी लड़ाकू विमान सोवियत डिजाइन के विमान हैं जिनका इस्तेमाल यूक्रेन की वायु सेना कर रही है। हालांकि, लड़ाकू विमान को मार गिराने के दावे को लेकर यूक्रेन की ओर से तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। रूस की ओर से यह दावा ऐसे समय किया गया है जब दोनों देशों के बीच अनाज निर्यात पर गतिरोध को तोड़ने के लिए बातचीत शुरू हुई है।

यूक्रेन गेहूं, जौ और मक्का का महत्वपूर्ण निर्यातक

यूक्रेन गेहूं, जौ और मक्का का एक महत्वपूर्ण निर्यातक है। वैश्विक बाजार में सूरजमुखी के तेल की लगभग आधी आपूर्ति में यूक्रेन का योगदान रहता है। दोनों देशों के अधिकारियों ने चर्चा के लिए बुधवार को संयुक्त राष्ट्र और तुर्की के अधिकारियों से मुलाकात की। रूस और यूक्रेनी अधिकारियों के बीच 29 मार्च को इस्तांबुल में हुई एक बैठक के बाद पहली बार फेस-टू-फेस मीटिंग हुई है।

420 सैनिक मारे जाने का दावा

रूसी विमानों के मायकोलाइव में उच्च क्षमता के हथियारों से किए गए हमले में लगभग 420 सैनिक मारे गए हैं। रूस के रक्षा मंत्रालय (आरडीएम) ने बुधवार को पत्रकारों बताया कि दुश्मनों को सभी दिशाओं में काफी नुकसान हुआ है। मायकोलाइव के शिपयार्ड क्षेत्र में उच्च क्षमता वाली हवाई मिसाइलों के हमलों में यूक्रेनी सेना के 350 जवान मारे गए तथा सैन्य उपकरणों की 20 इकाइयों को नष्ट कर दिया गया। मंत्रालय ने कहा कि रूस के विमानों ने पश्चिमी मायकोलाइव में अस्थाई रुप से बनाई गई यूक्रेन सेना की इकाई पर भी निशाना साधा गया और उसे नष्ट कर दिया गया। इसमें 70 जवान मारे गए।

विक्रमसिंघे बने श्रीलंका के कार्यवाहक राष्ट्रपति

कोलंबो। आर्थिक संकट का सामना कर रहे श्रीलंका में प्रदर्शनकारियों के राष्ट्रपति भवन और प्रधानमंत्री भवन पर कब्जा कर लेने के बीच प्रधानमंत्री रानिल विक्रमसिंघे को कार्यवाहक राष्ट्रपति नियुक्त किया गया है। श्रीलंका के संसद अध्यक्ष महिंदा यापा अभयवर्धना ने बुधवार को इसकी घोषणा की। उन्होंने कहा कि इस फैसले से उन्हें (श्री अभयवर्धना) श्रीलंका छोड़कर मालदीव गए राष्ट्रपति गोटाबाया राजपक्षे ने अवगत कराया है। श्री अभयवर्धना ने मीडिया को दिये एक विशेष बयान में कहा कि राष्ट्रपति ने श्री विक्रमसिंघे को उनकी (श्री गोटाबाया) ओर से कार्य करने के लिए नियुक्त किया है, क्योंकि वह देश से बाहर हैं। उन्होंने बताया कि श्री विक्रमसिंघे को संविधान के अनुच्छेद 37(1) के तहत कार्यवाहक राष्ट्रपति नियुक्त किया गया है। इस घोषणा के बाद कोलंबो के कई हिस्सों में नए सिरे से विरोध-प्रदर्शन शुरू हो गया है। प्रदर्शनकारी राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री दोनों से आर्थिक संकट को लेकर इस्तीफा देने की मांग कर रहे हैं।

चीन के साथ लगातार बढ़ रहा है भारत का व्यापार घाटा, भारतीय निर्यात में भारी गिरावट

बीजिंग। भारत और चीन के बीच व्यापार 2022 के पहले छह महीनों में 67.08 अरब डॉलर रहा। यह एक साल पहले की समान अवधि की तुलना में 16.5 फीसदी ज्यादा है। चीन के सामान्य प्रशासन कस्टम (जीएसी) ने बुधवार को ताजा आंकड़े जारी किए। चीन की ओर से जारी ताजा डेटा भारत के जबरदस्त व्यापार घाटो को दर्शाता है। 2022 के पहले 6 महीनों में चीन से भारत के लिए निर्यात 57.51 बिलियन डॉलर रहा। यह पिछले साल की तुलना में 34.5त्न ज्यादा है। वहीं भारत से चीन के लिए निर्यात 9.57 बिलियन डॉलर रहा, जो कि 2021 की पहली छमाही की तुलना में 35.3त्न की तेज गिरावट को दिखाता है। सही मायनों में इस साल जनवरी से जून के बीच भारत का व्यापार घाटा 47.94 अरब डॉलर था।

जनवरी में जारी चीनी आंकड़ों के अनुसार, 2021 में भारत और चीन के बीच कुल व्यापार 125 अरब डॉलर था, जो अपने आप में एक रिकॉर्ड था। दोनों देशों के बीच व्यापार घाटा भी बढ़कर 69 अरब डॉलर हो गया था। चीन को भारत के प्रमुख निर्यात में लौह अयस्क, कपास, तांबा, एल्यूमीनियम और हीरे व प्राकृतिक रत्न शामिल हैं।

व्यापार घाटे को लेकर बीजिंग में भारतीय दूतावास ने अपनी वेबसाइट पर कहा, समय के साथ, हमारी इन कच्चे माल-आधारित वस्तुओं पर मशीनरी, बिजली से संबंधित उपकरण, दूरसंचार उपकरण, जैविक रसायन, और उर्वरकों का चीनी निर्यात हावी हो गया है। नोट में कहा गया है कि चीन में अधिकांश भारतीय कृषि उत्पादों की बाजार तक पहुंच में बाधाएं हैं। भारत फार्मास्यूटिकल्स और आईटी के क्षेत्र में प्रतिस्पर्धी है और अच्छा कर सकता है लेकिन चीन में बाजार पहुंच की बाधाएं शामिल हैं। पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा के साथ चल रहे सीमा गतिरोध के बावजूद, चीन ने मई में कहा कि यह भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार बना हुआ है। चीन ने यह बयान ऐसे समय में दिया था जब भारत ने आंकड़े जारी कर कहा था कि उसने 2021 में किसी अन्य देश के मुकाबले अमेरिका के साथ अधिक व्यापार किया। भारत के वाणिज्य मंत्रालय ने हाल ही में मई में डेटा प्रकाशित किया था जिसमें दिखाया गया था कि 2021-22 में अमेरिका चीन को पीछे छोड़ते हुए भारत का शीर्ष व्यापारिक भागीदार बन गया है।

चार दिवसीय दौरे पर इजरायल पहुंचे बाइडेन

तेल अवीव। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन बुधवार को मध्य पूर्व के चार दिवसीय दौरे पर इज़राइल पहुंचे। तेल अवीव के पास लोद में बेन गुरियन हवाई अड्डे पर श्री बाइडेन का स्वागत करने वालों में इज़राइल के प्रधानमंत्री यायर लैपिड और राष्ट्रपति इसाक हर्ज़ोग शामिल थे। श्री लैपिड ने श्री बाइडेन को महान ज़ायोनीवादी और इज़राइल के सबसे अच्छे दोस्तों में से एक बताया। उन्होंने कहा, यह ऐतिहासिक है क्योंकि यह हमारे दोनों देशों के बीच अटूट बंधन को व्यक्त करता है। द टाइम्स ऑफ इज़राइल ने श्री लैपिड के हवाले से कहा कि दोनों नेता अब्राहम समझौते और नेगेव शिखर सम्मेलन की उपलब्धियों के बाद मध्य पूर्व के देशों के साथ एक नई सुरक्षा और अर्थव्यवस्था वास्तुकला के निर्माण पर चर्चा करेंगे।

हंगरी ने की ऊर्जा आपातकाल की घोषणा

बुडापेस्ट। हंगरी सरकार ने ऊर्जा के क्षेत्र में आपातकाल की स्थिति घोषित कर दी है। हंगरी के प्रधानमंत्री कार्यालय ने बुधवार को यह जानकारी दी। हंगरी के पीएमओ के प्रमुख गेरगेली गुलियास ने एम 1 चैनल द्वारा प्रसारित एक ब्रीफिंग में कहा,हंगेरियन परिवारों की रक्षा करने और कई अन्य देशों की तरह ऊर्जा प्रदान करने के लिए, हंगरी सरकार ऊर्जा क्षेत्र में आपातकाल की स्थिति की घोषणा कर रही है। श्री गुलियास ने कहा कि हंगरी ने ऊर्जा संसाधनों और जलाऊ लकड़ी के निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया है। हंगरी के विदेश मंत्री पीटर सिज्जार्टो ने पहले दिन में कहा था कि हंगरी ने मौजूदा दीर्घकालिक अनुबंधों से अधिक 70 करोड़ क्यूबिक मीटर गैस खरीदने के लिए बातचीत शुरू कर दी है और हंगेरियन गैस भंडारण सुविधाएं अब 44 प्रतिशत पूर्ण हैं।

एसएलआरसी परिसर में प्रदर्शनकारियों को धावा, प्रसारण कुछ देर के लिए बाधित, बाद में हुआ बहाल

कोलंबो । श्रीलंका में सरकार विरोधी प्रदर्शनकारियों के राष्ट्रीय टेलीविजन चैनल श्रीलंका रूपवाहिनी कॉर्प (एसएलआरसी) परिसर में धावा बोलने और स्टूडियो में घुसने पर बुधवार को अस्थायी रूप से प्रसारण को रोक दिया गया लेकिन कुछ देर बाद फिर से टीवी प्रसारण शुरू कर दिया गया। प्राप्त जानकारी के मुताबिक एसएलआरसी के प्रसारण को थोड़े समय के लिए मजबूरन रोकना पड़ा। प्रदर्शनकारियों ने मांग की कि चैनल को केवल 'सरकार विरोधी प्रदर्शन और मनोरंजन कार्यक्रमों' को चलाना चाहिए। प्रदर्शनकारियों ने अपना पक्ष दर्शकों तक पहुंचाने के लिए करीब 15 मिनट का समय लिया, जिसके बाद चैनल ने कुछ देर के लिए प्रसारण बंद कर दिया। इसके बाद एसएलआरसी ने फिर से प्रसारण शुरू कर दिया।

420 यूक्रेनी सैनिक मायकोलाइव में मारे गए-आरडीएम

मायकोलाइव/मॉस्को। रुसी विमानों के मायकोलाइव में उच्च क्षमता के हथियारों से किये गये हमले में लगभग 420 सैनिक मारे गये हैं। रुस के रक्षा मंत्रालय (आरडीएम) ने बुधवार को पत्रकारों बताया कि दुश्मनों को सभी दिशाओं में काफी नुकसान हुआ है। मायकोलाइव के शिपयार्ड क्षेत्र में उच्च क्षमता वाली हवाई मिसाइलों के हमलों में यूक्रेनी सेना के 350 जवान मारे गए तथा सैन्य उपकरणों की 20 इकाइयों को नष्ट कर दिया गया। मंत्रालय ने कहा कि रुस के विमानों ने पश्चिमी मायकोलाइव में अस्थाई रुप से बनाई गई यूक्रेन सेना की इकाई पर भी निशाना साधा गया और उसे नष्ट कर दिया गया। इसमें 70 जवान मारे गए।

गोतबाया ने किये इस्तीफा देने का वादा

कोलंबो। जबरदस्त आर्थिक संकट का सामना कर रहे श्रीलंका के राष्ट्रपति गोतबाया राजपक्षे ने मालदीव के लिए रवाना होने से पहले वादा किया था कि वह बुधवार को इस्तीफा देंगे। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक श्रीलंका की संसद के अध्यक्ष महिंदा यापा अभयवर्दना ने कहा है देश छोड़कर मालदीव गए राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे ने मुझसे कहा था कि वह बुधवार को इस्तीफा दे देंगे। श्री अभयवर्दना ने बताया कि राष्ट्रपति ने मुझसे सम्पर्क किया था और अपने वादे के मुताबिक इस्तीफा देने की बात कही थी।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं... से मुद्रित एवं , ब्लाक नं 23 मकान नं 399 त्रिलोक पुरी दिल्ली -91 से प्रकाशित
संपादकः प्रवीण कुमार सिंह, आरएनआई नं. ·DELHIN/2011/38334, किसी भी विवाद के लिए पीआरबी एक्ट अंतर्गत उत्तरदायी, टेलीफोन नं.: 011-26700510/11 , ई-मेल : info@gauravshalibharat.com, समस्त विवादो का न्यायलय दिल्ली होगा

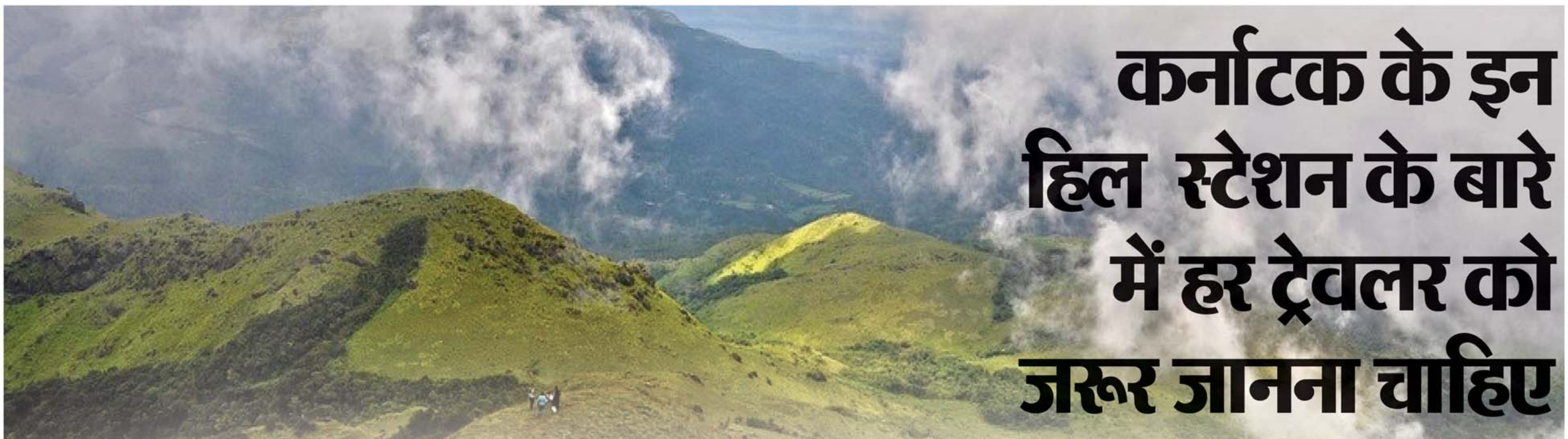

कर्नाटक के इन हिल स्टेशन के बारे में हर ट्रेवलर को जरूर जानना चाहिए

भारत के दक्षिण-पश्चिमी क्षेत्र में स्थित खूबसूरत राज्य कर्नाटक अपने हाई-टेक हब, नाइटलाइफ़, भव्य महलों, पुराने मंदिरों और वन्यजीव अभयार.यों के लिए जाना जाता है। हालांकि, इस राज्य में हरे-भरे वातावरण और शांति प्रदान करते कई हिल स्टेशन भी हैं। जो लोग शहर की भीड़भाड़ से दूर प्रकृति के बीच कुछ शांत समय बिताना चाहते हैं, वह इन हिल स्टेशनों में जा सकते हैं। हरी-भरी पहाड़ियों, झरनों और सुविधाजनक स्थानों से लेकर ऐतिहासिक आकर्षणों और एड्रेनालाईन गतिविधियों तक, कर्नाटक के हिल स्टेशनों में बहुत कुछ है। तो चलिए आज हम आपको कर्नाटक के कुछ बेहतरीन हिल स्टेशनों के बारे में बता रहे हैं-

चिकमगलूर, कर्नाटक

चिकमगलूर चाय और कॉफी के बागानों, दूधिया-सफेद झरनों और खूबसूरत पार्कों से भरपूर है। यहां पर घूमने के लिए लोकप्रिय स्थान हेब्बे फॉल्स, कल्लाथिगिरी फॉल्स, हनुमना गुंडी फॉल्स, भद्रा वन्यजीव अभयारण्य, महात्मा गांधी पार्क, कॉफी संग्रहालय, हिरेकोले झील, कोडंदरामा मंदिर आदि हैं। अगर आप यहां पर हैं तो चाय और कॉफी के बागानों में टहलें, उच्चतम मुल्लायनगिरी चोटी पर जाएँ, क्यातनामक्की में सुंदर दृश्यों का आनंद लें, अमृतेश्वर और विद्याशंकर मंदिर में जाएं।

नंदी हिल्स, कर्नाटक

4849 फीट की ऊंचाई पर स्थित नंदी हिल्स कर्नाटक के सबसे प्रसिद्ध हिल स्टेशनों में से एक है। हरे भरे परिवेश, ट्रेकिंग ट्रेल्स और आश्चर्यजनक दृश्यों के अलावा, इस जगह में कई स्मारकों और मंदिरों के साथ एक लोकप्रिय ऐतिहासिक किला भी है। यहां पर घूमने के लिए लोकप्रिय स्थान टीपू की बूंद, टीपू का ग्रीष्मकालीन निवास, अमृता सरोवर, भोग नंदीश्वर मंदिर, ब्रह्माश्रम, नेहरू निलय, ग्रोवर ज़म्पा वाइनयार्ड आदि है।

सिरसी, कर्नाटक

घने जंगलों के बीच बसा कर्नाटक का यह आकर्षक हिल स्टेशन, बैंगलोर से एक आदर्श वीकेंड गेटवे है। विविध वन्यजीवों से भरे घने उष्णकटिबंधीय जंगलों से लेकर सुरम्य झरनों और हरी-भरी पहाड़ियों तक, सिरसी की प्राकृतिक सुंदरता आपको मंत्रमुग्ध कर देगी। अगर आप यहां पर हैं तो मुरेगर फॉल्स, शिवगंगा फॉल्स, बुरुड फॉल्स, उंचल्ली फॉल्स, विभूति फॉल्स, मरिकंबा मंदिर, श्री महागणपति मंदिर, गुडवी पक्षी अभयार.य आदि जगहों को जरूर एक्सप्लोर करें।

माले महादेश्वर या एमएम हिल्स, कर्नाटक

सात पहाड़ी श्रृंखलाओं, एमएम हिल्स समुद्र तल से 3200 फीट की ऊंचाई पर स्थित है और 'स्वयंभू' या स्वयं प्रकट रूप में भगवान शिव के साथ एक प्राचीन मंदिर के लिए प्रसिद्ध है। धार्मिक स्थलों के अलावा, यह स्थान वनस्पतियों और जीवों में समृद्ध है, जो इसे वन्यजीव प्रेमियों और एड्रेनालाईन के दीवाने लोगों के बीच एक लोकप्रिय आकर्षण बनाता है। यहां पर आने वाले हर यात्री को श्री माले महादेश्वर मंदिर, थाला बेट्टा, नागमाले हिल्स आदि जगहों पर जरूर जाएं। साथ ही घने जंगलों में हाथियों और अन्य जानवरों को देखना ना भूलें।

गंगामूला, कर्नाटक

हरे-भरे और घने जंगलों से घिरा गंगामूला उन लोगों के लिए एक आदर्श स्थान है जो प्रकृति की गोद में क्वालिटी टाइम बिताना चाहते हैं। हिल स्टेशन एक धुंधली जलवायु और आश्चर्यजनक परिदृश्य और आकर्षण का आनंद लेता है। यह स्थान तीन महत्वपूर्ण नदियों- तुंगा, भद्रा और नेत्रावती का उद्गम स्थल होने के लिए भी प्रसिद्ध है। यहां पर घूमने के लिए लोकप्रिय स्थानों में हनुमना गुंडी जलप्रपात, श्री अन्नपूर्णेश्वरी मंदिर, सिरिमाने जलप्रपात, गोमतेश्वर प्रतिमा, चतुर्मुख बसदी, श्री वेंकटरमण मंदिर, अंबा तीर्थ आदि शामिल है। अगर आप यहां पर हैं तो कुरिंजल पीक और नरसिम्हा पर्वत के लिए ट्रेक, कुद्रेमुख राष्ट्रीय उद्यान की प्राकृतिक सुंदरता को देखें। भगवती प्रकृति शिविर में प्रकृति की सैर, जीप सफारी और ट्रेकिंग का आनंद लें।

दुनिया के इन खूबसूरत बीचेस पर घूमने का है एक अलग ही आनंद

जब भी समर वेकेशन की बात होती है तो लोग अक्सर बीच पर जाना ही पसंद करते हैं। समुद्र तट के किनारे बैठकर कुछ पल फुरसत के बिताने का अपना एक अलग ही आनंद है। लेकिन यह लुत्फ तब और भी ज्यादा बढ़ जाता है, जब वह बीच भी बेहद साफ व खूबसूरत हो। दरअसल, बढ़ते पर्यावरण प्रदूषण का असर विश्व में मौजूद बीचेस पर भी पड़ा है, जिसके कारण वह अब पहले जैसे साफ नहीं रह गए हैं। लेकिन फिर भी कुछ ऐसे बीचेस हैं, जो बेहद क्लीन है और इसलिए यहां पर घूमना यकीनन आपको भी काफी अच्छा लगेगा। तो चलिए जानते हैं इन बीचेस के बारे में-

लानिकाई बीच, ओहू, हवाई

लानिकाई बीच बेहद ही खूबसूरत बीच हैं। इस समुद्र तट को खोजने में थोड़ी मुश्किल हो सकती है, लेकिन ओहू में टूरिस्ट टैफिक की हलचल से दूर, यह किसी स्वर्ग से कम नहीं है। लुभावना नीला पानी आपको मोहित कर लेगा। सह समुद्र तट मुख्य रूप से अपने पानी के लिए जाना जाता है, और यह आपकी कश्ती, पैडलबोर्ड और तैराकी की जरूरतों को पूरा करने के लिए एकदम सही है।

माया बे, थाईलैंड

थाईलैंड में स्थित शानदार माया बे बीच लगभग 200 मीटर लंबा मुख्य समुद्र तट है और यह अपने पानी के नीचे रंगीन मूंगा, चमकदार साफ पानी और विदेशी मछली के लिए जाना जाता है। इसकी खूबसूरती का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि डैनी बॉयल ने लियोनार्डो डिकैप्रियो अभिनीत मूवी द बीच (2000) की शूटिंग के लिए इस खूबसूरत समुद्र तट को चुना।

व्हाइटहेवन बीच, क्वींसलैंड, ऑस्ट्रेलिया

ग्रेट बैरियर रीफ के केंद्र में स्थित, और व्हाट्सुनडे आइलैंड्स नेशनल पार्क के संरक्षित लिफाफे में मौजूद व्हाइटहेवन बीच ऑस्ट्रेलिया में अब तक का सबसे प्रसिद्ध समुद्र तट है। बड़े पैमाने पर यह बीच 4.4 मील (7 किमी) तक फैला है। यह समुद्र तट कुछ शुद्ध सफेद सिलिका रेत, और फ़िरोज़ा, नीले और हरे रंग के साफ पानी के मंत्रमुग्ध कर देने वाले दृश्य प्रस्तुत करता है।

लांग बीच, वैंकूवर द्वीप, कनाडा

कनाडा के वैंकूवर द्वीप पर सबसे लंबा रेतीला समुद्र तट, जिसे उपयुक्त रूप से लॉन्ग बीच कहा जाता है, कुछ सबसे शांत दृश्य और अद्भुत समुद्री जंगल प्रदान करता है। प्रशांत रिम नेशनल पार्क रिजर्व के भीतर स्थित यह समुद्र तट 10 मील (16 किमी) तक फैला हुआ है। इसकी खूबसूरत रेत और रेनफोरेस्ट के व्यू इस स्थान को और भी बेहतरीन व खूबसूरत बनाता है।

एलोरा गुफाओं की बात है निराली, जानिए इनके बारे में

एलोरा गुफाएं, उत्तर-पश्चिम-मध्य महाराष्ट्र राज्य में 34 शानदार रॉक-कट मंदिरों की एक श्रृंखला है। वे औरंगाबाद के उत्तर-पश्चिम में 19 मील और अजंता की गुफाओं से 50 मील दक्षिण-पश्चिम में एलोरा गांव के पास स्थित हैं। करीबन 2 किमी की दूरी में फैले इन मंदिरों को बेसाल्टिक चट्टानों से काटा गया था और इनमें विस्तृत अग्रभाग और आंतरिक दीवारें हैं। एलोरा परिसर को 1983 में यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थल के रूप में नामित किया गया था। ये लुभावनी गुफाएं अपनी मूर्तियों और वास्तुकला के लिए निश्चित रूप से देखने लायक हैं। तो चलिए आज हम आपको एलोरा गुफाओं के बारे में विस्तारपूर्वक बता रहे हैं-

धार्मिक विविधता का है प्रतीक

एलोरा की गुफाएं न केवल तीन महान धर्मों (बौद्ध, ब्राह्मणवाद और जैन धर्म) की गवाही देती हैं, बल्कि वे सहिष्णुता की भावना, प्राचीन भारत की विशेषता को भी दर्शाती हैं, जिसने इन तीनों धर्मों को अपने अभयारण्यों और अपने समुदायों को एक ही स्थान पर स्थापित करने की अनुमति दी। 12 बौद्ध गुफाएं (दक्षिण में) लगभग 200 ईसा पूर्व से 600 सीईं तक, 17 हिंदू मंदिर (केंद्र में) लगभग 500 से 900 सीई तक और 5 जैन मंदिर (उत्तर में) लगभग 800 से 1000 सीई तक बनाई गई हैं। एलोरा ने मठों (विहारों) और मंदिरों (चैत्य) के एक समूह के रूप में कार्य किया।

कैलासा गुफा है बेहद प्रसिद्ध

गुफा मंदिरों में सबसे उल्लेखनीय कैलासा (कैलासनाथ गुफा 16) है, जिसका नाम हिमालय के कैलास रेंज में पर्वत के लिए रखा गया है जहां हिंदू भगवान शिव निवास करते हैं। साइट पर अन्य मंदिरों के विपरीत, जो पहले चट्टान के चेहरे में क्षैतिज रूप से खोदे गए थे, कैलासा परिसर को बेसाल्टिक ढलान से नीचे की ओर खोदा गया था और इसलिए यह काफी हद तक सूर्य के प्रकाश के संपर्क में है। 8 वीं शताब्दी में मंदिर का निर्माण, कृष्ण प्रथम के शासनकाल में शुरू हुआ। इसमें सीढ़ियों, दरवाजों, खिड़कियों और कई निश्चित मूर्तियों के साथ विस्तृत नक्काशीदार मोनोलिथ और हॉल हैं। इसकी बेहतर सजावट में से एक विष्णु का एक दृश्य है जो एक नरसिंह में बदल गए। प्रवेश द्वार के ठीक बाहर, मुख्य प्रांगण में, शिव के बैल नंदी का एक स्मारक है। हॉल के भीतर चित्रण में 10 सिरों वाले राक्षस राजा रावण ने ताकत के प्रदर्शन में कैलास पर्वत को हिलाने का दृश्य भी मौजूद है।

जैन गुफाएं

जैन मंदिरों में उल्लेखनीय गुफा 32 है, जिसमें कमल के फूलों और अन्य विस्तृत आभूषणों की बारीक नक्काशी शामिल है। हर साल ये गुफाएं धार्मिक तीर्थयात्रियों और पर्यटकों की बड़ी भीड़ को आकर्षित करती हैं। शास्त्रीय नृत्य और संगीत का वार्षिक एलोरा महोत्सव मार्च के तीसरे सप्ताह में वहाँ आयोजित किया जाता है।